ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

Epaper.samagya.in

समाज्ञा

कोलकाता, माघ शुक्लपक्ष षष्ठी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सूर्यकुमार-इशान की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से भारत ने न्यूजीलैंड को सात विकेट से हराया पृष्ठ 8

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

सुविचार : दु:ख पीछे, चिंता इधर-उधर लेकिन विश्वास हमेशा आगे देखता है।

भारत एक सशक्त राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान बना रहा है: प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भारत 21वीं सदी में एक सशक्त और दृढ़ राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर रहा है तथा जानता है कि अपनी शक्ति को कैसे बढ़ाना है, उसे जिम्मेदारी से कैसे संभालना है और आवश्यकता पड़ने पर उसका प्रभावी उपयोग कैसे करना है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती 'पराक्रम दिवस' के अवसर पर अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि एक कमजोर राष्ट्र के लिए अपने लक्ष्य हासिल करना कठिन होता है और इसी कारण नेताजी बोस हमेशा एक शक्तिशाली भारत का सपना देखते थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। पहले देश हथियारों के लिए पूरी तरह आयात पर निर्भर था, लेकिन अब भारत का रक्षा निर्यात 23 हजार करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। उन्होंने बताया कि स्वदेशी ब्रह्मोस सहित कई मिसाइल प्रणालियां दुनिया के अनेक देशों का ध्यान आकर्षित कर रही हैं और स्वदेशी तकनीक के जरिए सेनाओं का

आधुनिकीकरण किया जा रहा है। मोदी ने पिछली सरकारों पर नेताजी बोस की विरासत को उचित सम्मान न देने का आरोप लगाते हुए कहा कि आजादी के बाद देश के गौरवशाली इतिहास और उपलब्धियों को संजोया जाना चाहिए था, लेकिन राजनीतिक स्वार्थ के कारण कई अध्याय उपेक्षित रह गए।उन्होंने कहा कि अंडमान-निकोबार जैसे ऐतिहासिक स्थलों के महत्व को भी लंबे समय तक नजरअंदाज किया गया। प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि नेताजी के आदर्शों पर चलते हुए भारत आने वाले वर्षों में और अधिक सशक्त बनकर उभरेगा।

आज रोजगार मेले में 61 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त 61,000 से अधिक युवाओं को शनिवार को 18वें रोजगार मेले में नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में यह जानकारी दी। पीएमओ के बयान के मुताबिक, रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता के अनुरूप रोजगार मेला इस दृष्टिकोण को अमल में लाने के उद्देश्य से शुरू की गई एक महत्वपूर्ण पहल है। इसमें कहा गया कि रोजगार मेले की शुरुआत के बाद से, देश भर में आयोजित रोजगार मेलों के माध्यम से 11 लाख से अधिक नियुक्ति पत्र जारी किए गए हैं। बयान में बताया गया कि 18वां रोजगार मेला देश भर में 45 स्थानों पर आयोजित किया जाएगा, और भारत के सभी हिस्सों से चयनित नवनियुक्त उम्मीदवार सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में शामिल होंगे। नवनियुक्त अधिकारी केंद्रीय गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग आदि सरकारी विभागों में अपनी सेवाएं देंगे।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की सभी फाइलों को केंद्र सरकार करे सार्वजनिक : ममता

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी

कोलकाता : नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर शुक्रवार को बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार से केंद्रीय अभिलेखागार में महान भारतीय देशभक्त से जुड़ी सभी फाइलों को तुरंत सार्वजनिक करने की मांग की है। मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में दावा किया कि नेताजी के गायब होने का रहस्य अभी तक सुलझा नहीं है और यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने याद दिलाया कि बंगाल सरकार ने बहुत पहले ही राज्य के अभिलेखागार में मौजूद नेताजी से जुड़ी फाइलों को सार्वजनिक कर दिया था। ममता ने लोगों को नेताजी की भावना और देश में सांप्रदायिक सद्भाव के उनके संदेश की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से नेताजी के गायब होने का रहस्य अभी तक सुलझा नहीं है। हमें नहीं पता कि 1945 के बाद उनके साथ क्या हुआ। यह सबके लिए बहुत दुख की बात है, लेकिन हमने बहुत पहले ही सभी राज्य की फाइलें सार्वजनिक कर दी थीं। मैं भारत सरकार से फिर अपील करूंगी कि नेताजी से जुड़ी सभी जानकारी को सार्वजनिक किया जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया कि नेताजी को सच्ची श्रद्धांजलि उनके सांप्रदायिक एकता और सार्वभौमिक भाईचारे के संदेश को मानने में होगी। मुख्यमंत्री ने कहा, नेताजी जानते थे कि देश सिर्फ हिंदुओं या सिर्फ मुसलमानों का नहीं है। उनके लिए देश सभी पुरुषों, महिलाओं, हिंदुओं, मुसलमानों, सिखों, ईसाइयों, पंजाबियों, तमिलों, गुजरातियों और बंगालियों का था।

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

जम्मू कश्मीर में जैश-ए-मोहम्मद का एक प्रमुख पाकिस्तानी आतंकवादी मारा गया

जम्मू : जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले में सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के एक प्रमुख पाकिस्तानी आतंकवादी को मार गिराया। पुलिस ने यह जानकारी दी। जम्मू रेंज के पुलिस महानिरीक्षक भीम सेन टूटी ने बताया कि बिल्लावार इलाके में एक संयुक्त अभियान के दौरान आतंकवादी को मार गिराया गया। जम्मू पुलिस प्रमुख ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, बिल्लावार में सेना और सीआरपीएफ के साथ संयुक्त अभियान में जम्मू कश्मीर पुलिस ने एक पाकिस्तानी जैश आतंकवादी को मार गिराया। अधिकारियों ने मृत आतंकवादी की पहचान जैश-ए-मोहम्मद कमांडर उस्मान उर्फ अबू माविया के रूप में की है। उन्होंने बताया कि परहेतर क्षेत्र के एक सुदूर गांव में चलाए गए अभियान के दौरान उसके पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए, जिसमें एक एम4 स्वचालित राइफल भी शामिल है। सेना के राइजिंग स्टार कोर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक अलग पोस्ट में कहा, विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर सेना और पुलिस ने 23 जनवरी को परहेतर क्षेत्र में संयुक्त अभियान चलाया। संयुक्त बलों की सटीक कार्रवाई में एक विदेशी आतंकवादी को मार गिराया गया। इसमें कहा गया है कि आखिरी रिपोर्ट मिलने तक तलाशी अभियान जारी था। अधिकारियों ने बताया कि उस्मान जैश-ए-मोहम्मद के सबसे वांछित आतंकवादियों में से एक था और वह पिछले कुछ वर्षों से उधमपुर-कठुआ क्षेत्र में सक्रिय था। उन्होंने बताया कि वह अतीत में कई मुठभेड़ों से बच निकला था। अधिकारियों ने बताया कि संयुक्त तलाशी दल ने एक घर पर छापा मारा और वहां छिपे एक आतंकवादी ने उन पर गोलियां चलाई। तलाशी दल ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे मार गिराया।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 32 पैसे टूटकर 91.90 पर बंद

मुंबई : रुपया शुक्रवार को कारोबार के दौरान सर्वकालिक निचले स्तर 92 पर पहुंच गया। हालांकि अंत में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मामूली सुधार के साथ 91.90 पर बंद हुआ। विदेशी पूंजी के दबाव और वैश्विक बाजारों में जोखिम से बचने की प्रवृत्ति से घरेलू मुद्रा दबाव में रही। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कमजोर घरेलू बाजारों और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी से भारतीय रुपया शुरुआती बढ़त गंवा बैठा और कारोबार के दौरान 91.99 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया।

अमेरिका ने वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन छोड़ा

लंदन : अमेरिका आधिकारिक तौर पर वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन से बाहर हो गया। अमेरिकी स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा, 'हम डब्ल्यूएचओ में दोबारा शामिल होने की कोई योजना नहीं बना रहे हैं।' अमेरिका अब देशों के साथ सीधे संपर्क करके रोग निगरानी और दूसरे प्राथमिकताओं पर काम करेगा। अमेरिका पर डब्ल्यूएचओ की करीब 2 हजार 380 करोड़ रुपए से ज्यादा की फीस बकाया है। हालांकि, ट्रम्प प्रशासन का कहना है कहा कि वे कोई भुगतान नहीं करेंगे क्योंकि डब्ल्यूएचओ को पहले ही जरूरत से ज्यादा दिया गया है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि इस फैसले से अमेरिका के साथ-साथ दुनिया के हेल्थ सिस्टम पर असर पड़ सकता है। इसे अमेरिकी कानून के खिलाफ भी माना जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 2025 में राष्ट्रपति बनने के पहले ही दिन डब्ल्यूएचओ से बाहर होने का फैसला किया था।

पांच दिन के कार्य सप्ताह की मांग पर 27 जनवरी को देशव्यापी हड़ताल पर जाएंगे बैंक संगठन

नयी दिल्ली : बैंक कर्मचारी संगठनों ने पांच दिन के कार्य सप्ताह की अपनी लंबे समय से अनसुनी मांग को लेकर 27 जनवरी को देशव्यापी हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया है। अगर यह हड़ताल होती है, तो सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में कामकाज लगातार तीन दिनों तक बाधित रहेंगे, क्योंकि 25 और 26 जनवरी को पहले से ही छुट्टियां हैं। ज्यादातर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने पहले ही अपने ग्राहकों को बता दिया है कि अगर हड़ताल होती है, तो बैंकिंग सेवाएं बाधित हो सकती हैं।

व्यापक बिकवाली के दबाव में टूटा शेयर बाजार, सेंसेक्स 770 अंक लुढ़का

मुंबई : अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचने और चौतरफा बिकवाली के दबाव में स्थानीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स करीब 770 अंक लुढ़क गया जबकि निफ्टी में 241 अंक की गिरावट दर्ज की गई। कारोबारियों ने कहा कि निवेशकों के सुरक्षित निवेश वाली परिसंपत्तियों का रुख करने और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी से निवेशक धारणा कमजोर रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 769.67 अंक यानी 0.94 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81,537.70 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 835.55 अंक फिसलकर 81,471.82 के निचले स्तर तक आ गया था। एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी भी 241.25 अंक यानी 0.95 प्रतिशत टूटकर 25,048.65 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय निफ्टी 25,025.30 अंक तक फिसल गया था। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से अदाणी पोर्ट्स, इंडिगो, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व, पावर ग्रिड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, भारतीय स्टेट बैंक, मारुति सुजुकी, बजाज फाइनेंस, एनटीपीसी, ट्रेंट, एलएंडटी और रिलायंस इंडस्ट्रीज में प्रमुख रूप से गिरावट रही। दूसरी तरफ, टेक महिंद्रा, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इन्फोसिस, एशियन पेंट्स, टीसीएस, टाइटन और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर लाभ के साथ बंद हुए। व्यापक बाजार में छोटी कंपनियों का बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक 2.19 प्रतिशत और मझोली कंपनियों का मिडकैप सूचकांक 1.56 प्रतिशत टूट गया।

राज्यपाल और सरकारें टकराव को टालें

भारतीय लोकतंत्र के केंद्र में सत्ता किसी भी राजनीतिक दल की रही हो, राज्यों में विरोधी दलों की सरकारों व राज्यपालों में टकराव की खबरें दशकों से अखबारों की सुर्खियां बनती रही हैं। जनसरोकारों की रक्षा व राज्य सरकारों की बेलगाम नीतियों पर संतुलन के लिये सृजित यह संवैधानिक पद गाहे-बगाहे विवादों की चपेट में आता रहा है। बहुमत की सरकारों को गिराने के खेल पिछली सदी में भी सुर्खियों में रहे हैं। इस कड़ी में कर्नाटक विधानसभा में घटा ताजा अप्रिय घटनाक्रम भी जुड़ गया। ऐसे में राजभवनों को लोकभवन बनाने को यथार्थ में बदलने की जरूरत भी महसूस की जा रही है। निस्संदेह, कर्नाटक विधानसभा में जो भी कुछ घटा वह राजभवन व निर्वाचित सरकारों के बीच जारी टकराव का एक निचला स्तर ही कहा जा सकता है। खासकर उन राज्यों में जहां राजग की सरकारें नहीं हैं। दरअसल, विधानसभा में मंत्रिपरिषद द्वारा तैयार किए गए पाठ को छोड़कर पारंपरिक संबोधन को केवल कुछ पंक्तियों में सीमित करने के निर्णय के बाद कर्नाटक में एक नया विवाद खड़ा हो गया। जिसका प्रभाव कांग्रेस शासित दक्षिणी राज्य के अलावा भी बहुत दूर तक महसूस किया गया। निर्विवाद रूप से नये साल के पहले सदन की शुरुआत में राज्यपाल का संबोधन एक संवैधानिक परंपरा रही है। यह राज्यपाल के व्यक्तिगत बयान के बजाय राज्य सरकार की नीतियों और प्राथमिकताओं का औपचारिक विवरण होता है। लेकिन सत्र की शुरुआत में राज्यपाल थावरचंद गहलोत अपने द्वारा तैयार किया गया संक्षिप्त भाषण देकर सदन से बाहर चले गए। राज्य की कांग्रेस सरकार ने उन पर केंद्र सरकार की मंशा के अनुरूप कार्य करने का आरोप लगाया। उल्लेखनीय है यहां यह तल्ख टकराव हाल में तमिलनाडु और केरल विधानसभा में हुए अप्रिय घटनाओं के बाद सामने आया है। विडंबना है कि ऐसी ही असहमतियां, हाल के वर्षों में आम हो चली हैं। जिसे भारत जैसे संघीय लोकतंत्र के लिये शुभ संकेत कदापि नहीं कहा जा सकता है।

दरअसल, विभिन्न राज्यों में विपक्षी दलों वाली सरकारों के मुखिया आरोप लगाते रहे हैं कि अधिकतर राज्यों में राज्यपाल का उपयोग केंद्र सरकार के राजनीतिक लक्ष्यों को हासिल करने वाले साधन के रूप में ही किया जा रहा है। निस्संदेह, राज्यों में राज्यपालों से उम्मीद की जाती है कि वे केंद्र सरकार और राज्य सरकार के बीच एक निष्पक्ष पुल का दायित्व निभाएं। इसमें दो राय नहीं कि किसी भी राज्यपाल को मसविदा संबोधन पर आपत्ति उठाने का अधिकार तो होता है, लेकिन इसके प्रत्युत्तर में संवैधानिक नैतिकता भी अपरिहार्य है। निश्चित रूप से ऐसी किसी भी असहमति को संवाद के माध्यम से हल करने की जरूरत होती है। राज्यपाल और राज्य सरकारों को सदन के भीतर आमने - सामने की भिड़ंत से हर हाल में बचने का प्रयास करना चाहिए। निर्विवाद रूप से किसी भी राज्यपाल और राज्य सरकार का अंतिम लक्ष्य जनता के हितों की रक्षा करना ही होता है। लेकिन किसी भी स्थिति में जब राज्यपाल और राज्य सरकारें विपरीत उद्देश्यों के लिये काम करने लगते हैं, तो शासन की गुणवत्ता का प्रभावित होना स्वाभाविक ही है। निर्विवाद रूप से यह केवल अहम का टकराव मात्र नहीं है। यह सरोकारों के संघवाद की भी एक परीक्षा है। उल्लेखनीय है कि आजकल केंद्र सरकार राजभवनों का नाम बदलकर लोकभवन बनाने की मुहिम चला रही है। केंद्र सरकार का कहना है कि राजभवन का संबोधन औपनिवेशिक मानसिकता को दर्शाता है। निस्संदेह लोकतंत्र में राजभवन राजतंत्र का पर्याय होने का आभास देता है। लोकतंत्र में लोकभवन सही मायनों में लोक का ही प्रतिनिधित्व करता है। लेकिन यह लोकभवन शब्द तब ही सार्थक हो सकता है जब जनता के हितों को राजनीतिक टकराव से ऊपर रखा जाएगा। निश्चित रूप से सत्ता के दोनों ही केंद्रों को जनादेश का सम्मान ईमानदारी से करना ही चाहिए। यह भारत जैसे संघीय लोकतंत्र के लिये अपरिहार्य शर्त भी है जिसका पालन राज्यपाल व राज्य सरकारों को पूरा करना ही चाहिए।

आज का पंचांग

कोलकाता : 24 जनवरी, शनिवार, 2026, विक्रम सम्वत् 2082, माघ शुक्लपक्ष षष्ठी, 24:38 तक, नक्षत्र : उत्तरभाद्रपदा, 14:04 तक, योग : शिव, 13:52 तक, सूर्योदय: 06:18, सूर्यास्त: 17:19, चन्द्रोदय : 09:40, चन्द्रास्त: 22:27, शक सम्वतः 1947 विश्वावसु, सूर्य राशि : मकर, चन्द्र राशि : मीन, राहू काल : 09:05 से 10:26

राशिफल

मेष : आपकी राशि का स्वामी मंगल-पाप ग्रहों की संगति में है। कड़वाहट को मिठास में बदलने की कला आपको सीखनी पड़ेगी। सायंकाल के समय कोई रुका काम बनने की संभावना है।

वृष : वृषभ राशि के लोगों के लिए दिन संतोष और शांति का है। राजनीतिक क्षेत्र में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। शासन व सत्ता से गठजोड़ का लाभ मिल सकता है।

मिथुन : आपकी राशि स्वामी की व्यग्रता के कारण किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने का भय बना रहेगा। उत्साहवर्धक मांगलिक कार्यों में सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त होगा।

कर्क : चन्द्रमा नवम भाव में उत्तम संपत्ति का संकेत कर रहा है। आजीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। राज्य-मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति हो सकती है।

सिंह : राशि का स्वामी सूर्य मित्र ग्रहों के बीच में आ गया है। आमदनी के नए स्रोत बनेंगे। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलाएगी। शिक्षा, प्रतियोगिता में विशेष सफलता मिलेगा।

कन्या : राशि स्वामी बुध सुख की वृद्धि कर रहा हैं रोजगार व्यापार के क्षेत्र में जारी प्रयासों में अकल्पनीय सफलता प्राप्त होगी। संतान पक्ष से भी संतोषजनक सुखद समाचार मिलेगा।

तुला : आज आपके चारों ओर सुखद वातावरण रहेगा। घर परिवार के सभी सदस्यों की खुशियां बढ़ेगी। कई दिनों से चली आ रही लेन-देन की कोई बड़ी समस्या हल हो सकती है।

वृश्चिक : आपकी राशि से एकादश-द्वादश त्रिग्रही योग अभी कुछ दिन और चलेगा। फलस्वरूप कुछ आन्तरिक विकार जैसे-वायु-मूत्र-रक्त, जड़ जमा रहे हैं।

धनु : धनु राशि के जातकों की विरोधी भी आपकी प्रशंसा करेंगे। शासन सत्ता पक्ष से निकटता व गठजोड़ का लाभ भी मिलेगा। ससुराल पक्ष से पर्याप्त मात्रा में धन हाथ लग सकता है।

मकर : पारिवारिक व आर्थिक मामलों में आपको सफलता मिलेगी। आजीविका के क्षेत्र में चल रहे नए प्रयास फलीभूत होंगे। अधीनस्थ कर्मचारियों का आदर व सहयोग भी पर्याप्त मिलेगा।

कुम्भ : आपके स्वास्थ्य सुख में व्यवधान आ सकता है। राशि का स्वामी शनि अभी मार्गी चल रहा है। निर्मूल विवाद अकारण शत्रुपत्ति, अपनी बुद्धि द्वारा किए कार्यों में ही हानि और निराशता कारक है।

मीन : आज का दिन पुत्र, पुत्री की चिंता तथा उनके कामों में व्यतीत होगा। दाम्पत्य जीवन में कई दिन से चला आ रहा गतिरोध समाप्त हो जाएगा। यात्रा में सावधान अवश्य रहें।

प्रगति : तीव्र विकास हेतु एक विजन

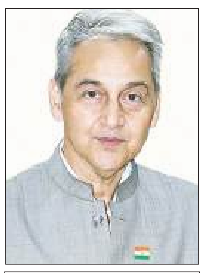

श्री सुधांश पंत

सार्वजनिक चर्चाओं में, नई योजनाओं की शुरुआत या बजटीय आवंटन में वृद्धि को अक्सर शासन में सुधार का संकेतक माना जाता है। हालांकि, किसी देश के निर्णय लेने की प्रक्रिया में बदलाव होना कम स्पष्ट होते हुए भी अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है। 50वीं सकारात्मक शासन और समयबद्ध क्रियान्वयन (प्रगति) बैठक में, प्रधानमंत्री ने सरकार के अगले चरण की भावना को तीन शब्दों यानी 'सुधार, प्रदर्शन और रूपांतरण' के रूप में व्यक्त किया। सुधार से व्यवस्था सरल होनी चाहिए; प्रदर्शन का मूल्यांकन जमीन पर सेवा अदायगी के आधार पर होना चाहिए और लोगों के जीवन पर वास्तविक प्रभाव के आधार पर रूपांतरण को मापा जाना चाहिए। यह पिछले दशक में भारतीय शासन में आए गहरे बदलाव को दर्शाता है। प्रगति एक ऐसा मंच है, जिसने सार्वजनिक परियोजना कार्यान्वयन और योजना निगरानी की संस्कृति को महत्वपूर्ण रूप से बदल दिया है। प्रगति के जरिये भारत ने एक परिवर्तनकारी पहल को अपनाया है।

सरकार में, प्रत्येक विलंब की कीमत लोगों को चुकानी होती है। एक अधूरा बना पुल परियोजना चार्ट में केवल एक रेखा भर नहीं है; यह उस छात्र की कहानी है, जिसे कॉलेज पहुंचने में अधिक समय लगता है। यह उस मरीज की पीड़ा है, जो विशेष देखभाल के लिए अतिरिक्त यात्रा करने को मजबूर है, क्योंकि स्वीकृत अस्पताल का निर्माण-कार्य पूरा नहीं हो पाया है। दशकों तक, भारत में कई सार्वजनिक परियोजनाएं फाइलों और दस्तावेजों में ही रह गईं, इसका कारण इच्छाशक्ति की कमी की तुलना में समन्वय की विफलता अधिक है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और व्यक्तिगत निगरानी के तहत, प्रगति की शुरुआत 2015 में इस समझ के साथ की गई थी कि भारत लंबे समय से परियोजनाओं के कार्यान्वयन में देरी, अलगाव और जवाबदेही की कमी से जूझ रहा था, न कि योजनाओं या महत्वाकांक्षा की कमी से। पुल आधे-अधूरे बनते रहे, हवाई अड्डे योजना-निर्माण में अटके रहे और विद्युत संयंत्र मुकदमेबाजी में फंसे रहे तथा केंद्र और राज्यों के बीच समन्वय की समस्याएं वर्षों तक अनसुलझी रहीं। इन सबके परिणामस्वरूप लाखों करोड़ रुपये की परियोजनाएं प्रक्रियागत चरणों में फंसी रह गई।

प्रगति की 10 सालों की महत्वपूर्ण उपलब्धियां स्पष्ट हैं। इसकी सुव्यवस्थित निगरानी प्रणाली में अब तक 85 लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं शामिल की गयी हैं। 382 परियोजनाओं में चिन्हित की गई 3,187 प्रमुख समस्याओं में से 2,958 (93 प्रतिशत) से अधिक का समाधान किया जा चुका है। ये पूरे हुए पुलों, चालू हुए विद्युत संयंत्रों, संचालन में आए अस्पतालों शुरू हुए राजमार्गों और जुड़े हुए रेल लिंकों को प्रतिबिंबित करते हैं, जो अक्सर दशकों की रुकावट के बाद पूरे हुए हैं।

प्रगति को विशिष्ट बनाने वाली बात इसका डिजाइन सिद्धांत है, जो डिजिटल डेटा प्रबंधन, भू-स्थानिक तकनीक और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग को एक ही निर्णय-समर्थन प्रणाली में एकीकृत करता है। यह प्रधानमंत्री को सरकार के सचिवों और राज्यों के मुख्य सचिवों के साथ एक साझा मंच पर मासिक आधार पर परियोजनाओं की सीधी समीक्षा करने और साथ ही अपने मार्गदर्शन और समाधान प्रदान करने की सुविधा देता है। जैसा कि ऑक्सफोर्ड के प्रोफेसर सौमित्र दत्ता ने कहा है कि प्रगति एक ऐसे सबक कार्य-प्रणाली को चिन्हित करती है, जिससे कई देश अभी भी जूझ रहे हैं; इंफ्रास्ट्रक्चर द्वारा संचालित विकास के लिए केवल पूंजी निवेश पर्याप्त नहीं है। इसके लिए शीर्ष नेतृत्व द्वारा सक्रिय रूप से तकनीक का उपयोग करना आवश्यक है, ताकि संस्थागत सहयोग को सक्षम किया जा सके और नियमित, परिणाम-केंद्रित उत्तरदायित्व को लागू किया जा सके।

सहकारी संघवाद को मजबूत करने में प्रगति का योगदान समान रूप से महत्वपूर्ण है। केंद्रीय सचिव और मुख्य सचिव एक ही मंच पर भाग लेते हैं, सहयोग करते हैं और जवाबदेह होते हैं। मुझे ऐसे अनेक दुर्लभ अवसर मिले हैं जब मैंने भारत सरकार के सचिव के रूप में और एक राज्य के मुख्य सचिव के रूप में इन बैठकों में दोनों पक्षों की ओर से भाग लिया है। इस मंच ने मंत्रालयों के बीच और केंद्र-राज्य के बीच अलग-थलग रहकर कार्य करने की प्रणाली को समाप्त करने में मदद की है और यह 'सम्पूर्ण सरकार का विजन' का एक शानदार उदाहरण है, जिसमें समस्याओं का सहयोग आधारित समाधान और परिणामों की साझा जिम्मेदारी शामिल रहते हैं।

इसका प्रभाव सभी क्षेत्रों में दिखाई दे रहा है। इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में, प्रगति ने लंबे समय से रुकी परियोजनाओं को आगे बढ़ाने में मदद की है। राजस्थान के बांसवाड़ा में राजस्थान परमाणु ऊर्जा परियोजना, असम में बोगिबील रेल-सह-सड़क पुल की परिकल्पना 1997 में की गई थी, किन्तु विशेष ध्यान देने के बाद पूरा किया गया, नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लगभग 25 सालों की देरी के बाद 2025 में उद्घाटन किया गया तथा जम्मू-उधमपुर-श्रीनगर-बरामुल्ला रेल लिंक ऐसे कुछ उदाहरण हैं। सभी हितधारकों द्वारा समन्वय में किये गये कार्य ने भू-भाग, सुरक्षा, भूमि अधिग्रहण और मंजूरी संबंधी चुनौतियों को पार करने में मदद की।

यह मंच, न केवल देश के उन राज्यों के लिए एक उदाहरण बन गया है जो अपने यहां इस निगरानी प्रणाली को लागू कर रहे हैं, बल्कि उन देशों के लिए भी एक मॉडल बन गया है, जो समय पर सेवाओं की अदायगी में चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। सबक सरल है, सतत निगरानी ही परियोजना के कार्यान्वयन को तेजी से आगे बढ़ा सकती है और ऐसे लाभ ला सकती है, जो केवल आर्थिक पहलुओं तक सीमित नहीं हैं।

भौतिक इंफ्रास्ट्रक्चर के अलावा, प्रगति की प्रत्येक बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा, जल और स्वच्छता, आवास, सामाजिक कल्याण और अन्य क्षेत्रों के प्रमुख कार्यक्रमों और कल्याण योजनाओं के कार्यान्वयन की भी समीक्षा की जाती है। यह इस विचार को दृढ़ करती है कि समयबद्ध सेवा अदायगी केवल इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के लिए ही नहीं, बल्कि सामाजिक क्षेत्रों के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है।

प्रगति के योगदान को आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय दृष्टिकोण से भी समझा जाना चाहिए। आर्थिक रूप से देखा जाए तो परियोजनाओं की समय पर पूर्णता लागत को अनुकूलित करती है और लाभ अधिकतम करती है। सामाजिक रूप से, तीव्र गति से परियोजनाओं की पूर्णता का मतलब है कि समुदायों को सुरक्षा कवच, सड़क, अस्पताल, बिजली और परिवहन-संपर्क तक जल्दी पहुंच मिलती है। पर्यावरण के सन्दर्भ में, प्रगति पीएम गति शक्ति और परिवेश जैसे प्लेटफॉर्मों के साथ समन्वय में काम करती है और जीआईएस-आधारित योजना के माध्यम से पारिस्थितिक पहलुओं को एकीकृत करती है, जिससे उत्सर्जन और संसाधन की बर्बादी में कमी आती है।

एक ऐसे युग में जहां नागरिकों की आकांक्षाएं केवल वादों तक सीमित नहीं हैं बल्कि कार्य निष्पादन की मांग करती हैं। ऐसे में 'प्रगति' नामक मंच यह दर्शाता है कि शासन सुधार हमेशा शोर मचाकर ही परिवर्तनकारी नहीं हो सकता। राष्ट्रीय विकास एजेंडा प्रधानमंत्री के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के विजन में परिलक्षित होता है। यह केवल विचारों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे विकसित भारत2047 के वृहद लक्ष्य की प्राप्ति के संदर्भ में एक वास्तविकता के रूप में परिणत भी करता है। कभी-कभी, सबसे शक्तिशाली बदलाव ऐसी प्रणाली बनाने में निहित होता है जो सुनिश्चित करे कि लिए गये निर्णय वास्तव में लागू किए जा रहे हैं।

-लेखक भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग के सचिव हैं। लेख में व्यक्त किए विचार उनके निजी हैं

भारतीय संस्कृति और सांस्कृतिक मूल्यों का वैश्विक प्रभाव

डॉ.राम आह्लाद चौधरी
प्रोफेसर, कलकत्ता विश्वविद्यालय

भारतीय संस्कृति हजारों वर्षों की सतत परंपरा, समृद्ध विरासत और जीवंत सांस्कृतिक चेतना का प्रतिफल है। यह केवल भारत की पहचान नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणा का स्रोत रही है। विविधता में एकता, सहिष्णुता, मानवता और सह-अस्तित्व जैसे मूल्य इसकी मूल संरचना में अंतर्निहित हैं। वेदों, उपनिषदों और महाकाव्यों से विकसित यह संस्कृति आधुनिक युग में योग, आयुर्वेद, कला, साहित्य और सिनेमा के माध्यम से विश्वव्यापी अभिव्यक्ति प्राप्त कर रही है।

वैश्वीकरण के वर्तमान दौर में भारतीय संस्कृति का प्रभाव केवल सांस्कृतिक आदान-प्रदान तक सीमित नहीं रहा है, बल्कि राजनीति, अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य, पर्यावरण और कूटनीति जैसे क्षेत्रों तक विस्तृत हो गया है। किंतु यह प्रश्न भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है कि क्या यह प्रभाव सर्वथा सकारात्मक रहा है? क्या वैश्वीकरण ने भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ किया है या उन्हें क्षीण किया है? इन प्रश्नों का आलोचनात्मक विश्लेषण करते हुए भारतीय संस्कृति के ऐतिहासिक प्रभाव, समकालीन स्वरूप और भावी संभावनाओं की विवेचना करना जरूरी है।

वैश्विक प्रभाव की प्राचीन नींव भारतीय संस्कृति का वैश्विक प्रसार कोई आधुनिक घटना नहीं है। सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर मौर्य, गुप्त और चोल साम्राज्यों तक ज्ञान, विज्ञान, दर्शन, कला और साहित्य का ऐसा विकास हुआ जिसने एशिया ही नहीं, विश्व के अन्य भागों को भी प्रभावित किया। बौद्ध धर्म का प्रसार सम्राट अशोक के प्रयासों से श्रीलंका, म्यांमार, थाईलैंड, चीन, जापान और कोरिया तक हुआ। इन देशों की स्थापत्य कला, मूर्तिकला और शैक्षिक परंपराओं में भारतीय दर्शन की गहरी छाप आज भी विद्यमान है। थाईलैंड की 'रामकियन' परंपरा और इंडोनेशिया के बाली द्वीप पर रामायण-महाभारत आधारित अनुष्ठान भारतीय सांस्कृतिक प्रभाव के सशक्त उदाहरण हैं। व्यापार मार्गों-विशेषतः सिल्क रोड और स्पाइस रूट-के माध्यम से भारतीय मसाले, वस्त्र, गणित और दार्शनिक अवधारणाएँ यूरोप और मध्य एशिया तक पहुँचीं। 'शून्य' और दशमलव पद्धति जैसी गणितीय उपलब्धियों ने आधुनिक विज्ञान और तकनीक की आधारशिला रखी।

आयुर्वेद ने यूनानी और चीनी चिकित्सा प्रणालियों को भी प्रभावित किया और आज विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा इसकी मान्यता भारतीय ज्ञान परंपरा की वैश्विक प्रासंगिकता को रेखांकित करती है। औपनिवेशिक काल में महात्मा गांधी के अहिंसा और सत्याग्रह के सिद्धांतों ने वैश्विक स्वतंत्रता आंदोलनों को नैतिक दिशा प्रदान की। मार्टिन लूथर किंग जूनियर और नेल्सन मंडेला जैसे नेताओं पर गांधीवादी विचारधारा का प्रभाव इस सांस्कृतिक शक्ति का प्रमाण है।

योग, सिनेमा और भोजन आधुनिक युग में भारतीय संस्कृति का सबसे व्यापक वैश्विक प्रभाव योग और ध्यान के माध्यम से दिखाई देता है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' की घोषणा इस तथ्य को प्रमाणित करती है कि योग आज विश्वव्यापी जीवन-पद्धति बन चुका है। किंतु यह भी सत्य है कि पश्चिम में योग को प्रायः शारीरिक व्यायाम तक सीमित कर दिया गया है, जबकि भारतीय परंपरा में यह आत्म-ज्ञान और आध्यात्मिक अनुशासन का साधन रहा है। यही द्वंद्व सांस्कृतिक वैश्वीकरण की जटिलता को उजागर करता है।

भारतीय सिनेमा, विशेषतः बॉलीवुड, भारतीय संस्कृति का प्रभावी सांस्कृतिक दूत है। एशिया, अफ्रीका, यूरोप और अमेरिका में इसकी लोकप्रियता भारत की सृजनात्मक शक्ति को दर्शाती है। आर.आर.आर. जैसी फिल्मों और ए.आर. रहमान जैसे संगीतकारों की वैश्विक सफलता भारतीय कला की अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता का संकेत है। हालांकि, हॉलीवुड के बढ़ते प्रभाव से कथानक, प्रस्तुति और जीवन-मूल्यों में परिवर्तन भी स्पष्ट है।

भारतीय भोजन की वैश्विक उपस्थिति भी उल्लेखनीय है। भारतीय मसाले, शाकाहारी परंपराएँ और व्यंजन आज विश्व के अनेक देशों में लोकप्रिय हैं। जैन और बौद्ध परंपराओं से जुड़ा शाकाहार अब पर्यावरण-सचेत वैश्विक जीवनशैली का हिस्सा बन चुका है। वहीं दूसरी ओर, फास्ट फूड संस्कृति भारतीय पारंपरिक भोजन व्यवस्था के लिए चुनौती बनकर उभरी है।

वैश्वीकरण ने एक ओर भारतीय संस्कृति को वैश्विक मंच प्रदान किया है, तो दूसरी ओर सांस्कृतिक समरूपीकरण का खतरा भी उत्पन्न किया है। प्रवासी भारतीय समुदाय दिवाली, होली और अन्य उत्सवों के माध्यम से भारतीयता को अंतरराष्ट्रीय पहचान दे रहा है, किंतु साथ ही व्यक्तिवाद, उपभोक्तावाद और संयुक्त परिवार व्यवस्था के विघटन जैसी प्रवृत्तियाँ भी उभर रही हैं।

भारतीय प्रवासी समुदाय भारत की सांस्कृतिक 'सॉफ्ट पावर' का सशक्त आधार है। सुंदर पिचाई, सत्या नडेला और कमला हैरिस जैसे व्यक्तित्व भारतीय प्रतिभा और मूल्यों-मेहनत, अनुशासन और सहिष्णुता-का वैश्विक प्रतिनिधित्व करते हैं। हालांकि, पीढ़ीगत दूरी के साथ सांस्कृतिक जड़ों से कटाव की चुनौती भी सामने है।

आज भारतीय संस्कृति के समक्ष सांस्कृतिक क्षरण, उपभोक्तावाद, डिजिटल भ्रम और युवाओं में पश्चिमी आकर्षण जैसी चुनौतियाँ हैं। समाधान यही है कि शिक्षा, मीडिया और सामाजिक संस्थानों के माध्यम से भारतीय मूल्यों की पुनर्स्थापना की जाए और वैश्वीकरण को 'ग्लोकलाइजेशन' के रूप में अपनाया जाए। भारतीय संस्कृति केवल अतीत की विरासत नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा है। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का आदर्श यदि विश्व-चेतना में स्थापित होता है, तो भारतीय संस्कृति उसका नैतिक और सामाजिक आधार बन सकती है।

उल्लेखनीय है कि साहित्य, सिनेमा और संगीत में भारतीय संस्कृति का वैश्विक विस्तार हुआ है।भारतीय संस्कृति अपनी बहुलता, सहिष्णुता और जीवन-दर्शन के कारण विश्व की सबसे समृद्ध और जीवंत संस्कृतियों में गिनी जाती है। यह संस्कृति केवल धार्मिक या आध्यात्मिक परंपराओं तक सीमित नहीं रही है, बल्कि साहित्य, सिनेमा और संगीत जैसे रचनात्मक माध्यमों के जरिए उसने विश्व-चेतना को गहराई से प्रभावित किया है। ये तीनों माध्यम न केवल भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के संवाहक हैं, बल्कि वैश्विक संवाद के सशक्त उपकरण भी बन चुके हैं।

आधुनिक वैश्वीकरण के दौर में भारतीय संस्कृति का यह प्रसार एकतरफा नहीं है। जहाँ एक ओर भारतीय रचनात्मक अभिव्यक्तियाँ विश्व मंच पर अपनी पहचान बना रही हैं, वहीं दूसरी ओर पश्चिमी प्रभावों के कारण इनके स्वरूप, प्रस्तुति और मूल्यों में भी परिवर्तन दिखाई देता है। इस प्रकार साहित्य, सिनेमा और संगीत में भारतीय संस्कृति का वैश्विक विस्तार एक संवाद, संघर्ष और समन्वय-तीनों का सम्मिलित रूप है।

भारतीय साहित्य का वैश्विक प्रभाव औपनिवेशिक काल से ही दृष्टिगोचर होने लगता है। रवींद्रनाथ ठाकुर को मिला नोबेल पुरस्कार भारतीय साहित्य की अंतरराष्ट्रीय स्वीकृति का पहला बड़ा प्रमाण था। टैगोर की कविताओं और गीतों में निहित मानवीय करुणा, प्रकृति-प्रेम और आध्यात्मिक चेतना ने पश्चिमी पाठकों को गहराई से प्रभावित किया।

इसके बाद आर.के. नारायण, मुल्कराज आनंद, राजा राव और बाद में सलमान रुश्दी, अमिताव घोष, अरुंधति रॉय, झुम्पा लाहिड़ी जैसे लेखकों ने भारतीय अनुभव को वैश्विक साहित्यिक विमर्श का हिस्सा बनाया। इन रचनाकारों ने औपनिवेशिक इतिहास, प्रवासी अनुभव, वर्ग-संघर्ष और सांस्कृतिक विखंडन जैसे विषयों को अंतरराष्ट्रीय पाठकों के सामने रखा।

हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं का साहित्य भी अनुवादों के माध्यम से वैश्विक स्तर पर पहुँच रहा है। प्रेमचंद की कहानियाँ, निराला महादेवी वर्मा की कविताएँ और दलित-आदिवासी साहित्य की रचनाएँ भारतीय समाज की यथार्थपरक तस्वीर प्रस्तुत करती हैं। किंतु यहाँ एक आलोचनात्मक प्रश्न उठता है-क्या वैश्विक मंच पर वही साहित्य अधिक स्वीकार्य हो रहा है जो पश्चिमी दृष्टि के अनुकूल है? कई बार भारतीय साहित्य को 'एक्सोटिक' या 'गरीबी और पीड़ा की कथा' के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, जिससे उसकी बहुआयामी सांस्कृतिक चेतना सीमित हो जाती है।

जाहिर है कि भारतीय सिनेमा, विशेषतः बॉलीवुड, आज विश्व का सबसे बड़ा फिल्म उद्योग है। रूस, मध्य एशिया, अफ्रीका, खाड़ी देशों और पश्चिमी समाजों में भारतीय फिल्मों की लोकप्रियता भारतीय सांस्कृतिक प्रभाव का सशक्त प्रमाण है। राज कपूर की फिल्में सोवियत संघ में अत्यंत लोकप्रिय रहीं, तो आज आमिर खान की फिल्में चीन में सांस्कृतिक संवाद का माध्यम बन चुकी हैं।

भारतीय सिनेमा परिवार, प्रेम, त्याग, संघर्ष और सामाजिक न्याय जैसे मूल्यों को केंद्र में रखता है। यही कारण है कि इसकी भावनात्मक अपील वैश्विक दर्शकों को आकर्षित करती है। लगान, स्वदेश, दंगल और आर.आर.आर. जैसी फिल्मों ने भारतीय इतिहास, ग्रामीण चेतना और राष्ट्रीय आत्मसम्मान को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया है।

हालाँकि, आलोचनात्मक दृष्टि से देखें तो भारतीय सिनेमा पर पश्चिमी प्रभाव भी लगातार बढ़ रहा है। कथानक संरचना, तकनीक, प्रस्तुति और जीवनशैली के चित्रण में हॉलीवुड की छाया स्पष्ट दिखाई देती है। कई बार उपभोक्तावादी संस्कृति, विलासिता और सतही ग्लैमर भारतीय जीवन-मूल्यों पर हावी हो जाते हैं। यह प्रश्न विचारणीय है कि क्या वैश्विक स्वीकार्यता की दौड़ में भारतीय सिनेमा अपनी सांस्कृतिक आत्मा से समझौता कर रहा है?

भारतीय संगीत, विशेषतः शास्त्रीय संगीत, विश्व के अनेक देशों में गहन सम्मान प्राप्त कर चुका है। पंडित रविशंकर, उस्ताद अली अकबर खान और जाकिर हुसैन जैसे कलाकारों ने भारतीय राग-संगीत को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठा दिलाई। जॉर्ज हैरिसन और बीटल्स जैसे पश्चिमी संगीतकारों पर भारतीय संगीत का प्रभाव इसका सशक्त प्रमाण है।

भारतीय संगीत की सबसे बड़ी विशेषता उसका आध्यात्मिक और ध्यानात्मक स्वरूप है। रागों का समय-सिद्धांत, भावात्मक गहराई और तानात्मक जटिलता इसे अन्य संगीत परंपराओं से अलग करती है। आज योग और ध्यान के साथ भारतीय संगीत वैश्विक 'वेलनेस कल्चर' का हिस्सा बन चुका है।

लोकसंगीत और सूफी संगीत ने भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान बनाई है। कव्वाली, भक्ति संगीत और फ्यूजन संगीत भारतीय सांस्कृतिक बहुलता को रेखांकित करते हैं। ए.आर. रहमान जैसे संगीतकारों ने भारतीय संगीत को वैश्विक पॉप और सिनेमा से जोड़ते हुए एक नया सांस्कृतिक सेतु निर्मित किया है।

फिर भी, यहाँ भी आलोचनात्मक दृष्टि आवश्यक है। वैश्विक बाजार के दबाव में संगीत का व्यवसायीकरण बढ़ा है। कई बार रागात्मक शुद्धता और सांस्कृतिक संदर्भों की अनदेखी की जाती है, जिससे संगीत एक उत्पाद बनकर रह जाता है।

साहित्य, सिनेमा और संगीत में भारतीय संस्कृति का वैश्विक विस्तार एक द्वंद्वात्मक प्रक्रिया है। यह न तो पूर्णतः सांस्कृतिक विजय है और न ही केवल सांस्कृतिक क्षरण। यह एक निरंतर संवाद है, जिसमें भारतीय संस्कृति स्वयं को नए संदर्भों में पुनर्परिभाषित कर रही है।भारतीय प्रवासी समुदाय इस प्रक्रिया में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वे अपनी भाषा, त्योहार, संगीत और फिल्मों के माध्यम से भारतीयता को जीवित रखते हैं। परंतु दूसरी और नई पीढ़ी में सांस्कृतिक जड़ों से दूरी की समस्या भी उभर रही है।

साहित्य, सिनेमा और संगीत में भारतीय संस्कृति का वैश्विक विस्तार भारतीय सृजनात्मक शक्ति और सांस्कृतिक गहराई का प्रमाण है। इन माध्यमों ने भारतीय मूल्यों-मानवता, सहिष्णुता, करुणा और सह-अस्तित्व-को विश्व के सामने प्रस्तुत किया है। किंतु वैश्विक स्वीकार्यता की आकांक्षा के साथ आत्म-संरक्षण की चेतना भी उतनी ही आवश्यक है।

भारतीय संस्कृति तभी सार्थक रूप से वैश्विक बन सकती है जब वह अपनी जड़ों से जुड़ी रहे। सृजनात्मक संवाद और आलोचनात्मक विवेक के संतुलन के माध्यम से ही साहित्य, सिनेमा और संगीत भारतीय संस्कृति को विश्व-चेतना का नैतिक आधार बना सकते हैं।

वर्ग पहेली नं. 3331

1	■	2	3	■	4		5	■	6
	■	7		8		■		■	
9	10		■	11		■	12		
13		■	14		■	15		■	
■	16			■	17		■	18	
19		■	20			■	■		■
21		22	■	■	23	24			■
	■	25		26	■		■	27	28
29			■	30			■	31	

बायें से दायें:- 2) सहेली, 4) पिस्तौल, 7) हानिकारक पदार्थ का सेवन न करना, 9) जीभ, 11) महसूल, 12) सचेत, 13) श्वास, 14) मूल कारण, 15) रासायनिक विस्फोटक गोला, 16) क्रोध में चिल्लाना, 17) आदत का गुलाम, 18) सिर, 19) भोलाभाला, 20) विद्रोह, 21) अंतर, 23) शासकीय, 25) अवधि, 27) कपासीय, 29) डींग हाँकनेवाला; बातूनी, 30) अवशिष्ट, 31) एक जंगली हिंसक पशु.

ऊपर से नीचे:- 1) गैरमौज़ूद; गायब, 2) महत्त्वाकांक्षा; कल्पित बात, 3) दूध में मिलाकर पकाया गया चावल, 4) ऊसर, 5) जनसंहार, 6) परामर्शदाता, 8) सीनाज़ोर, 10) विवेकी, 14) महोदय, 15) बुराई, 17) अपालतू; घुमक्कड़, 18) समयसारणी, 19) सच्चे मन का, 22) एक पोशाक, 24) खूबसूरती, 26) नियम; बार, 28) तीखा.

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

त	ड़	का	■	नि	ह्य	य	त	■	अ
■	■	र	वि	वा	र	■	ना	दा	न
अ	द	ना	■	ला	■	सो	■	ना	व
नं	■	मा	दा	■	ब	च	त	■	र
त	प	■	रो	म	न	■	रा	ह	त
■	त	म	गा	■	बा	■	जू	ता	■
भो	ला	■	■	म	ना	ना	■	ह	म
रो	■	मा	हि	र	■	र	सा	त	ल
सा	मा	न्य	■	ना	बू	द	■	■	बा

सुडोकू-पहेली-3289

	9		8					
		2		1	5			
	8		9		2			
8								1
		5		2			7	
							6	
		9			4	2	1	
	1			7		4		
4					3	7		8

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3288 का उत्तर

2	8	6	4	1	9	5	7	3
4	9	5	7	2	3	1	6	8
3	7	1	5	6	8	9	2	4
9	5	3	6	8	4	7	1	2
6	2	7	9	3	1	4	8	5
1	4	8	2	7	5	6	3	9
5	3	2	1	4	6	8	9	7
8	1	9	3	5	7	2	4	6
7	6	4	8	9	2	3	5	1

एसआईआर के कारण रोजाना तीन से चार लोग आत्महत्या कर रहे हैं : ममता

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को दावा किया कि राज्य में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की कवायद को लेकर फैली चिंता के कारण हर दिन तीन से चार लोग आत्महत्या कर रहे हैं। सुभाष चंद्र बोस की जयंती के उपलक्ष्य में कोलकाता में रेड रोड पर एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि निर्वाचन आयोग और केंद्र सरकार को इन मौतों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'अब तक 110 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। प्रतिदिन तीन से चार लोग एसआईआर की वजह से अत्यधिक चिंता के कारण आत्महत्या कर रहे हैं। अस्पतालों में 40 से 45 और लोग जिंदगी-मौत से जूझ रहे हैं। इतने साल बाद क्या हमें यह साबित करना होगा कि हम इस देश के नागरिक हैं?' आगामी विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में मतदाता सूची की एसआईआर कवायद जारी है। बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर पश्चिम बंगाल के खिलाफ साजिश रचने का भी आरोप लगाया और कहा कि महात्मा गांधी, रवींद्रनाथ टैगोर, नेताजी सुभाषचंद्र बोस और बी आर आंबेडकर जैसी महान हस्तियों का अपमान किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया, 'हम देख रहे हैं कि भारत के इतिहास को विकृत करने के प्रयास किए जा रहे हैं... अपमान, असहिष्णुता, उस इतिहास के प्रति कृतघ्नता जताई जा रही है तथा भाषा का अपमान किया जा रहा है; ये सब आज हमारे सामने है।' तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ने केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर 'सुभाष चंद्र बोस द्वारा परिकल्पित' योजना आयोग को समाप्त करने और उसके स्थान पर नीति आयोग की स्थापना करने का आरोप लगाया। बनर्जी ने यह भी कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि बोस की जयंती पर अब तक राष्ट्रीय अवकाश घोषित नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि देश के प्रतिष्ठित व्यक्तियों के सपने 'तार-तार' किए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भगवा ब्रिगेड द्वारा गढ़ा गया इतिहास संस्करण लोगों पर थोपा जा रहा है। बनर्जी ने कहा, 'इसका देश के इतिहास से कोई संबंध नहीं है।' उन्होंने कहा, 'लोगों के अधिकार छीने जा रहे हैं और लोकतंत्र को कुचला जा रहा है।' मुख्यमंत्री ने व्यंग्यात्मक लहजे में पूछा कि अगर बोस जीवित होते तो क्या उन्हें तार्किक विसंगति के नाम पर एसआईआर सुनवाई के लिए बुलाया जाता और 'उनकी भारतीय नागरिकता के बारे में पूछताछ की जाती'। उन्होंने दावा किया कि तार्किक विसंगति को लेकर निर्वाचन आयोग ने एसआईआर सुनवाई के लिए 1.38 करोड़ लोगों को तलब किया है और मसौदा मतदाता सूची से पहले ही 58 लाख नाम हटाए जा चुके हैं। ख्यमंत्री ने जोर देकर कहा, 'कुल संख्या दो करोड़ है।' बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा के शीर्ष नेता चुनाव से पहले अपने भाषणों के दौरान बांग्ला भाषा में कुछ शब्द बोलने के लिए 'टेलीप्रॉम्प्टर' का इस्तेमाल करते हैं और ऐसा करके 'बंगाल के बुद्धिजीवियों का अपमान करते हैं'। उन्होंने उल्लेख किया कि बांग्ला भाषी लोग अपने उपनामों की वर्तनी अलग-अलग तरीकों से लिखते हैं। बनर्जी ने अपना उदाहरण देते हुए कहा कि उनके उपनाम की वर्तनी बनर्जी और बंदोपाध्याय दोनों तरह से लिखी जाती है। उन्होंने कहा कि 'एसआईआर कवायद करने वालों को यह बात क्यों नहीं पता है'। उन्होंने कहा, 'इस तरह की विसंगतियों के कारण 1.38 करोड़ लोगों को नोटिस जारी किया गया है।' मुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया कि बुजुर्ग लोगों को एसआईआर की सुनवाई के लिए बुलाया गया और सवाल उठाया कि इस संबंध में प्रख्यात अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन को नोटिस क्यों भेजा गया। उन्होंने आरोप लगाया, 'अब वे (भाजपा) तय करेंगे कि बच्चे पैदा होंगे या नहीं; वे पहले से ही यह तय कर रहे हैं कि लोग क्या खाएंगे और क्या नहीं खाएंगे।' बनर्जी ने कहा कि आज 'मानवता' को 'अमानवता' के खिलाफ लड़ना पड़ रहा है। उन्होंने महाभारत में अच्छाई और बुराई के बीच संघर्ष के साथ तुलना करते हुए कहा, 'हम कौरवों के खिलाफ लड़ रहे हैं'। बोस के प्रसिद्ध नारे 'दिल्ली चलो' का जिक्र करते हुए बनर्जी ने कहा कि मानवता को फिर से स्थापित करने के लिए इस नारे को एक बार फिर बुलंद किया जाना चाहिए।

नेताजी के सम्मान में राज्यपाल ने लोक भवन में ग्रैंड सीढ़ियों का नाम बदलकर सुभाष पोर्टिको रखा

❑ **नेताजी की 129वीं जयंती पर राज्यपाल ने किया नामकरण**

कोलकाता : बंगाल के राज्यपाल डा सीवी आनंद बोस ने आजादी के महानायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस के सम्मान में लोक भवन (पूर्व में राज भवन) में उत्तरी गेट के सामने ग्रैंड सीढ़ियों का नाम बदलकर नेताजी सुभाष पोर्टिको कर दिया है। नेताजी की 129वीं जयंती के मौके पर शुक्रवार दोपहर में लोक भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में राज्यपाल ने औपचारिक रूप से इसका नामकरण किया। लोक भवन के एक अधिकारी ने बताया कि अब से यह ग्रैंड सीढ़िय़ां नेताजी सुभाष पोर्टिको के नाम से जाना जाएंगी। जयंती के मौके पर राज्यपाल ने भारत की आजादी की लड़ाई के इस महान योद्धा और भारत माता के सबसे महान सपूतों में से एक नेताजी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। नेताजी की जयंती को पराक्रम दिवस के तौर पर मनाया जाता है। इस मौके पर राज्यपाल ने अपने संदेश में कहा कि नेताजी का निस्वार्थ जीवन, काम और पराक्रम समय, युगों, विचारधारा की रुकावटों और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से परे था। नेताजी ने अलग-अलग क्षेत्रों में बेहतरीन काम किया। बोस ने कहा कि एक जन्मजात क्रांतिकारी, एक चतुर प्रशासक, एक बेहतरीन प्लानर, एक जन नेता, एक बेहतरीन मिलिट्री स्ट्रैटेजिस्ट, एक राजनेता, नेताजी ने ज्ञान योग, भक्ति योग और कर्म योग को सफलतापूर्वक अपनाया और उसका पालन किया। उन्होंने नेताजी को सलाम करते हुए उनके पराक्रम को नमन किया।

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

हावड़ा मंडल के तहत हिन्द मोटर रेलवे स्टेशन में पे एंड यूज शौचालय के लिए नई संविदा प्रदान करना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा मंडल, नई डीआरएम बिल्डिंग, चौथी मंजिल, रेल म्यूजियम के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा **हावड़ा मंडल के तहत हिन्द मोटर स्टेशन में 3 वर्षों के लिए सामान्य पे एंड यूज शौचालयों के संचालन एवं रखरखाव हेतु नई संविदा सौंपने** के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। यह ई-नीलामी रेलवे बोर्ड की फ्रेट मार्केटिंग सर्कुलर सं. 11 ऑफ 2022 तथा कमर्शियल सर्कुलर सं. 14 ऑफ 2022 के अनुसार संचालित की जाएगी। और अधिक विवरण तथा ई-नीलामी में भाग लेने के लिए कृपया वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के जरिए ई-नीलामी पट्टा प्रारूप देखें। ● **नीलामी सूचीपत्र सं.:** पीएनयू-एचडब्ल्यूएच-05-2026, ● **लॉट नं./श्रेणी** : पीएनयू-एचडब्ल्यूएच-एचएमजेड-टीओआई-29-26-1; **स्टेशन:** हिन्द मोटर (एचएमजेड)। ● **नीलामी की तारीख एवं समय:** 05.02.2026 को 13.30 बजे। (HWH-562/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

ईडी निदेशक ने आइ-पैक पर छापे के दौरान ममता के बाधा डालने पर मांगी रिपोर्ट

❑ **हाई-प्रोफाइल वित्तीय अनियमितता मामलों की जांच की समीक्षा की**

❑ **वरिष्ठ अधिकारियों के साथ की बैठक**

कोलकाता : ईडी के निदेशक राहुल नवीन ने शुक्रवार को बंगाल सरकार के उन अधिकारियों और पुलिस अफसरों की जानकारी मांगी, जो ईडी की छापेमारी और तलाशी के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ दो जगहों पर गए थे। यह छापेमारी इस महीने की शुरुआत में कोयला तस्करी मामले में इंडियन पालिटिकल एक्शन कमेटी (आइ-पैक) के साल्टलेक कार्यालय और इसके सह-संस्थापक प्रतीक जैन के लाउन स्ट्रीट स्थित घर पर की गई थी। बता दें कि ईडी की छापेमारी के दौरान ममता वरिष्ठ अधिकारियों और पुलिस अफसरों के साथ वहां पहुंच गईं और कथित तौर कई फाइलें और इलेक्ट्रानिक दस्तावेज लेकर वहां से चली गईं।

राहुल नवीन गुरुवार शाम से कोलकाता में तीन दिवसीय दौरे पर हैं। उन्होंने शुक्रवार को ईडी के कोलकाता क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारियों के साथ लंबी बैठक की, जिसमें कई हाई-प्रोफाइल वित्तीय अनियमितता मामलों की जांच की समीक्षा की गई। सूत्रों के अनुसार, समीक्षा बैठक में नवीन ने विशेष रूप से उन अधिकारियों से सवाल किए कि छापेमारी और तलाशी के दौरान मुख्यमंत्री के साथ मौजूद अधिकारियों और पुलिस अफसरों का व्यवहार और बाडी लैंग्वेज कैसी थी। नवीन ने यह भी पूछा कि मुख्यमंत्री की टीम ने कथित तौर पर किन फाइलों और इलेक्ट्रानिक दस्तावेजों को साथ ले लिया।

सूत्रों के अनुसार, ईडी निदेशक ने कोलकाता में एजेंसी की कानूनी टीम के साथ भी इस मामले पर चर्चा की।

राहुल नवीन ने कोयला तस्करी समेत अन्य भ्रष्टाचार के मामलों में ईडी की जांच की प्रगति की समीक्षा की। सूत्रों के अनुसार, अधिकारियों ने मामलों पर विस्तृत स्थिति रिपोर्ट तैयार की है जिनकी बैठकों के दौरान समीक्षा की गई है। इन रिपोर्ट में जांच का चरण और आगे की कार्रवाई का विवरण शामिल है। निदेशक आगे की जांच के संबंध में आवश्यक निर्देश जारी कर सकते हैं।

अनियंत्रित कार फुटपाथ पर चढ़ी, एक की मौत, दो घायल

कोलकाता : माणिकतला थाना क्षेत्र के अंतर्गत शुक्रवार सुबह करीब 9:30 बजे सीआईटी रोड पर डीवीसी टावर के पास एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में एक पैदल यात्री की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, एक निजी कार अचानक नियंत्रण खो बैठी और फुटपाथ पर चढ़ते हुए वहां चल रहे पैदल यात्रियों को कुचल दिया। हादसे में मोहम्मद मैदुल इस्लाम (22 वर्ष), निवासी गोलापोटा, चौहट्टा, होरोआ (उत्तर 24 परगना) को गंभीर चोटें आईं। उन्हें तत्काल आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दुर्घटना में घायल अन्य दो पैदल यात्रियों में जमालुद्दीन मोल्ला (32 वर्ष) और सौमित्र शंकर दास (64 वर्ष) शामिल हैं। जमालुद्दीन मोल्ला को एसएसकेएम अस्पताल के ऑर्थोपेडिक वार्ड में भर्ती कराया गया है, जबकि सौमित्र शंकर दास का इलाज अपोलो ग्लेनेगल्स अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर वाहन को जब्त कर लिया है और चालक को हिरासत में ले लिया गया है। माणिकतला थाने की पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

CHANGE OF NAME

I, Service No.15430465P, Rank- Naik, Trade- Hkeeper, Name- Nikul Hamir Vaghela, permanent resident at 115 chauhan fali, Raval, PO- Raval, Tehsil- Kalyanpur, Dist- Devbhumi Dwarka, State- Gujarat, Pin- 361325, India. do hereby declare that I changed my daughter name from Shagunba Vaghela to Shagun Vaghela Vide affidavit before the Notary Public Govt. of India Dilip Kumar Gayen Alipore Criminal Court, dated 19.01.2026.

NAME CHANGE

I, S Ratna, W/O- Late S Sankar Rao and M/O- S Santosh Kumar (Rank- HAV, Army Number- 9517015P), DOB- 03/05/1977, residing at Nagulupeta Street, Ward No. 5, Chatrapur NAC, P.O./ P.S- Chatrapur, Dist.- Ganjam. I wanted to change my name S Ratanam to S Ratna as per declared before the Notary Public Chatrapur, Ganjam vide affidavit no. 1052 dated 17/01/2026.

कुछ ट्रेनों का हावड़ा मंडल के तहत विभिन्न स्टेशनों में परीक्षण के तौर पर ठहराव

नीचे उल्लेखित ट्रेनें उसके समक्ष उल्लेखित स्टेशन में **दिनांक 26.01.2026 से** परीक्षण के तौर पर नीचे उल्लेखित समय-सूची के अनुसार ठहरेंगी:-

ट्रेन सं. एवं नाम	स्टेशन	समय-सूची	
		आगमन	प्रस्थान
13023 हावड़ा-गया एक्सप्रेस [दिनांक 26.01.2026 (जेसीओ) से प्रभावी]	अहमदपुर	22.45	22.47
13023 हावड़ा-गया एक्सप्रेस [दिनांक 25.01.2026 (जेसीओ) से प्रभावी]	मुरारई	00.07	00.09
13024 गया-हावड़ा एक्सप्रेस [दिनांक 26.01.2026 (जेसीओ) से प्रभावी]	अहमदपुर	23.28	23.30
	मुरारई	22.11	22.13
13011 हावड़ा-मालदा टाउन एक्सप्रेस [दिनांक 26.01.2026 (जेसीओ) से प्रभावी]	चात्रा	19.52	19.53
13012 मालदा टाउन-हावड़ा एक्सप्रेस [दिनांक 26.01.2026 (जेसीओ) से प्रभावी]	चात्रा	06.16	06.17
13148 बामनहाट-सियालदह उत्तरबंग एक्सप्रेस [दिनांक 25.01.2026 (जेसीओ) से प्रभावी]	गुसकरा	01.41	01.43
	नलहाटी	00.10	00.12
63032 आजिमगंज-कटवा एमईएमयू [दिनांक 26.01.2026 (जेसीओ) से प्रभावी]	झामटपुर-बहरान (एफ)	09.52	09.53
13033 हावड़ा-कटिहार एक्सप्रेस [दिनांक 25.01.2026 (जेसीओ) से प्रभावी]	लालबाग कोर्ट रोड	03.29	03.31
	सालार	02.50	02.52
13053 हावड़ा-राधिकापुर कुलिक एक्सप्रेस [दिनांक 26.01.2026 (जेसीओ) से प्रभावी]	मुरारई	13.01	13.03
13054 राधिकापुर-हावड़ा कुलिक एक्सप्रेस [दिनांक 26.01.2026 (जेसीओ) से प्रभावी]	मुरारई	10.38	10.40
12041 हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी शताब्दी एक्सप्रेस [दिनांक 26.01.2026 (जेसीओ) से प्रभावी]	रामपुरहाट	17.01	17.03
12042 न्यू जलपाईगुड़ी-हावड़ा शताब्दी एक्सप्रेस [दिनांक 26.01.2026 (जेसीओ) से प्रभावी]	रामपुरहाट	10.27	10.29

इन ट्रेनों की अन्य सभी स्टेशनों पर समय-सूची अपरिवर्तित रहेंगी।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

हमें अनुसरण करें @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पटुली में किराए के कमरे से 50 वर्षीय व्यक्ति का शव बरामद

कोलकाता : पटुली थाना क्षेत्र के बी.पी. टाउनशिप इलाके में शुक्रवार को एक किराए के कमरे से 50 वर्षीय व्यक्ति का सड़ा-गला शव मिलने से हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान दीपक कुमार सिन्हा के रूप में हुई है, जो उक्त इलाके में किराए पर रह रहा था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, बी.पी. टाउनशिप स्थित दो मंज़िला आवासीय भवन के भूतल पर बने कमरे से दुर्गंध आने पर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने कमरे के भीतर फर्श पर पड़े दीपक कुमार सिन्हा के शव को बरामद किया। शव को बाघाजतिन स्टेट जनरल हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक तौर पर पुलिस ने इसे अस्वाभाविक मौत का मामला बताया है। घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

बंगाल में बंगाली सुरक्षित नहीं, बदलाव का समय आ गया : जेपी नड्डा

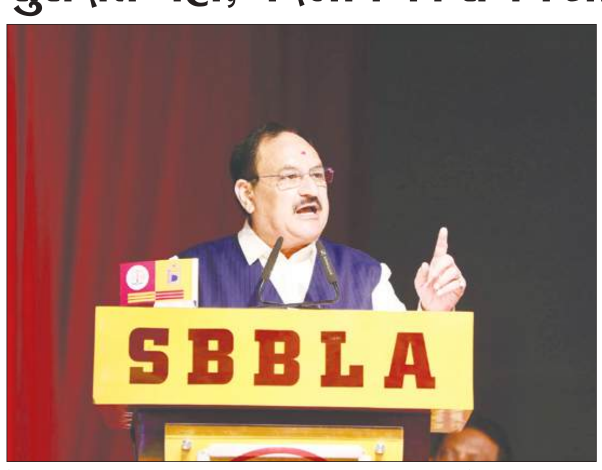

जबलपुर/कोलकाता : केंद्रीय मंत्री जे. पी. नड्डा ने शुक्रवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में बंगाली समुदाय सुरक्षित नहीं है और राज्य को मौजूदा हालात से 'बचाने' की जरूरत है। भाजपा के वरिष्ठ नेता नड्डा ने यहां सिटी बंगाली क्लब में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) शासित पश्चिम बंगाल संकट का सामना कर रहा है। उन्होंने एक पूर्व वक्ता के बयान का भी उल्लेख किया, जिसमें कहा गया था कि मध्यप्रदेश में बंगाली समुदाय अधिक सुरक्षित है। नड्डा ने कहा कि यह इस बात को रेखांकित करता है कि पश्चिम बंगाल में ही बंगाली सुरक्षित नहीं हैं, जो विडंबनापूर्ण है। उन्होंने कहा, इसलिए अब समय आ गया है कि बंगाल को संदेश दिया जाए कि वहां बदलाव की जरूरत है। जिस बंगाल ने कभी देश का नेतृत्व किया, वही बंगाल आज परेशानी में है। पूरा देश बंगाल के साथ खड़ा हो और उसे उसकी मुश्किलों से बाहर निकाले। नड्डा ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस और जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी को याद करते हुए कहा कि देश की एकता व अखंडता के लिए बलिदान देने वाले इन महान नेताओं को स्मरण करते हुए यह भी याद रखना होगा कि बंगाल एक बार फिर नए संकट से गुजर रहा है। उन्होंने कहा, इस तरह के कुशासन से बंगाल को मुक्त कराना हमारी जिम्मेदारी है। हमें यह संदेश देना होगा। मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि आज यह संकल्प लें। आने वाले दिनों में (अप्रैल-मई में) आपको इसका अवसर मिलेगा। केंद्रीय मंत्री राज्य में होने वाले विधानसभा चुनावों की ओर इशारा कर रहे थे। नड्डा ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान बंगाल द्वारा दिए गए नेतृत्व को देश कभी नहीं भूल सकता। उन्होंने रवींद्रनाथ टैगोर, स्वामी विवेकानंद, रामकृष्ण परमहंस और सुभाष चंद्र बोस जैसी विभूतियों का उल्लेख किया। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के एक बयान का हवाला देते हुए नड्डा ने यह भी कहा कि अगर सुभाष चंद्र बोस को लंबा जीवन मिला होता तो आज भारत का नक्शा अलग होता। उन्होंने दावा किया, कांग्रेस के तत्कालीन नेताओं के समझौतावादी रवैये के कारण ही देश का नक्शा बदला।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: 222-एस/1/डब्ल्यू- II, दिनांक 21.01.2026; मंडल रेल प्रबंधक, सियालदह, पूर्व रेलवे, रिमोट कंट्रोल बिल्डिंग, कमरा सं. 44, डीआरएम बिल्डिंग, केजर स्ट्रीट, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए नीचे उल्लेखित ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैं: **निविदा सं.:** टीएन-177-25-26; **कार्य का नाम:** मंडल अभियंता (एचक्यू)/सियालदह के अधीन सहायक अभियंता/बालीगंज के अधिकार क्षेत्र में वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (पी.वे)/बेलियाघाटा के अधीन रेलों, फीटिंगों, एफएसटीओ स्लीपरों, टीटीआर के सामयिक नवीनीकरण, डीपी स्क्रीनिंग, पैकिंग, एसकेवी वेल्डिंग, रेल पेंटिंग तथा अन्य आनुषंगिक कार्यों द्वारा बालीगंज यार्ड तथा बजबज नए एवं पुराने यार्ड का सुधार। **निविदा मूल्य:** रु. 90,34,040.29; **ईएमडी:** रु. 1,80,700; **कार्य समापन अवधि:** 12 (बारह) महीने। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 18.02.2026 को अपराह्न 3.00 बजे। **निविदा खुलने की तारीख एवं समय:** 18.02.2026 को अपराह्न 3.30 बजे। निविदा दस्तावेज एवं अन्य विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। बोलियां ऊपरोक्त वेबसाइट पर ई-निविदा प्रणाली के जरिए जमा की जानी चाहिए। मैनुअल प्रस्ताव तत्काल रद्द कर दिए जाएंगे। भारतीय रेलवे मानक अनुबंध की सामान्य शर्तें 2022 के अनुसार ई-निविदा प्रपत्र की कीमत शून्य है। (SDAH-365/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध हैं

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

भाजपा विधायक हिरन चटर्जी पर पत्नी ने लगाया मानसिक और शारीरिक यातना देने का आरोप

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के भाजपा विधायक हिरन चटर्जी की पत्नी अनिंदिता चटर्जी ने उनपर मानसिक और शारीरिक यातना देने और कथित तौर पर कानूनी तलाक प्राप्त किए बिना किसी अन्य महिला के साथ संबंध रखने का आरोप लगाया है। अनिंदिता ने हिरन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। पत्नी ने तीन दिन पहले चटर्जी की कथित दूसरी शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद यह प्राथमिकी दर्ज कराई है। अनिंदिता ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने शहर के आनंदपुर पुलिस थाने में अपने पति और पेशे से मॉडल उनकी कथित दूसरी पत्नी रितिका गिरि के खिलाफ औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने वाराणसी में कथित तौर पर शादी के बाद खड़गपुर सदर विधायक और गिरि के माथे पर तिलक लगी तस्वीरों के प्रसारित होने का का हवाला देते हुए कहा कि खबर सामने आने के बाद से उन्हें और उनकी 19 वर्षीय बेटी को अत्यधिक मानसिक तनाव और समाज में अपमान का सामना करना पड़ रहा है। अनिंदिता ने कहा कि हिरन द्वारा तलाक का कोई नोटिस नहीं भेजा गया है। उन्होंने कहा, 'हमारी शादी 11 दिसंबर, 2000 को हुई थी, और हमारी बेटी की हालत की कल्पना कीजिए। मैंने लंबे समय तक इस यातना को सहन किया लेकिन अपनी बेटी और परिवार की खातिर चुप रही।' अनिंदिता ने कहा कि पश्चिम मेदिनीपुर जिले में अपनी राजनीतिक प्रतिबद्धताओं के बावजूद, हिरन अपने निर्वाचन क्षेत्र के काम से अवकाश के दौरान परिवार से मिलने आते थे और दावा किया कि आधिकारिक जिम्मेदारियों के अलावा उनका रितिका के साथ कोई संबंध नहीं था। विधायक की बेटी नियासा ने कहा कि उन्हें अपने परिवेश में शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा है और यह स्वीकार करना मुश्किल है कि उनके पिता कथित तौर पर उन्हें या उनकी मां को सूचित किए बिना ऐसा कदम उठा सकते हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्राथमिकी बृहस्पतिवार को दर्ज की गई और जांच शुरू कर दी गई है। रितिका गिरि ने पहले वाराणसी के बरसाना मंदिर में फूलों की माला पहने हुए पूजा करते हुए अपनी और विधायक की एक तस्वीर पोस्ट की थी। हालांकि, बाद में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी कर अनिंदिता के आरोपों का खंडन करते हुए दावा किया कि उनके बारे में 'गलत जानकारी' फैलाई गई थी। रितिका ने कहा कि अनिंदिता को तलाक का कानूनी नोटिस भेजा गया था। उन्होंने कहा, 'हम पिछले पांच सालों से साथ हैं, और उन्हें सब कुछ पता था।' रितिका के मुताबिक उनका सोशल मीडिया अकाउंट सार्वजनिक है और कुछ भी छिपाया नहीं गया है। विधायक से फोन पर संपर्क करने की कोशिश की लेकिन उनसे बात नहीं हो पाई।

'एसआईआर को बाधित करने का कोई इरादा नहीं था'

हिंसा भड़काने के आरोपी तृणमूल विधायक ने कहा

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में एक एसआईआर सुनवाई केंद्र पर हिंसा भड़काने के आरोपी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के विधायक मनीरुल इस्लाम ने शुक्रवार को निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) को पत्र लिखकर कहा कि उनका इस प्रक्रिया को बाधित करने का कोई इरादा नहीं था और वह संविधान तथा निर्वाचन आयोग का बहुत सम्मान करते हैं। इस्लाम ने यह पत्र ऐसे समय में लिखा है, जब निर्वाचन आयोग ने जिला प्रशासन को एसआईआर सुनवाई केंद्र में तोड़फोड़ और धमकी देने में कथित भूमिका के लिए उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया है। फरक्का से विधायक इस्लाम ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभ्यास की देखरेख कर रहे ईआरओ को शुक्रवार शाम भेजे पत्र में कहा कि वह संविधान का हमेशा पालन करते हैं और कानून के शासन में विश्वास रखते हैं। तृणमूल विधायक ने लिखा कि 14 जनवरी को फरक्का ब्लॉक विकास कार्यालय (बीडीओ) के बाहर हुए विरोध-प्रदर्शन के दौरान की गई उनकी टिप्पणियां जनमत की अभिव्यक्ति थीं और इनका मकसद निर्वाचन आयोग के अधिकार को कमजोर करना या चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करना नहीं था। इस्लाम ने कहा, शब्दों के चयन में कोई भी चूक अनजाने में हुई थी। मेरी टिप्पणियों में कोई दुर्भावना, उकसावा या कानून के उल्लंघन का प्रयास नहीं था। उन्होंने लिखा कि अगर किसी ने उनकी टिप्पणियों की अलग तरह से व्याख्या की है, तो यह गलत है। तृणमूल विधायक ने कहा कि वह प्रशासन और निर्वाचन आयोग के साथ पूरी तरह से सहयोग करने के लिए तैयार हैं और सभी कानूनी निर्देशों का पालन करेंगे। उन्होंने 14 जनवरी की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि बीडीओ कार्यालय के बाहर की गई उनकी टिप्पणियां एसआईआर प्रक्रिया के बारे में जनता की चिंताओं को दर्शाती हैं, जिसका उद्देश्य मतदाताओं की सुविधा और मताधिकार का उचित इस्तेमाल सुनिश्चित करना है। फरक्का बीडीओ कार्यालय में 14 जनवरी को बूथ स्तर के कुछ अधिकारियों के विरोध-प्रदर्शन के बाद हिंसा भड़क उठी थी। इसके तुरंत बाद, इस्लाम अपने समर्थकों के साथ कार्यालय परिसर में घुसे और एसआईआर अभ्यास को तत्काल रोकने की मांग की। अधिकारियों ने बताया कि प्लास्टिक की कुर्सियों और फर्नीचर में तोड़फोड़ की गई। कार्यालय के बाहर खड़े होकर इस्लाम ने एसआईआर प्रक्रिया में भेदभावपूर्ण प्रथाओं का आरोप लगाया और दावा किया कि नाम के आधार पर दस्तावेजी आवश्यकताएं अलग-अलग हैं। उन्होंने कहा कि वह ऐसे दोहरे मापदंडों का विरोध करेंगे और फरक्का के लोगों के अधिकारों की रक्षा करते हुए वह गोली खाने के लिए भी तैयार हैं।

मोनिरुल इस्लाम के खिलाफ 24 घंटे बाद भी दर्ज नहीं हुई प्राथमिकी

कोलकाता : निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित समयसीमा समाप्त होने के 24 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के विधायक मोनिरुल इस्लाम के खिलाफ कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया के दौरान मुर्शिदाबाद जिले के फरक्का ब्लॉक विकास कार्यालय (बीडीओ) में तोड़फोड़ की घटना के सिलसिले में टीएमसी के विधायक मोनिरुल इस्लाम की भूमिका संदिग्ध है। निर्वाचन आयोग ने बृहस्पतिवार को मुर्शिदाबाद के जिला मजिस्ट्रेट-सह-जिला निर्वाचन अधिकारी को निर्देश दिया था कि फरक्का बीडीओ कार्यालय में 14 जनवरी को हुई हिंसा में इस्लाम की कथित भूमिका के लिए उसी दिन शाम पांच बजे तक उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाए। हालांकि, पुलिस सूत्रों ने बताया कि अभी तक कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'हमें अभी तक कोई औपचारिक शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। इसलिए, कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है।' इस देरी ने निर्वाचन आयोग के निर्देश के कार्यान्वयन पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: ईएल/एचडब्ल्यूएच/25/21(नोटिस)/733, **दिनांक** 22.01.2026; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा नीचे उल्लेखित विद्युतीय कार्यों के निष्पादन के लिए खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **क्रमांक 1, निविदा सं.:** ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3527; **कार्य का नाम:** ट्रैक मशीन साइडिंगों (पीआई)-20 अदद के संबंध में विद्युतीय (सामान्य) कार्य। **निविदा मूल्य:** रु. 1,75,25,837; **बोली सुरक्षा (बयाना राशि जमा):** रु. 2,37,600; **समापन अवधि:** 180 दिन। **क्रमांक 2, निविदा सं.:** ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3537; **कार्य का नाम:** एईएन/नवद्वीप धाम के अधीन लेवल क्रॉसिंग गेट सं. 17/ए/टी के बदले रेलवे के रिलिविंग गर्डर द्वारा नए सीमित ऊंचाई के सबवे के निर्माण के संबंध में विद्युतीय (सामान्य) कार्य। **निविदा मूल्य:** रु. 9,25,614; **बोली सुरक्षा (बयाना राशि जमा):** रु. 18,500; **समापन अवधि:** 180 दिन। **क्रमांक 3, निविदा सं.:** ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3546; **कार्य का नाम:** बर्द्धमान स्टेशन में फुट ओवर ब्रिज के विस्तार के संबंध में विद्युतीय (सामान्य) कार्य। **निविदा मूल्य:** रु. 34,00,675; **बोली सुरक्षा (बयाना राशि जमा):** रु. 68,000; **समापन अवधि:** 180 दिन। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 13.02.2026 को अपराह्न 03.00 बजे। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लेखित बंद होने की तारीख को किसी भी कारणवश छुट्टी का दिन/बंद/हड़ताल घोषित होने पर भी ऑनलाइन निविदा बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में एप्लीकेशन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत कोई भी प्रस्ताव जमा करने की अनुमति नहीं देता है। हालांकि, निविदा के बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत किसी भी सुविधाजनक दिवस को ऑनलाइन निविदाएं खोली जाएंगी। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाओं से अपने प्रस्ताव उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है। (HWH-561/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

हावड़ा मंडल के तहत वाणिज्यिक प्रचार के अधिकारों की संविदा प्रदान करना

ई-नीलामी सूचना सं. सीओएम/पीयूबी/एचडब्ल्यूएच/25/57 दिनांक 20.01.2026

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा मंडल, नई डीआरएम बिल्डिंग, चौथी मंजिल, रेल म्यूजियम के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा **हावड़ा मंडल के तहत वाणिज्यिक प्रचार के अधिकारों की संविदा प्रदान करने** के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। नीलामी सूचीपत्र **www.ireps.gov.in** पर अपलोड कर दिया गया है। ● **सूचीपत्र सं.:** पीयूबी-एचडब्ल्यूएच-25-57; ● **नीलामी आरम्भ होने की तारीख एवं समय:** 04.02.2026 को दोपहर 12.00 बजे। **सिक्वेंस सं.; लॉट सं.; विवरण** क्रमशः निम्नलिखित हैं: एए/1; एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एलएलएच-ओएसएन-17-26-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर में (नॉन-डिजिटल); हावड़ा मंडल के क्लस्टर-I के अधीन (लिलुआ स्टेशन से हुगली स्टेशन तक तथा बेलूड़मठ स्टेशन) स्टेशनों के स्टेशन परिसरों के भीतर वाणिज्यिक प्रचार के अधिकार हेतु तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए अधिकार प्रदान करना। **एए/2;** एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-जेटीएल-ओएसएन-19-25-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर में (नॉन-डिजिटल); हावड़ा मंडल के क्लस्टर-IV के अधीन [क) झापटेरढाल स्टेशन से गुमानी स्टेशन तक, ख) आदलपहाड़ी से कुरुवा स्टेशन तक, ग) आजिमगंज सिटी स्टेशन से टाकीपुर स्टेशन तथा घ) चौहट्टा स्टेशन से अजय केबिन तक] स्टेशनों के स्टेशन परिसरों के भीतर वाणिज्यिक प्रचार हेतु तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए अधिकार प्रदान करना। **एबी/1;** एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एलएलएच-ओएच-1-26-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम); हावड़ा मंडल के क्लस्टर-I के अधीन (लिलुआ स्टेशन से हुगली स्टेशन तक तथा बेलूड़मठ स्टेशन) स्टेशनों के आउट ऑफ होम (स्टेशन परिसर के बाहर) में वाणिज्यिक प्रचार के प्रदर्शन हेतु तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए अधिकार प्रदान करना। **एबी/2;** एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एचडब्ल्यूएच-ओएच-142-26-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम); हावड़ा रेलवे स्टेशन में स्मारक ध्वज क्षेत्र के सामने 04 (चार) अदद ग्लोबॉल टावरों की स्थापना एवं रखरखाव के माध्यम से वाणिज्यिक प्रचार के प्रदर्शन हेतु तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए अधिकार प्रदान करना। **एबी/3;** एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-आरपीएच-ओएच-153-25-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम); रामपुरहाट रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में 50:50 समय/जगह साझेदारी के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 01 (एक) अदद वीडियो वॉल (एलईडी स्क्रीन) के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के अवसर के साथ रेलवे की जानकारी के प्रदर्शन हेतु तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए अधिकार प्रदान करना। **एबी/4;** एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-केडब्ल्यूई-ओएच-156-25-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम); कटवा रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में 50:50 समय/जगह साझेदारी के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 01 (एक) अदद वीडियो वॉल (एलईडी स्क्रीन) के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के अवसर के साथ रेलवे की जानकारी के प्रदर्शन हेतु तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए अधिकार प्रदान करना। **एबी/5;** एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एनडीएई-ओएच-157-25-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम); नवद्वीप धाम रेलवे स्टेशन के अस्थाई बुकिंग कार्यालय के निकट सर्कुलेटिंग एरिया में 50:50 समय/जगह साझेदारी के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 01 (एक) अदद वीडियो वॉल (एलईडी स्क्रीन) के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के अवसर के साथ रेलवे की जानकारी के प्रदर्शन हेतु तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए अधिकार प्रदान करना। **एबी/6;** एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-डीकेएई-ओएच-160-25-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम); डानकुनी रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में 50:50 समय/जगह साझेदारी के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 01 (एक) अदद वीडियो वॉल (एलईडी स्क्रीन) के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के अवसर के साथ रेलवे की जानकारी के संचालन, रखरखाव एवं प्रदर्शन के लिए तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए संविदा प्रदान करना। **एसी/1;** एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-बीडब्ल्यूएन-ओएसडी-86-25-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर में (डिजिटल); बर्द्धमान स्टेशन के भीतर विभिन्न स्थानों पर 50:50 समय/जगह साझेदारी के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 06 (छह) अदद वीडियो वॉलों के माध्यम से रेलवे जानकारी तथा विज्ञापन के प्रदर्शन के लिए तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए अधिकार प्रदान करना। (HWH-556/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

सरस्वती पूजा पंडालों में पूजा थीम के रूप में एसआईआर का समावेश

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विवाद के बीच सरस्वती पूजा के पंडाल में भी एसआईआर की थीम नजर आई। बल्लीगंज साइंस कॉलेज में विद्या की देवी की सालाना पूजा को एक तीखे राजनीतिक विमर्श में बदल दिया गया है, जिसमें छात्रों ने पूजा की सजावट को 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले पश्चिम बंगाल के सबसे ज़्यादा विवादित मुद्दों में से एक का रूप दिया है। इस कलाकृति के केंद्र में एक गहरा, ब्लैक होल जैसा बैकड्रॉप है, जिस पर दर्जनों फैले हुए हाथ दस्तावेज़ों को पकड़े हुए हैं – स्कूल के प्रवेश पत्र, पहचान पत्र, प्रमाण पत्र – जो छात्रों द्वारा वर्णित एसआईआर प्रक्रिया के दौरान आम लोगों को अमान्य बना दिए जाने का प्रतीक हैं। ऊपर कई प्रतीकात्मक फंदे लटके हुए हैं, जो इस प्रक्रिया से जुड़े भय और मानसिक तनाव के कारण कथित आत्महत्याओं की ओर एक स्पष्ट संकेत हैं। नाम न बताने की शर्त पर, न्यूरोसाइंस के द्वितीय वर्ष के एक छात्र ने कहा, हम चिंता, अपमान और मिटा दिए जाने की भावना को दिखाना चाहते थे। यह पूजा हमारी प्रार्थना है कि यह उत्पीड़न तुरंत बंद हो जाए। एक तरफ हरे रंग की जर्सी लटकी है जिस पर '250' लिखा है, जो सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस के बार-बार दोहराए जाने वाले चुनावी लक्ष्य को दर्शाती है। दूसरी तरफ, भगवा रंग की जर्सी पर प्रश्नचिह्न बना है, जो भाजपा और राजनीतिक परिणाम को लेकर अनिश्चितता का स्पष्ट संकेत है। मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) हाल के महीनों में पश्चिम बंगाल में एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन गया है। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस जहां मतदाताओं के उत्पीड़न का आरोप लगा रही है, वहीं विपक्षी भाजपा का कहना है कि मतदाता सूची से अवैध नाम हटाने के लिए यह प्रक्रिया आवश्यक है। इसके बाद सड़कों पर विरोध प्रदर्शन, नाकेबंदी और झड़पें हुईं, जिससे एक प्रशासनिक संशोधन जन-राजनीतिक आंदोलन में बदल गया। सरस्वती की मूर्ति के पीछे, टीएमसी सरकार की विकास पहलों की प्रशंसा करने वाले फ्लेक्स बैनर, एसआईआर की आलोचनाओं के साथ-साथ लगे हुए हैं। बेहाला में प्रतिद्वंद्वी छात्र समूहों के बीच एक कॉलेज में सरस्वती पूजा समारोह पर नियंत्रण को लेकर झड़प हुई, जिसमें कई लोग घायल हो गए और पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। हालात इतने बिगड़ गए कि स्थानीय टीएमसी विधायक और पार्षद रत्ना चटर्जी को तनाव कम करने के लिए मौके पर पहुंचना पड़ा। पुलिस ने शांति बहाल करने से पहले कई छात्रों को हिरासत में लिया। बालीगंज में राजनीतिकरण से प्रेरित पूजा और बेहाला में हिंसक विरोध प्रदर्शन की ये दो घटनाएं इस बात को रेखांकित करती हैं कि बंगाल में एक और महत्वपूर्ण चुनाव की ओर बढ़ती राजनीति किस तरह से छात्र जीवन में गहराई से प्रवेश कर चुकी है।

श्री जैन विद्यालय में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई सरस्वती पूजा

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा के श्री जैन विद्यालय में शुक्रवार को सरस्वती पूजा का आयोजन अत्यंत श्रद्धा और उल्लास के साथ किया गया। बोन-बिहारी बोस रोड स्थित विद्यालय में मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना संपन्न हुई। पूजा का नेतृत्व विद्यालय के शिक्षक-प्रतिनिधि संतोष कुमार तिवारी ने किया। इस पावन अवसर पर विद्यालय के संस्थापक सरदारमल कांकरिया, बालिका विभाग की प्रधानाध्यापिका मौसमी घोषाल, दिवस विभाग की प्राचार्या इंदु जोसेफ चौधरी सहित संजय सिंह, सतीश सिंह, सोमेन चक्रवर्ती, चंद्रदेव चौधरी, राम पुकार शर्मा और विनोद सिंह की उपस्थिति रही। सरस्वती पूजा के लिए विद्यालय में भव्य पंडाल का निर्माण दिवस विभाग के छात्रों द्वारा किया गया। पूजा के उपरांत छात्रों के बीच प्रसाद के साथ खिचड़ी भोग का वितरण किया गया।

इस पूरे आयोजन को सफल बनाने में हेड प्रिफेक्ट (बॉय) सत्य प्रकाश यादव, शुभ्रांश मिश्रा, रत्नेश तिवारी, पियूष शाह, गौतम जाजोदिया, अनीश यादव, सुमित सिंह, आनंद सिंह तथा अन्य वरिष्ठ छात्रों की भूमिका सराहनीय रही। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के संस्थापक सरदारमल कांकरिया ने सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं छात्र-छात्राओं को सरस्वती पूजा और बसंत पंचमी की शुभकामनाएं दीं।

उत्तर कोलकाता लालाबागान सरस्वती पूजा 2026 प्रतिमा शिल्पी परिमल पाल

मानसी किंडरगार्टन स्कूल में सरस्वती पूजा धूमधाम से मनी

हावड़ा : हावड़ा के बालीटिकुड़ी बामनपाड़ा स्थित मानसी किंडरगार्टन स्कूल में सरस्वती पूजा शुक्रवार को धूमधाम से मनाई गई। हर साल की तरह मूर्ति की स्थापना कर स्कूल में पूरे विधि विधान से विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में स्कूल के बच्चों व शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित अभिभावकगण व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। पूजा के बाद सभी लोगों में महाभोग प्रसाद का वितरण किया गया। इस दौरान स्कूल के प्रिंसिपल तमाल दत्ता, प्रधान शिक्षिका सुदीप्ता दास व अन्य शिक्षक मौजूद रहे। मालूम हो कि इलाके के गरीब व वंचित बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से साल 1964 में इस स्कूल की स्थापना की गई थी। बड़ी संख्या में बच्चे इस स्कूल में पढ़ते हैं।

दिल्ली पब्लिक स्कूल रूबी पार्क में सरस्वती पूजा श्रद्धा व उल्लास के साथ संपन्न

कोलकाता, समाज्ञा : दिल्ली पब्लिक स्कूल रूबी पार्क में शुक्रवार को सरस्वती पूजा (वसंत पंचमी) का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और पारंपरिक उल्लास के साथ किया गया। विद्या, ज्ञान, कला, संगीत और बुद्धि की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती को समर्पित इस पर्व ने विद्यालय परिसर को आध्यात्मिक ऊर्जा और सांस्कृतिक रंगों से भर दिया। यह पर्व वसंत ऋतु के आगमन का भी प्रतीक है, जो नवचेतना, उमंग और आनंद का संदेश देता है।

इस अवसर पर विद्यालय परिसर को फूलों और सजावटी कलाकृतियों से आकर्षक रूप से सजाया गया। बंगाल की पारंपरिक, लगभग विस्मृत कला को दर्शाती हस्तनिर्मित सजावट और बसंती रंग के परिधान पूरे वातावरण की शोभा बढ़ा रहे थे। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना के साथ हुआ, जिसके पश्चात विधिवत हवन आयोजित किया गया। छात्रों ने पुष्पांजलि अर्पित कर देवी माँ से ज्ञान और सफलता का आशीर्वाद प्राप्त किया।

पूजा के साथ-साथ एक लाइव फेसबुक सत्र का भी आयोजन किया गया, जिससे अन्य छात्र वर्चुअल रूप से कार्यक्रम से जुड़ सके। पूजा के उपरांत प्रसाद एवं भोग का वितरण किया गया। प्रबंधन समिति के सदस्यों, शिक्षकों, छात्रों और प्रशासनिक कर्मचारियों की सामूहिक सहभागिता ने आयोजन को और भी गरिमामय बना दिया।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, अलीपुर में नेताजी जयंती और सरस्वती पूजा का भव्य आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, अलीपुर परिसर में शुक्रवार को नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती पराक्रम दिवस के रूप में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उप-प्राचार्य एल. बी. महतो ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए नेताजी के साहस, त्याग और राष्ट्रभक्ति को याद किया और उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिनमें गीत, नृत्य और नाटिका शामिल थे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के उत्साह और समर्पण ने समारोह की गरिमा और बढ़ा दी। इसी क्रम में विद्यालय परिसर में सरस्वती पूजा का आयोजन भी श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। उप-प्राचार्य ने विद्या और संस्कार के प्रति संकल्प लिया। इस संयुक्त आयोजन में विद्यालय परिवार के सभी सदस्य सपरिवार उपस्थित रहे। पूजा, सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रसाद वितरण के साथ समारोह का समापन हुआ।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 129वीं जयंती पर निकली भव्य रैली

हुगली, समाज्ञा : जिले में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 129वीं जयंती श्रद्धा, उत्साह और देशभक्ति के माहौल में ओत पोत होकर धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर रिसड़ा नगरपालिका के वार्ड नंबर 4 से एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसने पूरे नगर की परिक्रमा की। तिरंगे झंडों, ढोल-नगाड़ों और विविध झांकियों से सजी इस रैली ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। पारंपरिक वेशभूषा में शामिल कलाकारों और अनुशासित कदमताल के बीच देशभक्ति का उत्साह चरम पर नजर आया। जुलूस के दौरान जय नेताजी, राम नारायण राम के गगनभेदी उद्घोष से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। इस मौके पर स्थानीय पार्षद शाकिर अली ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के आदर्शों को याद करते हुए कहा कि आज की पीढ़ी को उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग साहस, त्याग और राष्ट्रभक्ति का अनुसरण करना चाहिए।

कार्यक्रम का आयोजन रिसड़ा राम नारायण एवं बालक ब्रह्मचारी समाज तथा रिसड़ा संगठन के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। रैली में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, युवा और सामाजिक संगठनों के सदस्य शामिल हुए।

पूरे आयोजन के दौरान राष्ट्रभक्ति और एकता का संदेश स्पष्ट रूप से देखने को मिला, जिससे नेताजी की स्मृतियों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

वीणा वादिनी के रूप में पूजी गईं मां राज राजेश्वरी (त्रिपुर सुंदरी)

हुगली, समाज्ञा : जिले के कोन्नगर स्थित सिद्ध पीठ राज राजेश्वरी मंदिर में बसंत पंचमी के पावन अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना एवं भव्य आरती का आयोजन किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान का संचालन मंदिर के रवि शंकर द्विवेदी, मुख्य प्रभारी सच्चित स्वरूप महाराज व उप प्रभारी श्रीधर द्विवेदी सान्निध्य में विधि-विधानपूर्वक संपन्न हुआ। बसंत पंचमी के अवसर पर राज राजेश्वरी श्री श्री त्रिपुर सुंदरी को वीणा वादिनी देवी सरस्वती के रूप में विशेष रूप से पूजित किया गया। इस दौरान राज राजेश्वरी का दिव्य एवं अलौकिक श्रृंगार भक्तों के आकर्षण का केंद्र रहा। सुबह से ही मंदिर प्रांगण में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने मां के दर्शन कर विद्या, ज्ञान और कल्याण की कामना की। पूरे मंदिर परिसर में भक्ति और आस्था का वातावरण व्याप्त रहा। रात्रि लगभग 8 बजे प्रसाद वितरण किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर प्रसाद ग्रहण किया और पुण्य लाभ अर्जित किया।

बिनायक एन्क्लेव में माता सरस्वती की पूजा अर्चना और नेताजी जयंती पर बच्चों द्वारा कार्यक्रम का आयोजन

घर-घर दिखी सरस्वती पूजा की धूम। किशोर-किशोरियों ने खुद पंडाल तैयार कर की पूजा।

आस्था, भक्ति भावना से संघश्री में सरस्वती पूजा

कोलकाता : नागरिक स्वास्थ्य संघ के महिला विभाग संघश्री में सरस्वती पूजा के अवसर पर सभी ने आस्था, भक्ति भावना से देवी सरस्वती की पूजा – अर्चना की। गीत – संगीत, नृत्य के सांस्कृतिक कार्यक्रम में विजेताओं को प्रमुख अतिथि दर्शना गर्ग, श्वेता तापड़िया, कविता चांडक, संयोजिका कांता सोनी, संघश्री की अध्यक्ष वर्षा डागा, विजयश्री मूंधड़ा, संघ के प्रधान सचिव विकास चन्द चांडक, लक्ष्मीकांत बियानी, बसन्त (झबरू) दुजारी, गोवर्धन मूंधड़ा, अविनाश गुप्ता, आलोक दमानी, विकास जयसवाल, अशोक दुजारी, गोपी मूंधड़ा, पवन बागड़ी, गणेश प्रसाद लाखोटिया, हरि प्रकाश सोनी एवम् अतिथियों ने पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। वर्षा डागा ने बताया संघश्री के अंतर्गत मेहन्दी, सिलाई – इम्ब्रोडरी, हेयर स्टाइल, ब्यूटीसियन, फैशन डिज़ाइन एवं अन्य प्रशिक्षण पूर्ववत प्रारम्भ किये गये हैं। सीमा डागा, रेखा माहेश्वरी, गायत्री राठी, मंजू पेड़ीवाल, सुशीला सोमानी, उमा महावर, सुशीला बागड़ी, मोनिका सोनी, रीता माहेश्वरी, सागरिका सोम एवम् कार्यकर्ता सक्रिय रहे।

जायसवाल विद्या मंदिर हाई स्कूल फॉर गर्ल्स में श्रद्धा और उल्लास के साथ सरस्वती पूजा का आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा

जायसवाल विद्या मंदिर हाई स्कूल फॉर गर्ल्स में शुक्रवार को सरस्वती पूजा एवं वंदना का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, भक्तिभाव और अनुशासन के साथ किया गया। प्रातः 8 बजे से प्रारंभ हुए इस पावन कार्यक्रम में विद्यालय परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा।

इस अवसर पर विद्यालय के मुख्य अतिथि एवं प्रबंध समिति के अध्यक्ष विकास जायसवाल की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। पूजा का आयोजन विद्यालय की छात्राओं द्वारा शिक्षकों के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की प्रधान अध्यापिका अनीता वाल्मीकि की सक्रिय उपस्थिति एवं मार्गदर्शन उल्लेखनीय रहा। पूजा कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय की शिक्षिकाओं-देवजानी पाल सामंता, सुचित्रा दत्ता सरकार, जय प्रतिमा कुजूर, श्रद्धा हालदार, दीपांविता मंडल हालदार, मंजू पांडे तथा श्रेष्ठा सेनगुप्ता के साथ-साथ सहकर्मी दीपक कुमार साहू एवं राकेश प्रसाद दास का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

इस पावन अवसर पर विद्यालय में देश के महान स्वतंत्रता सेनानी एवं आदर्श नेता नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। इस दौरान उनके त्याग, अदम्य साहस और देशभक्ति को स्मरण करते हुए छात्राओं को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का संदेश दिया गया। पूजा के उपरांत छात्राओं के बीच प्रसाद एवं भोजन पैकेट का वितरण किया गया। विद्यालय के टीचिंग एवं नॉन-टीचिंग स्टाफ के सामूहिक प्रयास से यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

नेताजी जयंती पर भवानीपुर में रक्तदान व नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

कोलकाता, समाज्ञा : नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 129वीं जयंती के अवसर पर शुक्रवार को भवानीपुर इलाके में रक्तदान एवं नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। यूथ खालसा क्लब, भवानीपुर की ओर से चक्रबेड़िया-पद्मपुकुर रोड क्रॉसिंग क्षेत्र में आयोजित इस शिविर में 100 से अधिक लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। साथ ही बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने सामान्य स्वास्थ्य जांच और नेत्र परीक्षण सेवाओं का लाभ उठाया। यह कार्यक्रम सांसद एवं तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के दिशा-निर्देश पर यूथ खालसा क्लब (भवानीपुर) के अध्यक्ष एवं समाजसेवी गुरमीत सिंह (जॉनी) के नेतृत्व में संपन्न हुआ। शिविर में राज्य के पूर्व मंत्री एवं वर्तमान तृणमूल कांग्रेस विधायक निर्मल माझी सहित कई गणमान्य व्यक्तित्व उपस्थित रहे। इस अवसर पर गुरमीत सिंह ने कहा कि नेताजी के आदर्शों से प्रेरणा लेकर क्लब समाजसेवा के कार्य निरंतर करता रहेगा। विधायक निर्मल माझी ने आयोजन की सराहना करते हुए सिख समुदाय की सेवा भावना की प्रशंसा की। स्थानीय लोगों ने भी इस पहल को सराहनीय बताया।

तन-मन-धन के समर्पण से होगा प्रभु से मिलन : पं. मालीराम शास्त्री

❑ **कृष्ण जन्मोत्सव पर बांधाघाट का नया मंदिर बना गोकुल-मथुरा**

हावड़ा : सालकिया बांधाघाट स्थित बंगेश्वर महादेव नया मंदिर में माघ मास के उपलक्ष्य में श्रद्धेय पं. मालीराम जी शास्त्री के व्यासत्व में आयोजित सप्ताहव्यापी श्रीमद्भागवत महापुराण यज्ञ के चौथे दिन भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव एवं नंदोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं का भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा। पूरे आयोजन स्थल पर गोकुल-मथुरा जैसा अलौकिक दृश्य देखने को मिला। इस अवसर पर मुख्य यजमान सरोज-दिलीप चौधरी (अनमोल ग्रुप), मुख्य संरक्षक महेश कुमार शर्मा (नेचुरल ग्रुप) तथा कृष्ण जन्मोत्सव के यजमान श्रीमती संगीता-संजय अग्रवाल (डीजी ग्रुप) सहित राधेश्याम सुल्तानिया, डॉ. पवन-ममता अग्रवाल, बिनोद-अनीता केडिया, सुभाष-पुष्पा अग्रवाल, सजन-रेनू तायल, अनंत-रजत शाह, जगदीश अग्रवाल, जितेंद्र कनोई, महेंद्र सांवलका, प्रदीप अग्रवाल (पलासी), जयप्रकाश अग्रवाल (बेंगलुरु), ओमप्रकाश बंसल, उत्तम कुमार जाजू, नैनी-अंकित चौधरी, नैन्सी-आशीष चौधरी, मिनल-मुकेश शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने व्यासपीठ को नमन कर शास्त्री जी से आशीर्वाद प्राप्त किया। कथा प्रवचन के दौरान पं. मालीराम शास्त्री ने कहा कि जो उत्साह के साथ मनाया जाए वही उत्सव है। जो वाणी, व्यवहार और विचार से सबको आनंद दे वही नंद है और जो दूसरों को यश प्रदान करे वही यशोदा है। उन्होंने गोकुल और मथुरा का आध्यात्मिक अर्थ समझाते हुए कहा कि गोकुल का अर्थ इंद्रियों का समूह अर्थात हमारा शरीर है, जबकि मथुरा भोग-विलास में रमी देह-नगरी का प्रतीक है। यदि इंद्रियां भगवान में रमण करें तो शरीर गोकुल बनता है और उसमें प्रभु का वास होता है। समुद्र मंथन का उदाहरण देते हुए शास्त्री जी ने कहा कि किशोरावस्था में यदि मनरूपी समुद्र का मंथन ईश्वर की शरण के बिना हो, तो अमृत के स्थान पर विष निकलता है। राजा बलि से मांगे गए तीन पग भूमि का अर्थ उन्होंने तन, मन और धन का समर्पण बताया। जो इन तीनों को ईश्वर को अर्पित करता है, वही प्रभु की प्राप्ति कर सकता है। कृष्ण जन्मोत्सव के अवसर पर कथा स्थल को रंग-बिरंगे गुब्बारों से सजाया गया। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म, वासुदेव द्वारा उन्हें नंद बाबा के घर पहुंचाने तथा जन्मोत्सव की खुशियों को नृत्य-नाटिका के माध्यम से जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया, जिससे श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। कथा के मध्य पं. शास्त्री ने अपनी मधुर वाणी से भजन प्रस्तुत कर भगवत प्रेमियों को भावनाओं से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम का भावपूर्ण संचालन सुरेश कुमार भुवालका ने किया। कथा समन्वयक श्री संदीप ने बताया कि पांचवें दिन 24 जनवरी को दोपहर 2 से 6 बजे तक कृष्ण बाल लीला, कालिया मर्दन एवं गिरिराज पूजन पर कथा प्रवचन करेंगे। 25 जनवरी को रुक्मिणी मंगल महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह कथा 26 जनवरी तक चलेगी।

शंकराचार्य पर कथित अत्याचार पूरे सनातन धर्म पर आघात : सच्चित स्वरूप महाराज

हुगली, समाज्ञा : प्रयागराज माघ मेले के दौरान शंकराचार्य जी के साथ हुए कथित अत्याचार को लेकर संत समाज में गहरा आक्रोश व्याप्त है। राजराजेश्वरी सेवा मठ के प्रमुख प्रभारी सच्चित स्वरूप महाराज ने इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इसे पूरे सनातन धर्म और संत समाज पर हमला बताया है। महाराज ने कहा कि आज से लगभग 2500 वर्ष पूर्व आदि शंकराचार्य ने देश में चार मठों की स्थापना की थी, जिनमें से ज्योतिर मठ के शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती जी के शिष्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी वर्तमान में ज्योतिर मठ के आचार्य हैं। उन्होंने कहा कि अविमुक्तेश्वरानंद जी प्रमाणित शंकराचार्य हैं, इसके बावजूद उनसे शंकराचार्य होने का प्रमाण मांगा जाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक व्यक्ति का अपमान नहीं, बल्कि पूरे संत समाज और सनातन धर्म पर आघात है। इतिहास का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि मुगल और अंग्रेजी शासनकाल में भी साधु-संतों और शंकराचार्यों के साथ इस प्रकार की बर्बरता करने की हिम्मत नहीं पड़ी, जैसी आज देखने को मिल रही है। मठ प्रमुख ने कहा कि माघ मेला स्वयं शंकराचार्य की देन है, ऐसे में उसी माघ मेले में शंकराचार्य और साधु-संन्यासियों के साथ दुर्व्यवहार किया जाना घोर अपराध है। उन्होंने आरोप लगाया कि साधु-संतों की शिखा खींची गई, दंडी संन्यासियों को लात-घूंसे और जूतों से मारा गया, जो सनातन परंपरा में अक्षम्य अपराध की श्रेणी में आता है।

सचिन स्वरूप महाराज ने कहा कि सनातन धर्म में शंकराचार्य सर्वोच्च होते हैं, ऐसे में प्रशासन को स्वयं जाकर उनसे माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि धर्म प्रधान देश में इस तरह की घटनाएं बेहद हानिकारक हैं और इसके गंभीर दुष्परिणाम सामने आ सकते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि आज देश जहां आर्थिक तंगी से जूझ रहा है, वहीं गौहत्या का विरोध करने पर शंकराचार्य पर अत्याचार किया जाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। संत समाज इस पूरे मामले में निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करता है।

पराक्रम दिवस सिर्फ नेताजी को श्रद्धांजलि नहीं, यह पीढ़ियों तक साहस का संचार है : उपराष्ट्रपति

❑ **उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन नेताजी की जयंती पर कोलकाता में पराक्रम दिवस समारोह में हुए शामिल**

❑ **कहा– नेताजी का जीवन और आदर्श युवाओं को डर से ऊपर उठने और भविष्य की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रेरित करते हैं**

कोलकाता : उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को आजादी के महानायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस के राष्ट्र के लिए योगदान को याद करते हुए कहा कि पराक्रम दिवस सिर्फ नेताजी को श्रद्धांजलि नहीं है, बल्कि यह पीढ़ियों तक साहस का संचार है। नेताजी की 129वीं जयंती के मौके पर कोलकाता के विक्टोरिया मेमोरियल में शाम में आयोजित पराक्रम दिवस समारोह में उन्होंने यह बात कही।

अपने संबोधन में राधाकृष्णन ने नेताजी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए नेताजी के आराम के बजाय बलिदान के चुनाव को याद किया, जिसमें बोस द्वारा भारतीय सिविल सेवा में एक प्रतिष्ठित पद को स्वीकार करने से इन्कार करना और राष्ट्र के लिए पूर्ण स्वतंत्रता की खोज में उच्च पद छोड़ने का उनका निर्णय शामिल है। उन्होंने कहा कि नेताजी ने आजाद हिंद फौज को संगठित करके और अनगिनत भारतीयों को सुरक्षा से ऊपर सम्मान और डर से ऊपर स्वतंत्रता को रखने के लिए प्रेरित करके भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में एक वैकल्पिक मार्ग प्रशस्त किया।

उपराष्ट्रपति ने देश के विभिन्न क्षेत्रों, जिसमें दक्षिण भी शामिल है, के साथ नेताजी के गहरे जुड़ाव पर भी प्रकाश डाला और तमिलनाडु के कई जिलों के आइएनए सैनिकों के महत्वपूर्ण योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि नेताजी का जीवन और आदर्श युवाओं को डर से ऊपर उठने, राष्ट्र के भविष्य की जिम्मेदारी लेने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा व्यक्त किए गए दृष्टिकोण के अनुरूप एक विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करते रहते हैं।

इस कार्यक्रम के दौरान उपराष्ट्रपति ने बंगाल के राज्यपाल डा सीवी आनंद बोस द्वारा लिखित पुस्तक डैड रिमेम्बर्स नेताजी का भी विमोचन किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की व्यक्तिगत यादें और लेखन नेताजी के जीवन और विरासत की समझ में एक मूल्यवान मानवीय आयाम जोड़ते हैं, खासकर युवा पीढ़ियों के लिए।

केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित इस समारोह में सांस्कृतिक प्रदर्शन शामिल थे, जिसमें नेताजी के जय हिंद के उद्घोष और भारत की राष्ट्रीय चेतना पर उनके स्थायी प्रभाव को दर्शाया गया।

इस अवसर पर, उपराष्ट्रपति ने नेताजी बोस से जुड़ी दुर्लभ और महत्वपूर्ण यादगार वस्तुओं की एक विशेष प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में नेताजी का फाउंटेन पेन, उनका शैक्षिक प्रमाण पत्र और भारतीय राष्ट्रीय सेना (आइएनए) के पदक शामिल थे, जो महान स्वतंत्रता सेनानी के जीवन, आदर्शों और बलिदानों की एक जीवंत झलक पेश करते हैं। उपराष्ट्रपति ने इन यादगार चीजों को भारत के स्वतंत्रता संग्राम को आकार देने वाले साहस, अनुशासन और अदम्य भावना का खामोश गवाह बताया, और कहा कि ऐसी कलाकृतियों में न सिर्फ ऐतिहासिक महत्व होता है, बल्कि एक महत्वाकांक्षी राष्ट्र की धड़कन भी होती है।

समारोह में बंगाल के राज्यपाल सहित नेशनल काउंसिल आफ साइंस म्यूजियम के महानिदेशक अरिजीत दत्ता चौधरी, विक्टोरिया मेमोरियल के सचिव अनुराग कुमार, इंडियन म्यूजियम, कोलकाता के निदेशक सायन भट्टाचार्य और अन्य गणमान्य लोग शामिल हुए। मालूम हो कि सितंबर में उपराष्ट्रपति का कार्यभार संभालने के बाद राधाकृष्णन की यह पहली बंगाल यात्रा है।

कोलकाता से किशोरी का अपहरण, हावड़ा स्टेशन पर पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा

उत्तर कोलकाता के चितपुर इलाके में एक नाबालिग लड़की के अपहरण ने क्षेत्र में हड़कंप मचा दिया। आरोपी युवक ने किशोरी को अपहरण कर चंडीपुर ले जाकर वहां बंद रखा और दुष्कर्म किया। जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने हावड़ा स्टेशन पर जाल बिछाकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और किशोरी को सुरक्षित बचा लिया। जानकारी के मुताबिक, कुछ दिन पहले चितपुर की निवासी यह किशोरी अचानक लापता हो गई थी। परिजनों ने तुरंत थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। प्रारंभिक जांच में पुलिस को पता चला कि इलाके का ही एक युवक अपहरण में शामिल है। इसके बाद उसकी तलाश शुरू की गई और जानकारी मिली कि आरोपी किशोरी को चंडीपुर ले गया है। जांच के दौरान पता चला कि आरोपी किशोरी को वापस कोलकाता लेकर ट्रेन पकड़ रहा है। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने हावड़ा स्टेशन पर फंदा बिछाया और आरोपी को पकड़ा। घटना स्थल पर मौजूद अन्य यात्रियों और पुलिस की तत्परता से किशोरी को सुरक्षित बाहर निकाला गया। बाद में किशोरी ने पुलिस को बताया कि चंडीपुर में उसे बंद कर दुष्कर्म किया गया। पुलिस ने तुरंत किशोरी की शारीरिक जांच कराई और आरोपी के खिलाफ पॉक्सो के तहत मामला दर्ज कर लिया गया।

होटल के कमरे में युवक की संदिग्ध मौत

कोलकाता : कसबा थाना क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर एक होटल के कमरे से एक युवक का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान 28 वर्षीय अनुपम चौधरी के रूप में हुई है, जो तमिलनाडु का रहने वाला बताया गया है। पुलिस के अनुसार, राजडांगा मेन रोड स्थित 'होटल ड्रीम स्टार' की पहली मंज़िल के एक कमरे में अनुपम चौधरी अचेत अवस्था में पड़े मिले। होटल कर्मियों की सूचना पर कसबा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को तत्काल सीएनएमसी एंड हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामला अस्वाभाविक मौत का दर्ज किया है। मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और पुलिस मौत के कारणों की जांच कर रही है।

बसंत पंचमी के पावन अवसर पर योगमाया देवी कॉलेज में सरस्वती पूजा में भाग लेने पहुंची राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी।

नवीन सुविधाओं के साथ हावड़ा-कामाख्या वंदे भारत स्लीपर की रोमांचक पहली यात्रा

कोलकाता, समाज्ञा : हावड़ा स्टेशन पर शुक्रवार शाम 6:20 बजे एक नया इतिहास रचा गया, जब हावड़ा-कामाख्या वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस ने अपनी पहली वाणिज्यिक यात्रा के लिए प्लेटफॉर्म नंबर 6 से रवाना होकर पश्चिम बंगाल में तेज, सुरक्षित और आरामदायक रेल यात्रा का नया युग शुरू किया। यात्रियों के चेहरे पर उत्साह और उमंग साफ झलक रहा था। अधिकांश यात्री इस ट्रेन में पहली बार सफर कर रहे थे और उन्होंने इसकी आधुनिक सुविधाओं की तारीफ की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 जनवरी को हावड़ा-कामाख्या वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। इसके बाद कामाख्या से हावड़ा की नियमित सेवा 22 जनवरी से शुरू हो चुकी है। इस पहल से पश्चिम बंगाल के लोगों को लंबी दूरी की यात्रा में तेजी, सुविधा और आधुनिकता का अनुभव मिलेगा। 27575 हावड़ा-कामाख्या वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस रोजाना हावड़ा से शाम 6:20 बजे प्रस्थान करती है और अगले दिन सुबह 8:20 बजे कामाख्या स्टेशन पहुंचती है। रास्ते में यह ट्रेन बंडेल, नवद्वीपधाम, कटवा, अजिमगंज, न्यू फरक्का जंक्शन और मालदह टाउन जैसे प्रमुख स्टेशनों पर ठहराव लेती है।

यात्रियों ने ट्रेन की आरामदायक स्लीपर बर्थ, आधुनिक सफाई सुविधाएं, सुरक्षित यात्रा और आकर्षक इंटीरियर की विशेष सराहना की। कई यात्रियों ने बताया कि लंबी दूरी की यात्रा में इतनी सुविधा और आराम पहले कभी नहीं मिला। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि यह ट्रेन न केवल तेज और सुरक्षित है, बल्कि भविष्य में और अधिक राज्य और अंतरराज्यीय मार्गों पर इसका विस्तार किया जाएगा। रेल प्रेमियों और यात्रियों के लिए यह ट्रेन सुविधा, गति और आधुनिकता का प्रतीक बन चुकी है। इस पहले दिन की यात्रा ने स्पष्ट कर दिया कि पश्चिम बंगाल में रेल सेवा का यह नया अध्याय यात्रियों के लिए एक उत्साहजनक और रोमांचक अनुभव साबित होगा।

जुवेंटस हेल्थकेयर ने किया कंपनी बंद होने की अफवाहों का खंडन

कोलकाता : 2002 में स्थापित एक प्रमुख भारतीय दवा कंपनी और एमक्योर फार्मास्यूटिकल्स (बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध) की सहायक कंपनी, जुवेंटस हेल्थकेयर लिमिटेड ने कंपनी के भविष्य के संबंध में चल रही गलत और भ्रामक सूचनाओं को खारिज करने के लिए एक औपचारिक स्पष्टीकरण जारी किया है। इसमें कहा गया कि जुवेंटस स्पष्ट रूप से बंद होने या रीब्रांडिंग (नाम बदलने) की अफवाहों का खंडन करता है। जुवेंटस ने आगे स्पष्ट किया है कि उसके व्यावसायिक संपत्तियों का कोई बंद होना, निलंबन या हस्तांतरण नहीं हुआ है, और उसका फील्ड स्टाफ देश भर में पूरी क्षमता के साथ काम करना जारी रखे हुए है।

भारतीय तटरक्षक बल ने सुपारी तस्करी में प्रयुक्त नाव 'लक्ष्मीनारायण' को पकड़ा

कोलकाता : भारतीय तटरक्षक बल ने तस्करी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए बांग्लादेश से भारत में सुपारी की अवैध तस्करी में प्रयुक्त भारतीय मछली पकड़ने वाली नाव आईएफबी 'लक्ष्मीनारायण' को जब्त किया है। यह कार्रवाई भारतीय तटरक्षक बल स्टेशन फ्रेजरगंज द्वारा 22 जनवरी 2026 को अंजाम दी गई। तटरक्षक बल को प्राप्त खुफिया सूचना (इंटेलिजेंस इनपुट) के आधार पर एक बोर्डिंग टीम को तत्काल मौके पर भेजा गया, जहां उक्त नाव परित्यक्त अवस्था में पाई गई। तलाशी के दौरान नाव से 50-50 किलोग्राम वजन की कुल 52 बोरियां सुपारी बरामद की गईं, जिनका कुल वजन लगभग 2600 किलोग्राम बताया गया है। जब्त की गई नाव आईएफबी लक्ष्मीनारायण को फ्रेजरगंज लाकर बेनफिश फिशिंग जेट्टी पर सुरक्षित रूप से खड़ा किया गया। इसके बाद आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए नाव को कोस्टल पुलिस स्टेशन, फ्रेजरगंज को सौंप दिया गया है। भारतीय तटरक्षक बल ने कहा है कि वह अन्य समुद्री सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय बनाकर तटीय एवं समुद्री क्षेत्रों में तस्करी और अवैध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी बनाए हुए है तथा देश की सुरक्षा और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

सेन्को गोल्ड मेलोरा की मूल कंपनी में 68% हिस्सेदारी खरीदेगी

कोलकाता, समाज्ञा : सेन्को गोल्ड लिमिटेड ने फास्ट-फैशन ज्वेलरी ब्रांड मेलोरा की मूल कंपनी ऑगस्ट ज्वेलरी प्राइवेट लिमिटेड में 68 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी के अधिग्रहण को मंजूरी दे दी है। यह अधिग्रहण 68 करोड़ रुपये के नकद निवेश के माध्यम से किया जाएगा। कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजारों को दी गई सूचना में बताया कि यह अधिग्रहण प्राथमिक निवेश (प्राइमरी इन्वेस्टमेंट) के जरिए होगा, जिसके बाद ऑगस्ट ज्वेलरी प्राइवेट लिमिटेड, सेन्को गोल्ड की सहायक कंपनी बन जाएगी। बताया गया है कि अधिग्रहण की यह राशि ऑगस्ट ज्वेलरी के वित्त वर्ष 2025 के अनुमानित टर्नओवर लगभग 33 करोड़ रुपये से दोगुने से भी अधिक है। मेलोरा ब्रांड डिजिटल-फर्स्ट और आधुनिक डिजाइन वाली ज्वेलरी के लिए जाना जाता है, जिसकी मजबूत मौजूदगी युवा उपभोक्ताओं के बीच है। इस रणनीतिक निवेश के जरिए सेन्को गोल्ड का लक्ष्य अपने पोर्टफोलियो को मजबूत करना, नई पीढ़ी के ग्राहकों तक पहुंच बढ़ाना और तेजी से बढ़ते फास्ट-फैशन ज्वेलरी सेगमेंट में अपनी स्थिति सुदृढ़ करना है। माना जा रहा है कि यह अधिग्रहण कंपनी के दीर्घकालिक विकास लक्ष्यों को गति प्रदान करेगा।

SENCO GOLD & DIAMONDS

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में नानवेज का विकल्प नहीं

❑ **तृणमूल ने बंगाली संस्कृति पर हमला बताया**

❑ **रेलवे का जवाब- ये दो धार्मिक स्थलों को जोड़ने वाली ट्रेन है, इसलिए शुद्ध शाकाहारी भोजन रखा गया है**

❑ **तृणमूल ने रेलवे के फैसले पर जताई आपत्ति**

कोलकाता : हावड़ा से कामाख्या (गुवाहाटी) के बीच हाल में शुरू हुई देश की पहली वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस ट्रेन के मेन्यू में नौनवेज (मांसाहारी भोजन) का विकल्प नहीं होने पर राजनीतिक संग्राम छिड़ गया है। बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने इस ट्रेन में मांसाहारी भोजन का विकल्प नहीं होने पर नाराजगी जताते हुए इसे बंगाली संस्कृति पर हमला बताया है। रेलवे के इस कदम की आलोचना करते हुए तृणमूल ने कहा कि बंगाल से असम जाने वाली वंदे भारत ट्रेन में मछली और मांस हटा दिए गए हैं। पार्टी ने कहा कि ये ऐसी जगहों को जोड़ने वाली ट्रेन है जहां लोग नान-वेज खाना पसंद करते हैं। मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए तृणमूल ने कहा कि आज खाने पर पाबंदी, कल कपड़ों पर, प्यार पर और जीवनशैली पर भी पाबंदी होगी। इधर, तृणमूल के इस विरोध के बाद रेलवे ने इसपर सफाई दी है। रेलवे ने अपने जवाब में कहा है कि वंदे भारत स्लीपर दो धार्मिक स्थलों को जोड़ने वाली ट्रेन है। मां कामाख्या मंदिर असम में है और मां काली मंदिर बंगाल में है, ये दोनों को जोड़ती है। मेन्यू में स्वच्छ और शुद्ध शाकाहारी भोजन उपलब्ध है। मेन्यू बंगाल और असम के पारंपरिक खाने पर आधारित है। मालूम हो कि बीते शनिवार को ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मालदा से इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई थी। इसके बाद गुरुवार, 22 जनवरी से ये ट्रेन यात्रियों के लिए नियमित रूप से चलनी शुरू हुई हैं और मेन्यू पर विवाद शुरू हो गया।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा स्थापना के 30 वर्ष पूरे, श्रद्धापूर्वक मनाई गई जयंती

कोलकाता : नेताजी मंच द्वारा वर्ष 1996 में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर 45 नेताजी सुभाष रोड (कोलकाता-1) पर स्थापित की गई नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा की स्थापना के इस वर्ष 30 वर्ष पूर्ण हो गए। इस अवसर पर नेताजी की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नेताजी को नमन किया गया और राष्ट्र के प्रति उनके अतुलनीय योगदान को स्मरण किया गया। यह प्रतिमा स्वर्गीय भगत प्रसाद सोनकर के प्रयासों से स्थापित की गई थी, जिनकी स्मृति में भी उपस्थित लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। समारोह में महामंत्री भोला प्रसाद सोनकर, कमलजीत पांडेय, अखिलेश सिंह, बाबलू सोनकर, अमित चौरसिया, पूजा सोनकर एडवोकेट, कमलेश तिवारी, शंभु सिंह, राजू सोनकर, अरुण शॉ, सनोज़ सिंह, उपेन्द्र चौधरी, जितेन्द्र चौरसिया, किरण हाथी, राहुल सोनकर, रविन्द्र चौधरी, नागेन्द्र खरवार, नीरज चौधरी और अश्वनी सोनकर सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया।

एल एंड टी फाइनेंस ने 760 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया

कोलकाता : एल एंड टी फाइनेंस लिमिटेड ने 31 दिसंबर, 2025 को समाप्त तीसरी तिमाही (वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही) में अपना अब तक का सबसे अधिक कोर कर पश्चात लाभ (पीएटी) 760 करोड़ रुपये (नए लेबर कोड प्रावधान के एक बार के प्रभाव से पहले) दर्ज किया है, जिसमें साल-दर-साल 21% की वृद्धि दर्ज की गई है। वित्तीय परिणामों के बारे में, सुदीप्ता रॉय, मैनेजिंग डायरेक्टरर एवं सीईओ, एलटीएफ, ने कहा, वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही अच्छे आर्थिक कारकों के मजबूत मिश्रण से प्रभावित रही। जीएसटी 2.0 की शुरूआत, अच्छी बारिश (मानसून), और रेपो दर में लगातार कटौती ने लोगों के खर्च में बढ़ोतरी की है और विकास के लिए अनुकूल माहौल बनाया है।

अलीपुर जिलाधिकारी कार्यालय के सामने नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित

कोलकाता, समाज्ञा

नेताजी सुभाषचंद्र बोस की 129वीं जयंती के अवसर पर अलीपुर जिलाधिकारी कार्यालय के सामने श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी अरविंद कुमार मीना ने नेताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर बैंड की धुन के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया और राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में नेताजी के देश के प्रति योगदान और स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भूमिका को स्मरण किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से नेताजी सुभाषचंद्र बोस के आदर्शों और राष्ट्रभक्ति की भावना को आगे बढ़ाने का संदेश दिया गया।

आदर्श माध्यमिक विद्यालय में नेताजी सुभाषचंद्र बोस जयंती और सरस्वती पूजा का भव्य आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : आदर्श माध्यमिक विद्यालय के भव्य ऐतिहासिक प्रांगण में आजाद हिन्द फौज के संस्थापक नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती और मां वीणा वादिनी की परंपरा के अनुसार 23 जनवरी को नेताजी की जयंती पराक्रम दिवस के रूप में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ. ए. पी. राय, शिक्षक प्रभारी अनिल कुमार राय, फाल्गुनी राउत, सांस्कृतिक सचिव ओक्षा जी, अविनाश सिंह, राजेन्द्र प्रसाद राय, समाजा हिन्दी दैनिक के संपादक अनिल कुमार राय, विद्यालय के भूतपूर्व छात्र मनोज कुमार गुप्ता, अवधेश झा, संदीप सिंह और पंकज राम सहित अनेक छात्र उपस्थित थे। सभी ने नेताजी के साहस, त्याग और राष्ट्रभक्ति को याद करते हुए उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। इसी क्रम में विद्यालय परिसर में सरस्वती पूजा समारोह भी श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस संयुक्त आयोजन में विद्यालय परिवार के सभी सदस्य सपरिवार उपस्थित रहे। पूजा, सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रसाद वितरण के साथ समारोह का समापन हुआ।

जाने-माने कथा वाचक देवकीनंदन ठाकुर 26 जनवरी से कोलकाता में करेंगे भागवत कथा

कोलकाता : देश के जाने-माने कथा भागवत कथा वाचक देवकीनंदन ठाकुर आगामी 26 जनवरी से कोलकाता में श्रीमद्भागवत कथा की अमृत वर्षा करेंगे। सात दिवसीय इस भागवत कथा का आयोजन विश्व शांति सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में किया जा रहा है, जो एक फरवरी तक चलेगा। कथा का आयोजन कोलकाता के उल्टाडांगा स्थित विधान गार्डन में होगा। इस भागवत कथा के आयोजक व मुख्य यजमान लता स्नेही एवं गोपाल कुमार स्नेही हैं। आयोजक गोपाल स्नेही ने बताया कि कथा का शुभारंभ 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के शुभ दिन होगा। उस दिन सुबह नौ बजे से एक भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि कथा का समय हर दिन दोपहर तीन से शाम छह बजे तक है। प्रतिदिन कथा के समापन के पश्चात हजारों श्रद्धालुओं के लिए भंडारा प्रसाद की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कोलकाता और आसपास के जिलों के श्रद्धालुओं से इस कथा में शामिल होकर पुण्य के भागी बनने की अपील की है।

मर्यादा हालाहल नहीं, गंगाजल है : मुनि जिनेश कुमार

❑ **162वें मर्यादा महोत्सव समारोह के त्रिदिवसीय कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ**

हावड़ा : युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनिश्री जिनेश कुमार जी ठाणा-3 के सान्निध्य में तेरापंथ धर्मसंघ के कुंभ 162वां मर्यादा महोत्सव समारोह के त्रिदिवसीय कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ बसंत पंचमी के पावन अवसर पर शरत सदन, साउथ हावड़ा में श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा द्वारा किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

संघबद्ध साधना और मर्यादा विषय पर उद्बोधन देते हुए मुनिश्री जिनेश कुमार जी ने कहा कि धर्म उत्कृष्ट मंगल है। अहिंसा, संयम और तप धर्म के लक्षण हैं। जिसका मन धर्म में रमा रहता है, उसे देवता भी नमस्कार करते हैं। धर्म की प्रेरणा देने

वाले संत और आचार्य होते हैं। आचार्य भिक्षु तेरापंथ के प्रथम प्रवर्तक थे। वे न केवल निर्मल आचारवान और तत्ववेत्ता आचार्य थे, बल्कि कुशल संघ-संगठनकर्ता भी थे। उन्होंने धर्मसंघ को सुव्यवस्थित बनाने के लिए मर्यादाओं का निर्माण किया। मर्यादा हालाहल नहीं, गंगाजल है; मर्यादा संघर्ष नहीं, उत्कर्ष है; मर्यादा बंधन नहीं, निबंध है।

मुनि ने कहा कि आचार्य भिक्षु भली-भांति जानते थे कि सामुदायिक जीवन और सामूहिक साधना में मर्यादाएँ अत्यंत आवश्यक हैं। मर्यादाओं के अभाव में अनेक प्रकार की कठिनाइयां उत्पन्न होती हैं और साधु समाज में शिथिलाचार पनप सकता है। साधु समाज स्वस्थ नहीं रहेगा तो संगठन भी सुदृढ़ नहीं रह सकेगा। इसी कारण उन्होंने साध्वाचार में शिथिलता न आए, इसके लिए मर्यादाओं का निर्माण किया। संघबद्ध साधना के लिए समर्पण आवश्यक है, और समर्पण साधना का नवनीत है। संतुलन, एक आचार्य का नेतृत्व, विनय, विवेक, आचार्य की जागरूकता, गुटबंदी का अभाव तथा संविभाग-ये सभी संघबद्ध साधना के लिए आवश्यक हैं। संघ माता-पिता के समान आश्वासन और विश्वास देने वाला तथा शीतघर के समान होता है। संघ की शरण में आने वाले व्यक्ति सुख को प्राप्त करते हैं।

बसंत पंचमी के संदर्भ में मुनि ने कहा कि जैसे प्रकृति इस ऋतु में हरी-भरी और उल्लासपूर्ण रहती है, वैसे ही व्यक्ति को सदैव प्रसन्न रहना चाहिए और सेवा-भाव बनाए रखना चाहिए। संघ की सेवा के लिए तत्पर रहना चाहिए। उन्होंने अपने उद्बोधन में अनेक प्रेरक उदाहरण भी प्रस्तुत किए।

इस अवसर पर मुनि कुणाल कुमार जी ने सुमधुर गीत का सस्वर संगान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ तेरापंथ महिला मंडल की युवतियों द्वारा मंगलाचरण से हुआ। स्वागत भाषण सभा के उपाध्यक्ष बजरंग जी डागा ने दिया। कार्यक्रम की सफलता के लिए साउथ हावड़ा सभा के अध्यक्ष लक्ष्मीपत जी बाफणा ने मंगल भावना व्यक्त की। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के सदस्यों द्वारा सामूहिक गीत की प्रस्तुति दी गई। आभार ज्ञापन संगठन मंत्री पवन बेंगानी ने किया, जबकि कार्यक्रम का संचालन मुनि परमानंद ने किया। बसंत पंचमी के अवसर पर कार्यक्रम से पूर्व मुनिश्री जिनेश कुमार जी ने विभिन्न मंत्रों के उच्चारण के साथ विधा-अनुष्ठान भी संपन्न कराया।

थायरॉयड सेहत : बेहतर मेटाबॉलिज्म की ओर पहला कदम

कोलकाता : गर्दन के सामने स्थित तितली के आकार की थायरॉयड ग्रंथि शरीर के मेटाबॉलिज़्म को नियंत्रित करती है। जब यह सही ढंग से काम नहीं करती, तो वजन, ऊर्जा, दिल की धड़कन और ब्लड शुगर पर असर पड़ता है। विशेषज्ञों के अनुसार मेटाबॉलिक सिंड्रोम से पीड़ित हर चार में से एक व्यक्ति को हाइपोथायरॉयडिज़्म हो सकता है। मेटाबॉलिक सिंड्रोम कई समस्याओं का समूह है, जिसमें उच्च रक्तचाप, बढ़ा हुआ ब्लड शुगर, पेट के आसपास अधिक चर्बी और कोलेस्ट्रॉल असंतुलन शामिल हैं।

इन कारणों से हृदय रोग, स्ट्रोक और टाइप-2 डायबिटीज़ का खतरा बढ़ जाता है। भारत में लगभग हर दस में से एक व्यक्ति हाइपोथायरॉयडिज़्म से प्रभावित है। डॉ. आशीष कुमार बसु के अनुसार, थायरॉयड हार्मोन की कमी से मेटाबॉलिज़्म धीमा पड़ता है और कोलेस्ट्रॉल व ब्लड शुगर बढ़ सकते हैं।

एबॉट इंडिया की डॉ. किन्नेरा पुटरेवु ने मेटाबॉलिक जोखिम वाले लोगों को नियमित थायरॉयड जांच की सलाह दी है। विशेषज्ञ संतुलित आहार, दवाओं का नियमित सेवन, रोज़ हल्का व्यायाम और तनाव नियंत्रण को थायरॉयड संतुलन के लिए आवश्यक मानते हैं। समय पर जांच और सही जीवनशैली अपनाकर थायरॉयड को नियंत्रित किया जा सकता है और समग्र स्वास्थ्य बेहतर बनाया जा सकता है।

माँ सरस्वती की आराधना करते नन्हे हर्ष मलानी।

राजस्थान: 1.85 क्विंटल डोडा पोस्त जब्त, दो लोग गिरफ्तार

जयपुर: राजस्थान पुलिस के स्वापक रोधी कार्य बल ने 1.85 क्विंटल डोडा पोस्त जब्त कर दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, बल की टीम ने चित्तौड़गढ़ जिले के शंभूपुरा थानाक्षेत्र में राजपुरा तिराहे पर दो गाड़ियों को रोका और 1.85 क्विंटल डोडा पोस्त जब्त किया। महानिरीक्षक (एटीएस) विकास कुमार ने बताया, जब्त सामग्री की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 28 लाख रुपये है। उन्होंने बताया कि दो गाड़ियां जब्त की गईं और गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान जितेंद्र उर्फ जीतू (29) और जितेंद्र सिंह (30) के रूप में हुई है। अधिकारी ने बताया कि ये दोनों मध्यप्रदेश के नीमच जिले के रहने वाले हैं। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ज्यादा मुनाफे के लिए इस डोडा पोस्त की मध्यप्रदेश से राजस्थान में तस्करी कर रहे थे।

फैक्टरी में करोड़ों रुपये की चोरी का खुलासा, तीन लोग गिरफ्तार

आगरा: उत्तर प्रदेश के आगरा-मथुरा राजमार्ग पर स्थित 'रोजर शू इंडस्ट्रीज लिमिटेड' में हुई चोरी का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने आरोपियों के पास से करीब 7.70 करोड़ रुपये मूल्य का सोना, हीरे, चांदी और नकदी बरामद की। 'रोजर इंडस्ट्रीज' अरतौनी के मालिक दीपक बुद्धिराजा ने 19 जनवरी को सिकंदरा थाना में सूचना दी थी कि पहली मंजिल का गेट टूटा हुआ है और अलमारियों के ताले भी टूटे पड़े हैं। अधिकारी ने बताया कि सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने पाया कि फैक्टरी के लॉकर में रखी नकदी और भारी मात्रा में कीमती जेवरात चोरी हो चुके हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपियों से 66 लाख रुपये से ज्यादा नकद और 7.70 करोड़ रुपये के गहने बरामद किए गए। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों की पहचान अनुपम शर्मा, अनुराग शर्मा और संजय सिंह उर्फ संजू के रूप में हुई है तथा ये सभी आगरा के रहने वाले हैं। पुलिस ने बताया कि तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया जबकि आरोपी अनुराग शर्मा के खिलाफ पहले से ही एक मामला दर्ज है।

बिहार को आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के कार्यान्वयन में प्रथम स्थान

पटना: बिहार को प्रदेश के सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में आयोजित राष्ट्रीय समीक्षा बैठक में यह घोषणा की गयी। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी बयान में बताया गया कि राज्य में नवंबर 2023 में मुख्यमंत्री डिजिटल स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत सभी के लिए बिहार स्वास्थ्य अनुप्रयोग दूरदर्शी योजना (भव्या) नामक एक स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली (एचएमआईएस) की शुरुआत की गई थी। बयान के मुताबिक, इस दूरगामी परिकल्पना को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निर्देश और स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय के मार्गदर्शन में वर्तमान मुख्य सचिव एवं तत्कालीन स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत द्वारा तैयार किया गया था। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, भव्या प्रणाली को राज्य के सभी 594 सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों (जिला अस्पताल से लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक) सफलतापूर्वक लागू किया गया है। विभाग ने बताया कि इस प्रक्रिया में जिला से लेकर प्रखंड स्तर तक निरंतर वास्तविक समय निगरानी सुनिश्चित की गई और इससे सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में एक सुव्यवस्थित व प्रभावी कागज रहित स्वास्थ्य प्रणाली स्थापित हुई। विभाग ने बयान में बताया कि इन निरंतर प्रयासों का परिणाम है कि बिहार अब देश के सर्वोच्च राज्यों में शामिल है, जहां सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन अनुरूप 'भव्या' का सफल कार्यान्वयन सुनिश्चित किया गया है। बयान के अनुसार, इस पहल के तहत 'स्कैन एंड शेयर' में अब तक 5.21 करोड़ टोकन सृजित कर बिहार ने देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं राज्य में अब तक 6.80 करोड़ आभा पहचान पत्र बनाए जा चुके हैं।

सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिंद फौज की स्थापना कर आजादी के आंदोलन को नयी दिशा दी: आदित्यनाथ

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि नेताजी ने आजाद हिंद फौज की स्थापना कर आजादी के आंदोलन को नयी दिशा दी। योगी आदित्यनाथ ने यहां एक समारोह में नेताजी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उपस्थित लोगों को संबोधित किया। इससे पहले उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''भारत माता के सच्चे सपूत, 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' महाघोष के प्रणेता 'नेताजी' ने आजाद हिंद फौज की स्थापना कर आजादी के आंदोलन को नयी दिशा दी। आपका शौर्य, पराक्रम एवं मां भारती की नि:स्वार्थ आराधना वंदनीय है।'' आदित्यनाथ ने कहा, 'ऐसे महान राष्ट्र आराधक 'नेताजी' सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि एवं प्रदेश वासियों को 'पराक्रम दिवस' की हार्दिक शुभकामनाएं। जय हिंद!' इस बीच लखनऊ में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सुभाष चंद्र बोस का जीवन, व्यक्तित्व और कार्य हर भारतीय को साहस, संकल्प और मुश्किलों का सामना करने की अटूट भावना से प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा, जब भी हम नेताजी सुभाष चंद्र बोस का नाम लेते हैं, तो मन में सम्मान और गर्व की भावना आती है, साथ ही यह दृढ़ संकल्प भी होता है कि सबसे कठिन परिस्थितियों में भी देश विरोधी ताकतों के सामने कभी नहीं झुकेंगे। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ऐसे समय में जब महात्मा गांधी के नेतृत्व में स्वतंत्रता आंदोलन एक निर्णायक मोड़ ले रहा था, बोस क्रांतिकारी राष्ट्रवाद के मशाल वाहक के रूप में उभरे और संघर्ष में नई ऊर्जा भर दी। उन्होंने कहा कि नेताजी का योगदान सिर्फ भारत तक ही सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने जर्मनी और जापान सहित दुनिया भर में देश की आज़ादी के लिए समर्थन जुटाया। आदित्यनाथ ने कहा, नेताजी का हर शब्द आजादी के आंदोलन में बदल गया। उनकी विरासत हर भारतीय के लिए अविस्मरणीय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी जयंती उनके अद्वितीय योगदान को याद करने और राज्य सरकार और उत्तर प्रदेश के लोगों की ओर से सामूहिक आभार व्यक्त करने का अवसर प्रदान करती है। योगी आदित्यनाथ और उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक समेत अन्य अतिथियों का आयोजकों ने स्वागत किया। योगी आदित्यनाथ ने नेताजी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

पंजाब और हरियाणा में बारिश से सूखे का दौर खत्म, किसानों के खिले चेहरे, जनजीवन प्रभावित

चंडीगढ़: पंजाब और हरियाणा में शुक्रवार को हुई व्यापक वर्षा के साथ ही लंबे समय से चला आ रहा सूखे का दौर खत्म हो गया। इससे किसानों के चेहरे तो खिल गए लेकिन कुछ इलाकों में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। कुछ स्थानों पर बारिश के साथ तेज हवाएं भी चलीं जिससे कुछ समय के लिए बिजली आपूर्ति बाधित रही। थाना प्रभारी (एसएचओ) मनिंदर सिंह ने बताया कि भारी बारिश के बीच मनीमाजरा में एक घर की छत ढहने से 16, 15 और 11 वर्षीय तीन लड़के घायल हो गए। एसएचओ ने बताया कि घायलों को अस्पताल ले जाया गया है और फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण पेड़ उखड़ने की भी कुछ घटनाएं सामने आईं। एक बड़ा पेड़ एक बुजुर्ग दंपत्ति के घर के बरामदे में गिर गया। हालांकि वे बाल-बाल बच गए।

हर कदम पर युवाओं के साथ खड़ी है राजस्थान सरकार: मुख्यमंत्री शर्मा

जयपुर, 23 जनवरी (भाषा) राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि युवा शक्ति किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी होती है और देश-प्रदेश की तरक्की में युवाओं की निर्णायक भूमिका है। उन्होंने कहा, राज्य सरकार हर कदम पर राज्य के विद्यार्थियों व युवाओं के साथ खड़ी है और वे पूरी लगन एवं मेहनत से पढ़ाई करें, नवाचार करें तथा योजनाओं का लाभ उठाकर अपने सपनों को साकार करें। शर्मा, बसंत पंचमी एवं नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती के अवसर पर 'कॉमर्स कॉलेज' में सरस्वती वंदन, युवा संवाद एवं 'मेगा पीटीएम' को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर राजकीय महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए जयपुर में विदेशी भाषा संचार कौशल स्कूल खोलने की घोषणा भी की। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं की शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार और स्वरोजगार के लिए अनेक तरह के प्रोत्साहन दे रही है। उन्होंने कहा, एक लाख से अधिक पदों पर नियुक्तियां प्रदान की गई हैं, विभिन्न संवर्गों के एक लाख 43 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन हैं और एक लाख सरकारी पदों की भर्ती परीक्षा का कैलेंडर जारी किया गया है। आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए हमारी सरकार निरंतर नई नीतियों, योजनाओं और नवाचारों पर काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा, आज बेटियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। राज्य सरकार बालिकाओं के जन्म से लेकर उन्हें सम्मानजनक, सुरक्षित और आत्मनिर्भर जीवन देने के लिए हर कदम पर उनके साथ है।

समृद्धि यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ने 853 करोड़ रुपये की योजनाओं की शुरुआत की

मुजफ्फरपुर: बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को 'समृद्धि यात्रा' के दौरान मुजफ्फरपुर जिले में लगभग 853 करोड़ रुपये की लागत वाली विकास योजनाओं की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने यात्रा के दौरान जिले में जारी विकास परियोजनाओं की समीक्षा भी की। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने मुजफ्फरपुर जिले के लिए 194 करोड़ रुपये की लागत की 89 योजनाओं का शिलान्यास किया और 212 करोड़ रुपये की 47 योजनाओं का उद्घाटन किया। नीतीश ने इसके अलावा लगभग 450 करोड़ रुपए की परियोजनाओं की भी शुरुआत की और अहियापुर प्रखंड में कृषि उपज बाजार समिति (एपीएमसी) के नवीनीकृत परिसर का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने बड़ी संख्या में एकत्रित 'जीविका दीदियों' से भी संवाद किया। राज्य सरकार, बिहार ग्रामीण आजीविका संवर्धन सोसायटी (बीआरएलपीएस) के माध्यम से विश्व बैंक पोषित बिहार ग्रामीण आजीविका परियोजना को लागू कर रही है, जिसे 'जीविका' के नाम से जाना जाता है।

मुख्यमंत्री नीतीश सरस्वती पूजा समारोह में हुए शामिल

पटना: बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शुक्रवार को पूर्व मुख्य सूचना आयुक्त ए. के. सिन्हा के घर पर आयोजित सरस्वती पूजा समारोह में शामिल हुए और मां सरस्वती की पूजा की। मुख्यमंत्री इसके बाद 10, स्ट्रैंड रोड पर आयोजित सरस्वती पूजा समारोह में भी शामिल हुए। उन्होंने वसंत पंचमी और सरस्वती पूजा के अवसर पर प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री कुमार ने 'द पंचे कौटिल्य' होटल का उद्घाटन कर इसका निरीक्षण किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

न्यूज अपडेट

आरएसएस प्रमुख भागवत दो दिवसीय झारखंड दौरे पर रांची पहुंचे

रांची: राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत दो दिवसीय झारखंड दौरे के तहत शुक्रवार को रांची पहुंचे। वह अपने राज्य प्रवास के दौरान संगठनात्मक बैठकों में हिस्सा लेंगे और आदिवासी समूहों के साथ बातचीत करेंगे। आरएसएस के एक पदाधिकारी ने यह जानकारी दी। संघ पदाधिकारी ने बताया, 'झारखंड की राजधानी की अपनी यात्रा के दौरान, भागवत शनिवार को विभिन्न आदिवासी समूहों और उनके प्रतिनिधियों के साथ 'जनजातीय संवाद' शीर्षक से एक बंद कमरे में बैठक करेंगे। इस बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के नेताओं सहित लगभग 500 लोग उपस्थित रहेंगे।' भागवत शुक्रवार शाम को आरएसएस कार्यकर्ताओं और नेताओं से मुलाकात करेंगे। आरएसएस प्रमुख का शनिवार शाम को पटना जाने का कार्यक्रम है।

जमशेदपुर चिड़ियाघर ने जनभागीदारी के माध्यम से बाघ के शावकों का नामकरण किया

जमशेदपुर: पिंजरे में बंद जानवरों के साथ जनता की सहभागिता बढ़ाने की पहल के तहत जमशेदपुर चिड़ियाघर ने एक जनभागीदारी कार्यक्रम के माध्यम से बाघ के दो शावकों का नामकरण किया। प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। बाघिन मेघना ने 27 नवंबर को दो मादा शावकों को जन्म दिया था। बीते 10 जनवरी को शुरू हुई चार दिवसीय सार्वजनिक नामकरण प्रक्रिया के बाद शावकों का नाम 'तारा' और 'सारा' रखा गया। टाटा स्टील जूलॉजिकल पार्क (टीएसजेडपी) के उप निदेशक नईम अख्तर ने पीटीआई-भाषा को बताया कि पहले चिड़ियाघर के जानवरों का नामकरण अधिकारियों द्वारा किया जाता था। उन्होंने कहा, हालांकि, लोगों की बढ़ती रुचि को देखते हुए, हमने इस प्रक्रिया में नागरिकों को शामिल करने का निर्णय लिया। यह दूसरी बार है जब जानवरों का नाम रखने की प्रक्रिया में लोगों को भी शामिल किया गया।

झारखंड के हजारीबाग में एक करोड़ रुपये की अफीम जब्त, तीन गिरफ्तार

हजारीबाग: झारखंड के हजारीबाग जिले में एक करोड़ रुपये मूल्य की अफीम जब्त की गई है और इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सूचना मिलने पर बृहस्पतिवार को लोहसिंघना थाना क्षेत्र के कोलगाटी के पास एक मोटरसाइकिल को रोका और उस पर लदी अफीम को जब्त कर लिया। अनुमंडल पुलिस अधिकारी(एसडीपीओ)- मुख्यालय अमित कुमार आनंद ने बताया, ''तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से 20.5 किलोग्राम अफीम जब्त की गई है। इसका बाजार मूल्य लगभग एक करोड़ रुपये होने का अनुमान है।'

बदायूं में हिंदू बस्ती से बिना अनुमति जुलूस निकालने पर प्राथमिकी दर्ज,सात लोग गिरफ्तार

बदायूं (उप्र): बदायूं जिले के फैजगंज बेहटा थाना क्षेत्र में मुस्लिम समाज के लोगों द्वारा कथित तौर पर हिंदू बस्ती से होकर चादर जुलूस निकालने पर हंगामा हो गया। पुलिस ने बताया कि बिना अनुमति जुलूस निकाले जाने को लेकर नगर पंचायत अध्यक्ष समेत नौ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करके सात आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) बृजेश कुमार सिंह ने बताया है कि कस्बा फैजगंज बेहटा की रहने वाली एक महिला का बच्चा बीमार था, जिसके ठीक होने के लिए दिल्ली स्थित निजामुद्दीन औलिया दरगाह पर चादर पोशी करने और समाज के लोगों को खाना खिलाने की सलाह दी गई थी। इसी सलाह के तहत चादर जुलूस निकाला गया था। सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार को महिला के परिजन और समुदाय विशेष के लोग चादर जुलूस निकाल रहे थे, लेकिन बिना अनुमति के हिंदू बस्ती से होकर चादर जुलूस निकालने पर दूसरे पक्ष के लोगों ने विरोध जताया। हिंदू बस्ती के लोगों ने बिना अनुमति निकाले जा रहे चादर जुलूस पर आपत्ति जताते हुए मामले की सूचना पुलिस को दी। एसएसपी कहा कि तनाव की स्थिति को देखते हुए तत्काल पुलिस ने जुलूस को रोक दिया। एसएसपी ने बताया कि फैजगंज बेहटा नगर पंचायत के अध्यक्ष इसरार अली समेत नौ लोगों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। एसएसपी ने कहा कि सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है और अध्यक्ष सहित अन्य की तलाश की जा रही है। उन्होंने कहा कि शांति व्यवस्था बिगाड़ने वालों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि आज जुमे की नमाज को लेकर विशेष सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है और आसपास के कई थानों की पुलिस व पीएसी को मौके पर भेजा गया है।

बिहार में गंगा सहित सात घोषित राष्ट्रीय जलमार्गों का होगा विकास: परिवहन मंत्री कुमार

पटना: बिहार के परिवहन मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि राज्य में गंगा सहित सात घोषित राष्ट्रीय जलमार्गों का विकास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस योजना से जहां एक ओर अंतरदेशीय व्यापार को बल मिलेगा और नए रोजगार सृजित होंगे, वहीं दूसरी ओर पुलों पर भीड़ कम होगी, सड़कें क्षतिग्रस्त नहीं होंगी तथा प्रदूषण भी घटेगा। परिवहन मंत्री शुक्रवार को कोच्चि में अंतरदेशीय जलमार्ग विकास परिषद (आईडब्ल्यूडीसी) की तीसरी बैठक में बिहार की जलमार्ग क्षमताओं और भविष्य की संभावनाओं पर राज्य का पक्ष रख रहे थे। उन्होंने बताया कि राज्य के सोनपुर के कालुघाट पर विकसित 'मल्टीमॉडल टर्मिनल' प्रतिवर्ष 77 हजार कंटेनरों के आवाजाही की क्षमता रखता है, यहां दो मालवाहक जहाज एक साथ ठहर सकते हैं। मंत्री ने कहा कि कंटेनरों को सुरक्षित रखने, वजन मापने और जल-रेल-सड़क को जोड़ने की सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिससे माल ढुलाई का समय और लागत दोनों कम हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि कालुघाट में लॉजिस्टिक पार्क की बुनियादी संरचना निर्माणाधीन है, जिससे सुरक्षित भंडारण की सुविधा भी जल्द शुरू होगी। कुमार ने कहा कि राज्य सरकार सागरमाला योजना के तहत अंतरदेशीय जलमार्गों को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि पत्तन, जहाजरानी व जलमार्ग मंत्रालय, अंतरदेशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) और राष्ट्रीय अंतरदेशीय नौवहन संस्थान (निनि) के साथ मिलकर बिहार में बंदरगाह भूमि (पोर्ट लैंड) विकसित किए जाएंगे। मंत्री ने कहा कि इसके तहत टर्मिनल निर्माण, कनेक्टिविटी, औद्योगीकरण और कौशल विकास पर विशेष जोर दिया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि बिहार में अंतरदेशीय जल परिवहन विभाग का पुनर्गठन कर 'बिहार मैरीटाइम बोर्ड' बनाने की योजना है। उन्होंने कहा कि आरओ-आरओ टर्मिनल, क्रूज टर्मिनल, वाटर मेट्रो, लॉजिस्टिक हब, औद्योगिक क्लस्टर और मैरीटाइम जोन का विकास पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर किया जाएगा। कुमार ने कहा कि राज्य में कौशल विकास के लिए अंतरदेशीय जहाज नौवहन प्रशिक्षण संस्थान (निनि) के मार्गदर्शन में बक्सर, भागलपुर और दरभंगा में प्रशिक्षण केंद्र खोले जाएंगे।

झारखंड और दो अन्य राज्यों के संयुक्त अभियान में 60 से अधिक शिकारी गिरफ्तार: अधिकारी

मेदिनीनगर: झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ के वन अधिकारियों द्वारा पिछले साल नवंबर से इस साल 20 जनवरी के बीच चलाए गए एक संयुक्त अभियान के दौरान वन्यजीव अपराधों में कथित रूप से लिप्त कुल 61 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। पलामू बाघ अभयारण्य के उप निदेशक प्रजेश जेना ने पत्रकारों को बताया कि यह अभियान तीनों राज्यों के संरक्षित क्षेत्रों में चलाया गया था। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान टीम ने तीन देशी हथियारों के अलावा जहरीले सांप का जहर, हिरण और तेंदुए की खाल तथा लगभग 60 किलोग्राम पैंगोलिन के शल्क भी बरामद किए हैं। जेना ने बताया कि इस अभियान में बिहार, छत्तीसगढ़ और झारखंड के प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) स्तर के अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया। जेना के अनुसार, दक्षिण एशिया के कुछ हिस्सों में वन्यजीव से बने उत्पादों की मांग अधिक है, जहां इन उत्पादों का कथित तौर पर उपयोग औषधीय उद्देश्यों के लिए किया जाता है। उन्होंने कहा कि मध्य भारतीय वन गलियारों से भी वन्यजीव अपराध होने की खबरें आती हैं इसलिए इनके संरक्षण के लिए कड़े कदम उठाना जरूरी है।

बसंत पंचमी पर 3.56 करोड़ श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई

प्रयागराज: प्रयागराज में जारी माघ मेले में शुक्रवार को बसंत पंचमी स्नान पर्व पर 3.56 करोड़ श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई। प्रयागराज मेला प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि कल (बृहस्पतिवार) रात 12 बजे से ही लोगों का संगम क्षेत्र में आगमन व स्नान जारी है और आज (शुक्रवार को) बसंत पंचमी पर 3.56 करोड़ श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में आस्था की डुबकी लगाई। मेलाधिकारी ऋषिराज ने बताया कि मेला क्षेत्र के सभी घाटों पर श्रद्धालुओं का अपार जनसैलाब मौजूद रहा। नियंत्रण कक्ष के माध्यम से श्रद्धालुओं के आवागमन पर नजर रखी गई। पूरे मेला क्षेत्र में 400 से अधिक कैमरे क्रियाशील हैं। उन्होंने कहा कि साथ ही रेलवे स्टेशनों और बस स्टैंडों की भी निगरानी की गई तथा सभी जगहों पर पुलिस प्रशासन के कर्मचारी अधिकारी तैनात हैं। उत्तर मध्य रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी अमित मालवीय ने बताया कि बसंत पंचमी पर्व पर प्रयागराज मंडल द्वारा यात्रियों की अतिरिक्त आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए 22 मेला विशेष गाड़ियों का संचालन किया गया। तीर्थ पुरोहित राजेंद्र मिश्रा ने कहा कि चूंकि प्रयागराज में गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती का वास है, इसलिए यहां बसंत पंचमी स्नान का विशेष महत्व है। बसंत पंचमी पर पीला वस्त्र धारण करने, पीली वस्तुओं का दान करने का विधान है। उन्होंने कहा कि बसंत पंचमी के दिन से ही ऋतु परिवर्तन का एहसास जनमानस को होने लगता है और लोग गुलाल आदि लगाकर इसे उत्सव के रूप में मनाते हैं। मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने बताया कि माघ मेला 800 हेक्टेयर क्षेत्र में सात सेक्टरों में लगाया गया है। मेला क्षेत्र में 25,000 से अधिक शौचालय बनाए गए हैं और 3500 से अधिक सफाईकर्मी तैनात हैं। उन्होंने बताया कि छोटी अवधि का कल्पवास करने के इच्छुक लोगों के लिए माघ मेला में टेंट सिटी बनाई गई है जहां ध्यान व योग आदि की सुविधाएं मौजूद हैं। श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए बाइक टैक्सी और गोल्फ कार्ट की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। पुलिस अधीक्षक (माघ मेला) नीरज पांडेय ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम आवागमन के लिए पूरे मेला क्षेत्र में 10,000 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात हैं। उन्होंने कहा कि भीड़ प्रबंधन एवं सुगम यातायात को ध्यान में रखते हुए इस बार 42 अस्थायी पार्किंग हैं जिनमें लगभग एक लाख से अधिक वाहन खड़े हो सकेंगे। उन्होंने बताया कि माघ मेला 2025-26 में कुल 12,100 फुट लंबे घाटों का निर्माण किया गया है जिनमें सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं।

बंगाल में बीएलओ की आत्महत्या से जुड़े मामलों के लिए टीएमसी सरकार जिम्मेदार: मंगल पांडेय

पटना: बिहार सरकार में मंत्री मंगल पांडेय ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल में बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) की आत्महत्याओं के लिए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को जिम्मेदार ठहराया और दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ममता बनर्जी की घुसपैठियों की सरकार की जगह अपनी सरकार बनाएगी। पांडेय, पश्चिम बंगाल के लिए भाजपा के प्रभारी हैं। पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया जारी है, जहां कुछ महीनों में 294 सदस्यीय विधानसभा का चुनाव होना है। एसआईआर से जुड़े कार्य के कथित दबाव की वजह से कई बीएलओ ने कथित तौर पर आत्महत्या की है। पांडेय ने संवाददाताओं से बात करते हुए आरोप लगाया, ममता दीदी पूरे सरकारी तंत्र को झोंककर और अधिकारियों को टीएमसी के फायदे में काम करने के लिए मजबूर कर एसआईआर प्रक्रिया को रोकने की कोशिश कर रही हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में बीएलओ ममता बनर्जी शासन द्वारा बनाए गए अनुचित दबाव के कारण आत्महत्या कर रहे हैं।

वाराणसी में कफ सिरप मामले के मुख्य आरोपी की 28 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क

वाराणसी/सोनभद्र (उप्र): उत्तर प्रदेश की सोनभद्र जिला पुलिस ने कोडीनयुक्त कफ सिरप के अवैध कारोबार मामले में शुक्रवार को प्रमुख आरोपी भोला जायसवाल की वाराणसी स्थित करीब 28 करोड़ 50 लाख रुपये की संपत्ति कुर्क कर ली। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, सोनभद्र नगर के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) रणधीर मिश्रा के नेतृत्व में वाराणसी में तीन अलग-अलग स्थानों पर स्थित संपत्तियों को कुर्क किया गया। आरोपी फिलहाल सोनभद्र जिला कारागार में बंद है। मिश्रा ने बताया कि वाराणसी के थाना आदमपुर अंतर्गत प्रहलाद घाट कायस्थ टोला निवासी जायसवाल को विदेश भागने की कोशिश के दौरान कोलकाता हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया था और गिरफ्तारी के बाद से ही वह जेल में बंद है। पुलिस के अनुसार, विशेष जांच टीम (एसआईटी) द्वारा की गई विवेचना में सामने आया कि आरोपी ने कोडीनयुक्त कफ सिरप के अवैध कारोबार के लिए एक संगठित सिंडिकेट का संचालन किया, जिससे उसने करीब 28.50 करोड़ रुपये की अवैध संपत्ति अर्जित की। जांच में संपत्तियों की पहचान के बाद अदालत से अनुमति लेकर कुर्की की कार्रवाई की गई। सोनभद्र के पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने बताया कि अदालत ने पर्याप्त साक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए बृहस्पतिवार को कुर्की का आदेश जारी किया था। उन्होंने कहा कि इसके बाद क्षेत्राधिकारी रणधीर कुमार मिश्रा के नेतृत्व में टीम वाराणसी में कार्रवाई के लिए अधिकृत की गई। वर्मा ने कहा कि वाराणसी के जिलाधिकारी के निर्देशानुसार उपजिलाधिकारी पिंडरा, वाराणसी एवं क्षेत्राधिकारी नगर, सोनभद्र के नेतृत्व में आज उक्त कार्यवाही की गई।

द्रमुक सरकार को विदाई देने का समय आ गया है : प्रधानमंत्री मोदी

चेन्नई : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तमिलनाडु में अगले कुछ महीनों में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रचार अभियान की शुरुआत करते हुए शुक्रवार को कहा कि राज्य में ''भ्रष्ट'' द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार को विदाई देने का समय आ गया है। उनकी टिप्पणियों पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु राजग के धोखे को भूला नहीं है। तमिलनाडु में राजग के चुनाव प्रचार की शुरुआत के लिए चेन्नई के नजदीक मदुरांतकम जाने से पहले प्रधानमंत्री ने कहा कि राजग के शासन का रिकॉर्ड और क्षेत्रीय आकांक्षाओं को लेकर उसकी प्रतिबद्धता राज्य की जनता के दिलों को छू रही है। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''तमिलनाडु राजग के साथ है। मैं आज बाद में मदुरांतकम में आयोजित रैली में राजग नेताओं के साथ शामिल होऊंगा। तमिलनाडु ने तय कर लिया है कि भ्रष्ट द्रमुक सरकार को विदाई देने का समय आ गया है। राजग के शासन का रिकॉर्ड और क्षेत्रीय आकांक्षाओं को लेकर उसकी प्रतिबद्धता राज्य की जनता के दिलों को छू रही है।''

प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए स्टालिन ने कहा कि मोदी राज्य का दौरा केवल चुनाव के समय ही करते हैं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा, तमिलनाडु राजग के धोखे को जानता है। प्रधानमंत्री मोदी अक्सर सिर्फ चुनाव के समय ही तमिलनाडु आते हैं...। उन्होंने प्रधानमंत्री से पूछा कि राज्य को 3,458 करोड़ रुपये की समग्र शिक्षा निधि कब मिलेगी, यह कब घोषित किया जाएगा कि परिसीमन में तमिलनाडु की सीटें कम नहीं होंगी, और भाजपा के एजेंट की तरह काम करने वाले राज्यपाल की अराजकता आखिर कब खत्म होगी। स्टालिन ने प्रधानमंत्री मोदी से पूछा कि तमिल भाषा के प्रचार के लिए केंद्र से तमिलनाडु को अलग से वित्तीय सहायता कब मिलेगी, 'मनरेगा' को कब बहाल किया जाएगा, मदुरै में एम्स परियोजना कब शुरू होगी और अन्य लंबित परियोजनाओं के लिए राशि कब दी जाएगी। उन्होंने कहा, तमिलनाडु हर बार भाजपा के उस गठबंधन को हराएगा, जो केवल धोखा देता रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को मदुरांतकम में आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के चुनाव प्रचार अभियान की औपचारिक शुरुआत करेंगे। राजग के प्रमुख घटक दल ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव ई.के. पलानीस्वामी सहित गठबंधन के वरिष्ठ नेता इस विशाल चुनावी रैली में भाग लेंगे। इस दौरान मोदी, राज्य में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार के खिलाफ आक्रामक चुनाव अभियान की दिशा और माहौल तय कर सकते हैं।

केरल में बदलाव होगा, लोगों ने भाजपा पर भरोसा जताया है

तिरुवनंतपुरम : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम में चार दशकों से अधिक के वामपंथी शासन का अंत करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत की प्रशंसा की और विश्वास व्यक्त किया कि आगामी विधानसभा चुनावों में केरल में बदलाव देखने को मिलेंगे। यहां पार्टी द्वारा आयोजित एक विशाल रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने याद दिलाया कि गुजरात में भाजपा का सत्ता में आना लगभग चार दशक पहले एक शहर में जीत हासिल करने से शुरू हुआ था। उन्होंने कहा कि केरल में भी ऐसा ही होगा। उन्होंने कहा कि 1987 से पहले भाजपा गुजरात में हाशिए पर पड़ी एक पार्टी थी और उसे शायद ही कोई मीडिया कवरेज मिलती थी। प्रधानमंत्री ने कहा, ''1987 में भाजपा ने पहली बार अहमदाबाद नगर निगम पर नियंत्रण हासिल किया था, ठीक उसी तरह जैसे पार्टी ने हाल ही में तिरुवनंतपुरम में जीत हासिल की है। तब से गुजरात की जनता ने हमें सेवा करने का अवसर सौंपा है और हम दशकों से ऐसा करते आ रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमारी यात्रा गुजरात के एक शहर से शुरू हुई थी, और इसी तरह केरल में भी हमारी शुरुआत एक शहर से हुई है। मेरा मानना है कि यह दर्शाता है कि केरल के लोग भाजपा पर भरोसा जताने लगे हैं और उसी तरह हमसे जुड़ रहे हैं जैसे कभी गुजरात के लोग जुड़े थे।''

दक्षिण भारत में रेल संपर्क को मजबूत करने के लिए मोदी ने तीन अमृत भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई

तिरुवनंतपुरम : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को तीन अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन की ऑनलाइन माध्यम से हरी झंडी दिखाकर शुरुआत की। ये ट्रेन साप्ताहिक होंगी और केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश जैसे दक्षिणी राज्यों में अंतर-राज्यीय संपर्क को बढ़ावा देंगी। रेल मंत्रालय ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आम यात्रियों के लिए वाणिज्यिक परिचालन और किराए की जानकारी रेलवे द्वारा आने वाले दिनों में अलग से दी जाएगी। उन्होंने बताया कि इन तीन रेलगाड़ियों का परिचालन शुरू होने से अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन की कुल संख्या बढ़कर 27 हो गई है। दक्षिणी रेलवे के अधिकारियों ने बताया, ''केरल में अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन पहली बार शुरू की जा रही है। तिरुवनंतपुरम सेंट्रल-तांबरम और तिरुवनंतपुरम नॉर्थ-चर्लपल्ली नामक दो साप्ताहिक ट्रेन राज्य की राजधानी से चलेंगी और केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे दक्षिणी राज्यों के बीच मजबूत रेल संपर्क स्थापित करेंगी।''

बारिश के बीच गणतंत्र दिवस परेड के लिए 'फुल ड्रेस रिहर्सल' संपन्न, फ्लाईपास्ट नहीं हो पाया

'ऑपरेशन सिंदूर' की थीम वाली झांकी भारत की 'गहराई तक हमला करने' की क्षमता को प्रदर्शित करेगी

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय राजधानी में 77वीं गणतंत्र दिवस परेड के लिए शुक्रवार को बारिश के बीच 'फुल ड्रेस रिहर्सल' किया गया। बारिश की वजह से पूर्वाभ्यास में थोड़ा विलंब हुआ और सैन्य कर्मियों और कलाकारों ने भीगते हुए कर्तव्य पथ पर मार्च किया। अधिकारियों ने बताया कि खराब मौसम के मद्देनजर फ्लाईपास्ट और परेड के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के कुछ हिस्सों का पूर्वाभ्यास नहीं किया जा सका। उन्होंने बताया कि परेड का 'फुल ड्रेस रिहर्सल' पूर्वाह्न करीब 10:30 बजे से पूर्वाह्न 11:45 के बीच हुआ। हर साल फुल ड्रेस रिहर्सल के दिन भी दर्शकों की भारी भीड़ देखने को मिलती है जिसके लिए अधिकारिक पास जारी किये जाते हैं। हालांकि, खराब मौसम के कारण शुक्रवार को दर्शक दीर्घाओं में सन्नाटा पसरा रहा। बारिश की बौछारों ने शहर के कुछ हिस्सों में यातायात को भी बाधित कर दिया, लेकिन इससे मार्च करने वाले दल के सदस्यों का उत्साह कम नहीं हुआ। परेड के मार्ग, विजय चौक से लाल किले तक विभिन्न हथियार प्रणालियों के साथ सैन्यकर्मी मार्च करते हुए निकले, और भीगने के बावजूद उन्होंने उच्च मनोबल और जोश का प्रदर्शन किया। गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेने वाली सेना की टुकड़ियों में से एक के कमांडर ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''बारिश हुई और ठंड एक चुनौती थी। लेकिन मुझे लगता है कि हम सभी के भीतर का जोश हमें उत्साहित करता है क्योंकि हमें कर्तव्य पथ पर अपनी सेवा या किसी मंत्रालय या संगठन का प्रतिनिधित्व करने का सम्मान प्राप्त हुआ है।'' परेड के मुख्य आकर्षणों में से एक, फ्लाईपास्ट देखने के लिए विशेष रूप से आए कई दर्शक निराश हुए। हालांकि, कुछ लोगों ने कहा कि वे भारत की सैन्य शक्ति और सांस्कृतिक विरासत के भव्य प्रदर्शन को देखकर भी संतुष्ट हैं। गणतंत्र दिवस परेड में ब्रह्मोस और आकाश मिसाइल प्रणालियों के साथ-साथ कई स्वदेशी हथियारों का प्रदर्शन किया जाएगा। रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने पहले बताया था कि पारंपरिक प्रथा के तहत दर्शक दीर्घाओं के लिए 'वीवीआईपी' और अन्य नामों का प्रयोग किया जाता था लेकिन इससे हटकर इस बार सभी स्थानों का नाम भारतीय नदियों के नाम पर रखा गया है। उन्होंने बताया कि इनमें ब्यास, ब्रह्मपुत्र, चंबल, चिनाब, गंडक, गंगा, घाघरा, गोदावरी, सिंधु, झेलम, कावेरी, कोसी, कृष्णा, महानदी, नर्मदा, पेन्नार, पेरियार, रावी, सोन, सतलुज, तीस्ता, वैगई और यमुना शामिल हैं।

दिल्ली की सुरक्षा के लिए एआई स्मार्ट चश्मे और 30,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती

राष्ट्रीय राजधानी में गणतंत्र दिवस समारोह के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था के लिए 30,000 से अधिक पुलिसकर्मियों और अर्द्धसैनिक बलों की 70 से अधिक कंपनियों को तैनात किया जाएगा। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक सुरक्षा बल के जवान पहली बार कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से लैस स्मार्ट चश्मे का इस्तेमाल करेंगे जो चेहरे की पहचान प्रणाली (एफआरएस) और थर्मल इमेजिंग तकनीक से लैस होंगे। भारत में निर्मित यह स्मार्ट चश्मे वास्तविक समय में अपराधियों, संदिग्धों और घोषित अपराधियों के पुलिस डेटाबेस से जुड़े होंगे। इससे जमीनी स्तर पर तैनात सुरक्षाकर्मियों को भीड़भाड़ वाले इलाकों में व्यक्तियों की तुरंत पहचान करने में मदद मिलेगी।

न्यूज इन ब्रीफ

ओडिशा: बालासोर में मालगाड़ी के तीन डिब्बे पटरी से उतरे, कोई हताहत नहीं

भुवनेश्वर : ओडिशा के बालासोर जिले में शुक्रवार को एक मालगाड़ी के तीन डिब्बे पटरी से उतर गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना दक्षिण पूर्व रेलवे के भद्रक-खड़गपुर खंड पर स्थित रुप्सा स्टेशन पर सुबह करीब 10 बजे हुई। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। उन्होंने बताया कि मालगाड़ी सीमेंट और उर्वरक उतारने के बाद रुप्सा स्टेशन से खड़गपुर की ओर रवाना हुई और इसी दौरान उसके तीन डिब्बे पटरी से उतर गए। इससे बालासोर जिले में जलेश्वर के पास स्थित इस रुप्सा स्टेशन से गुजरने वाली रेल सेवाएं प्रभावित हुईं। हालांकि, मरम्मत कार्य के बाद रेल सेवा फिर से बहाल कर दी गई और उतरे डिब्बों को वापस पटरी पर लाया गया।

कांग्रेस नेतृत्व ने केरल के नेताओं के साथ बैठक की, नाराज थरूर शामिल नहीं हुए

नयी दिल्ली : कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने केरल विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीति पर चर्चा के लिए शुक्रवार को राज्य से जुड़े वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक की, लेकिन सूत्रों के अनुसार राहुल गांधी तथा प्रदेश के कई अन्य नेताओं के व्यवहार से नाराजगी के चलते लोकसभा सदस्य शशि थरूर इसमें शामिल नहीं हुए। खरगे के आवास '10 राजाजी मार्ग' पर हुई बैठक में कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, प्रदेश प्रभारी दीपा दासमुंशी, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सनी जोसेफ, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी डी सतीशन, वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला तथा कई अन्य नेता शामिल हुए।

गोवा नाइटक्लब अग्निकांड: ईडी ने तीन राज्यों में छापे मारे

पणजी/नयी दिल्ली : गोवा के नाइटक्लब 'बर्च बाय रोमियो लेन' के प्रवर्तकों के खिलाफ धन शोधन का मामला दर्ज करने के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को गोवा, हरियाणा और दिल्ली में छापे मारे। इसी नाइटक्लब में पिछले साल दिसंबर में भीषण आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई थी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कम से कम नौ परिसरों पर तलाशी ली जा रही है जिनमें राजधानी दिल्ली के किंग्सवे कैंप में स्थित सौरभ और गौरव लूथरा बंधुओं के कार्यालय और आवास, हरियाणा के गुरुग्राम में तत्त्वम विला में सह-मालिक अजय गुप्ता का ठिकाना, इसके अलावा गोवा में अरपोरा-नागोआ के पूर्व सरपंच रोशन रेडकर और पंचायत सचिव रघुवीर बागकर के परिसर शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि जांचकर्ताओं ने कुछ परिसरों से कुछ दस्तावेज बरामद किए हैं।

मुर्मू ने भारत की 11 शास्त्रीय भाषाओं में पुस्तकों, पांडुलिपि के लिए 'ग्रंथ कुटीर' का उद्घाटन किया

नयी दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने औपनिवेशिक विरासत से छुटकारा पाने और भारत की 11 शास्त्रीय भाषाओं में लगभग 2,300 पुस्तकों और पांडुलिपियों के लिए एक समर्पित स्थान बनाने के राष्ट्रपति भवन के उपाय के तहत शुक्रवार को एक 'ग्रंथ कुटीर' का उद्घाटन किया। राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि इस संग्रह में तमिल, संस्कृत, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम, ओडिया, मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बांग्ला भाषाओं की रचनाएं शामिल हैं तथा यह भारत की समृद्ध सांस्कृतिक, दार्शनिक, साहित्यिक और बौद्धिक विरासत को प्रतिबिंबित करता है। इसमें कहा गया कि 'ग्रंथ कुटीर' में महाकाव्य, दर्शन, भाषा विज्ञान, इतिहास, शासन, विज्ञान और भक्ति साहित्य जैसे विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला वाली पांडुलिपियां और पुस्तकें हैं, साथ ही शास्त्रीय भाषाओं में भारत का संविधान भी है। इस संग्रह में ताड़ के पत्ते, कागज, छाल और कपड़े जैसी पारंपरिक सामग्रियों पर हस्तलिखित लगभग 50 पांडुलिपियां भी शामिल हैं। बयान के अनुसार, हाल तक यहां विलियम होगार्थ की मूल कृतियों की सूची, लॉर्ड कर्ज़न ऑफ केडलस्टन के भाषण, लॉर्ड कर्ज़न ऑफ केडलस्टन के प्रशासन का सारांश, लॉर्ड कर्ज़न का जीवन जैसी पुस्तकें रखी जाती थीं।

छत्तीसगढ़ में 47 लाख रुपये के इनामी नौ नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया

धमतरी (छत्तीसगढ़) : छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में शुक्रवार को 47 लाख रुपये के इनामी नौ नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। रायपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली ओडिशा के धमतरी-गरियाबंद-नुआपाड़ा संभाग के अंतर्गत आने वाली माओवादी कमेटी की नगरी और सीतानदी एरिया कमेटी तथा 'मैनपुर लोकल गुरिल्ला स्क्वाड' (एलजीएस) से संबंधित हैं, जिनमें सात महिलाएं भी शामिल हैं। माओवादियों ने यहां पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण किया और खोखली माओवादी विचारधारा पर निराशा व्यक्त की तथा वन जीवन की कठिनाइयों का भी उल्लेख किया। मिश्रा ने बताया कि माओवादी राज्य सरकार की आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति से प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों में से सीतानदी एरिया कमेटी की सचिव ज्योति उर्फ जैनी (28) और संभागीय समिति सदस्य उषा उर्फ बलम्मा (45) पर आठ-आठ लाख रुपये का इनाम था। मिश्रा ने बताया कि छह अन्य नक्सलियों रामदास मरकाम (30), रोनी उर्फ उमा (25), निरंजन उर्फ पोडिया (25), सिंधु उर्फ सोमादी (25), रीना उर्फ चिरो (25) और अमिला उर्फ सन्नी (25) पर पांच-पांच लाख रुपये का इनाम था, जबकि लक्ष्मी पुनेम (18) पर एक लाख रुपये का इनाम था। उन्होंने कहा कि बलम्मा तेलंगाना की रहने वाली है, जबकि अन्य नक्सली छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से हैं। मिश्रा ने कहा, ''इस घटनाक्रम के साथ, रायपुर पुलिस रेंज के अंतर्गत धमतरी और गरियाबंद जिलों के साथ-साथ ओडिशा के नुआपाड़ा जिले में सक्रिय सभी सूचीबद्ध नक्सली – निम्न से लेकर शीर्ष रैंक तक – या तो मारे गए हैं, आत्मसमर्पण कर चुके हैं या अब इस क्षेत्र में सक्रिय नहीं हैं।''

वसंत पंचमी : धार के विवादित परिसर में 'अखंड पूजा', जुमे की नमाज भी अदा

धार (मध्यप्रदेश) : वसंत पंचमी पर शुक्रवार को धार के भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद परिसर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हिंदू समुदाय के हजारों श्रद्धालुओं ने वाग्देवी (देवी सरस्वती) की सूर्योदय से लेकर सूर्यास्त तक लगातार पूजा-अर्चना की और विवादित परिसर के एक अन्य स्थान पर मुस्लिम समाज के करीब 15 लोगों ने जुमे की नमाज भी अदा की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 11वीं सदी के विवादित परिसर में उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के मुताबिक दोनों समुदायों के लिए अलग-अलग व्यवस्थाएं की गई थीं। वसंत पंचमी का हिंदू त्योहार और जुमे की नमाज एक ही दिन पड़ने के मद्देनजर इस ऐतिहासिक शहर में किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए करीब 8,000 की तादाद में पुलिस और अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई थी। जिलाधिकारी प्रियंक मिश्रा ने संवाददाताओं को बताया, उच्चतम न्यायालय के निर्देश जारी होने के बाद दोनों पक्षों के साथ बैठक की गई थी और उन्हें इनकी विस्तृत जानकारी देते हुए वसंत पंचमी की व्यवस्थाओं से अवगत कराया गया था। उन्होंने बताया कि इन निर्देशों के मुताबिक दोनों पक्षों को उनकी उपासना पद्धति के पालन के लिए विवादित परिसर में अलग-अलग जगह दी गई। मिश्रा ने बताया, हिंदू और मुस्लिम पक्षों ने इस परिसर में अपनी उपासना पद्धति का निर्विघ्न पालन किया। इस दौरान समूचे धार जिले में शांति और लोक व्यवस्था बरकरार रही। उन्होंने बताया कि नमाज के लिए उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुसार विवादित परिसर के अंदर ही एक स्थान नियत किया गया और इसकी मुस्लिम समुदाय को लिखित जानकारी भी दी गई थी।

भारत को 2047 तक विकसित बनाने की यात्रा एक 'समुद्री सफर': नौसेना प्रमुख

रांची : नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने 'विकसित भारत 2047' की तुलना एक समुद्री यात्रा से करते हुए शुक्रवार को इस बात पर जोर दिया कि भारत समेत दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं व्यापार और विकास के लिए महासागरों पर काफी हद तक निर्भर हैं। एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि दुनिया का 90 प्रतिशत निर्यात-आयात (एक्सिम) व्यापार समुद्र के रास्ते होता है और भारत का 95 प्रतिशत व्यापार समुद्री मार्गों से होता है जिससे विकसित भारत के लक्ष्य को 2047 तक प्राप्त करने के लिए महासागर प्राथमिक माध्यम बन जाते हैं। उन्होंने 'सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड' (सीसीएल) के 'दरभंगा हाउस' सम्मेलन कक्ष में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, ''विकसित भारत 2047 अब केवल एक नीति नहीं रहा, यह अब एक वास्तविकता बन गया है और यह लक्ष्य हासिल करने के लिए स्पष्ट पड़ाव तय किए गए हैं। जैसा कि हम जानते हैं, हमारा 95 प्रतिशत व्यापार समुद्री मार्गों से होता है और दुनिया का भी करीब 90 प्रतिशत व्यापार इन्हीं पर निर्भर है। हम भौगोलिक रूप से भाग्यशाली हैं कि हमारा देश तीन तरफ से महासागरों से घिरा है और यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम इन्हें हर प्रकार की बाधा से मुक्त रखें।'' उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना हिंद महासागर क्षेत्र में सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाली शक्ति है और आज दुनिया इसे इसी रूप में पहचान रही है। नौसेना प्रमुख ने कहा, ''नीली अर्थव्यवस्था का हमारी अर्थव्यवस्था में योगदान अभी सिर्फ चार प्रतिशत है जो बहुत कम है और विकसित भारत के लक्ष्य के अनुरूप इसे दहाई अंकों तक बढ़ाया जाना चाहिए।''

जम्मू में सड़क दुर्घटना में मारे गए 10 सैनिकों को सेना ने श्रद्धांजलि दी

जम्मू : जम्मू कश्मीर के डोडा जिले में भद्रवाह-चंबा अंतरराज्यीय सड़क पर एक हादसे में मारे गए 10 सैनिकों को शुक्रवार को यहां पुष्पांजलि अर्पित की गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह समारोह व्हाइट नाइट कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल पी.के. मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित किया गया था और इसमें थल सेना, भारतीय वायु सेना (आईएएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), पुलिस और असैन्य प्रशासन के अधिकारी उपस्थित हुए। उन्होंने बताया कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की ओर से भी सैनिकों के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित किए गए। जम्मू क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) भीम सेन टूटी और जम्मू में सीआरपीएफ के महानिरीक्षक आर गोपाल कृष्ण राव ने भी तिरंगे में लिपटे सैनिकों के शवों पर पुष्पचक्र अर्पित किए।

प्रधानमंत्री कार्यालय का वाहन चालक होने का दावा करने वाले व्यक्ति ने नीति आयोग में घुसने की कोशिश की

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में स्थित नीति आयोग परिसर में शुक्रवार को कथित सुरक्षा चूक का मामला सामने आया, जब प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से जुड़े होने का दावा करने वाले एक व्यक्ति को सुरक्षाकर्मियों ने रोक लिया। सूत्रों ने बताया कि संजीव कुमार नामक व्यक्ति पानी लेने के बहाने परिसर में प्रवेश करने की कोशिश कर रहा था। पुलिस के एक सूत्र ने बताया कि गणतंत्र दिवस की तैयारियों के मद्देनजर तैनात सतर्क सुरक्षा कर्मियों को उस पर शक हुआ और उन्होंने उससे वैध पहचान पत्र और अनुमति दिखाने को कहा। नीति आयोग परिसर संसद मार्ग पर स्थित है, जो कर्तव्य पथ के बेहद करीब है। 26 जनवरी को यहीं गणतंत्र दिवस परेड प्रस्तावित है, जिसे देखते हुए यहां कड़ी सुरक्षा व्यवस्था लागू है। सूत्रों ने बताया कि कुमार और सुरक्षाकर्मियों के बीच बहस शुरू हुई, जो जल्द ही हाथापाई में बदल गई। अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों के हस्तक्षेप के बाद स्थिति नियंत्रण में आई। इसके बाद व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। दिल्ली पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने उसके पीएमओ से जुड़े होने के दावे और पहचान की जांच की।

फरीदाबाद में 50 तक गिनती न लिख पाने पर पिता ने बेटी की हत्या की

फरीदाबाद : हरियाणा के फरीदाबाद में एक पिता ने अपनी चार वर्षीय बेटी को घर पर पढ़ाते समय 50 तक गिनती न लिख पाने के कारण कथित तौर पर पीट-पीटकर मार डाला। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सेक्टर 58 थाने में शिकायत दर्ज होने के बाद आरोपी कृष्णा जायसवाल (31) को गिरफ्तार कर लिया गया। उसे शुक्रवार को शहर की अदालत में पेश किया गया जहां से उसे एक दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिला अंतर्गत खेरतिया गांव का मूल निवासी जायसवाल फरीदाबाद में किराए के मकान में रहता था। वह और उसकी पत्नी निजी कंपनियों में काम करते थे। मां दिन में काम करती थी, जबकि जायसवाल इस दौरान घर पर बच्चों की देखभाल और अपनी बेटी की पढ़ाई की निगरानी करता था। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना 21 जनवरी को तब हुई जब जायसवाल ने बच्ची को एक से 50 तक गिनती लिखने को कहा। उन्होंने कहा कि जब वह यह काम पूरा नहीं कर पाई, तो पिता ने कथित तौर पर उसे बुरी तरह पीटा, जिससे उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना के बारे में तब पता चला जब मां शाम को काम से लौटी और बच्ची को मृत पाया।

पहाड़ों में बर्फबारी और मैदानों में बारिश से उत्तर भारत में शुष्क मौसम का दौर खत्म

नयी दिल्ली : उत्तर भारत में लंबे समय से जारी शुष्क मौसम का दौर शुक्रवार को पहाड़ों में बर्फबारी और मैदानों में बारिश के साथ समाप्त हो गया। सुबह से घने बादलों, बारिश और तेज हवाओं के कारण दिल्ली सहित कई इलाकों में सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ और गणतंत्र दिवस परेड के फुल ड्रेस रिहर्सल पर भी असर पड़ा। जम्मू-कश्मीर में ताजा हिमपात के कारण श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग और मुगल रोड को यातायात के लिए बंद करना पड़ा। गुलमर्ग में दो फुट से अधिक बर्फबारी दर्ज की गई, जबकि सोनमर्ग और पहलगाम में भी बर्फ की मोटी परत जमी। खराब मौसम के कारण श्रीनगर हवाई अड्डे से सभी उड़ानें रद्द कर दी गईं और वैष्णो देवी यात्रा कुछ समय के लिए स्थगित करनी पड़ी। हिमाचल प्रदेश में इस सर्दी की पहली व्यापक बर्फबारी से तीन महीने से चला आ रहा सूखा खत्म हुआ। मनाली, शिमला, चकराता और औली जैसे पर्यटन स्थलों पर बर्फ की सफेद चादर बिछ गई, जिससे पर्यटकों में खुशी की लहर दौड़ गई। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने इसे कृषि और बागवानी के लिए लाभदायक बताया। उत्तराखंड में बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री समेत ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हुई जबकि निचले क्षेत्रों में बारिश से ठंड और बढ़ गई। सेब उत्पादकों और किसानों ने इसे फसलों के लिए राहत भरा माना। दिल्ली में साल की पहली बारिश दर्ज की गई, जिससे प्रदूषण से कुछ राहत मिली। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, वायु गुणवत्ता सूचकांक में सुधार हुआ। हालांकि बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव और यातायात जाम की स्थिति बनी रही। भीगी वर्दियों और जूतों में सैनिकों ने कर्तव्य पथ पर फुल ड्रेस रिहर्सल किया। राजस्थान, पंजाब और हरियाणा में भी बारिश से शुष्क मौसम का अंत हुआ। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से आने वाले दिनों में कुछ इलाकों में फिर बारिश और बर्फबारी हो सकती है। कुल मिलाकर, बदले मौसम ने किसानों को राहत और पर्यटकों को आनंद दिया, जबकि जनजीवन कुछ समय के लिए अस्त-व्यस्त रहा।

आयुष्मान भारत योजना के तहत स्वास्थ्य रिकॉर्ड को जोड़ने में एम्स-भुवनेश्वर सबसे आगे

भुवनेश्वर : भुवनेश्वर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने शुक्रवार को घोषणा की कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के तहत स्वास्थ्य अभिलेखों को जोड़ने की श्रेणी में उसे शीर्ष सरकारी संस्थान के रूप में मान्यता दी गई है। संस्थान द्वारा जारी एक वक्तव्य में यह जानकारी दी गई है। यह पुरस्कार 19-20 जनवरी को भुवनेश्वर में आयोजित चिंतन शिविर के दौरान प्रदान किया गया। इस शिविर का आयोजन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) द्वारा किया गया था। एम्स-भुवनेश्वर के कार्यकारी निदेशक आशुतोष बिस्वास और आईटी समिति के अध्यक्ष मनोज कुमार मोहंती ने मुख्य सचिव अनु गर्ग से यह पुरस्कार ग्रहण किया।

ट्वेंटी20 पार्टी के अध्यक्ष जैकब ने राजग में शामिल होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की

तिरुवनंतपुरम : ट्वेंटी20 पार्टी के अध्यक्ष साबू एम. जैकब ने शुक्रवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। उनकी यह मुलाकात ट्वेंटी20 पार्टी के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल होने के फैसले की घोषणा के एक दिन बाद हुई। जैकब कोच्चि के नजदीक किझाकंबलम में स्थित किटेक्स गारमेंट्स के प्रबंध निदेशक भी हैं। उन्होंने 2013 में ट्वेंटी20 पार्टी की स्थापना की थी। जैकब की पार्टी 2015 से ही चुनाव मैदान में उतर रही है। प्रधानमंत्री दो सरकारी कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए केरल के दौरे पर थे। इसी दौरान जैकब की प्रधानमंत्री से मुलाकात भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केरल इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर की उपस्थिति में हुई।

न्यूज ब्रीफ

गिल फिर नाकाम, सौराष्ट्र ने पंजाब को 194 रन से रौंदा

राजकोट: स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल की लगातार दूसरी विफलता के बीच सौराष्ट्र ने पंजाब को 194 रन से करारी शिकस्त दी। मुश्किल पिच पर 320 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब की टीम दूसरी पारी में सिर्फ 125 रन पर सिमट गई। गिल 32 गेंद में 14 रन बनाकर पार्थ भुट की गेंद पर पगबाधा आउट हुए। पहली पारी में भी वह खाता खोले बिना आउट हुए थे। बाएं हाथ के स्पिनर पार्थ भुट ने घातक गेंदबाजी करते हुए मैच में कुल 10 विकेट झटके, जबकि धर्मेंद्र जडेजा ने पांच विकेट लेकर उनका शानदार साथ दिया। पंजाब के लिए उदय सहारण 31 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। इससे पहले सौराष्ट्र ने दूसरी पारी में निचले क्रम के योगदान से 286 रन बनाए, जिसमें प्रेरक मानकड़ के 56 और रविंद्र जडेजा के 46 रन अहम रहे। इस जीत से सौराष्ट्र के छह मैचों में 18 अंक हो गए।

बांग्लादेश की अपील पर सुनवाई डीआरसी के अधिकार क्षेत्र में नहीं

नयी दिल्ली: बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने आईसीसी की विवाद समाधान समिति (डीआरसी) को पत्र लिखकर राष्ट्रीय पुरुष टीम के टी20 विश्व कप मुकाबले भारत में कराने के संचालन परिषद के फैसले को पलटने की मांग की है, लेकिन यह अपील सुनी नहीं जाएगी क्योंकि यह मामला उप-समिति के अधिकार क्षेत्र से बाहर है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भले ही स्कॉटलैंड को 'स्टैंडबाय' पर रखा हो, लेकिन पूरी तरह घिर जाने के बाद अमीनुल इस्लाम बुलबुल के नेतृत्व वाला बीसीबी आखिरी विकल्प के तौर पर आईसीसी की डीआरसी के पास पहुंचा। इस समिति के अध्यक्ष इंग्लैंड के माइकल बेलॉफ (किंग्स काउंसिल) हैं। बीसीबी के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा, हां, बीसीबी ने डीआरसी का रुख किया है क्योंकि वह अपने सभी विकल्प आजमाना चाहता है।

सूर्यकुमार-इशान की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से भारत ने न्यूज़ीलैंड को सात विकेट से हराया

रायपुर: कप्तान सूर्यकुमार यादव की नाबाद 82 रन की तूफानी पारी और इशान किशन के 76 रनों की आक्रामक बल्लेबाजी की बदौलत भारत ने पांच मैचों की श्रृंखला के दूसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय में न्यूजीलैंड को सात विकेट से पराजित कर श्रृंखला में 2-0 की बढ़त बना ली। भारत ने 208 रन के लक्ष्य को महज 15.2 ओवर में हासिल कर लिया और 28 गेंद शेष रहते जीत दर्ज की, जो टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 200 से अधिक रन का पीछा करते हुए सबसे बड़ी जीत है। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए भारत ने कुलदीप यादव के शानदार स्पेल की मदद से न्यूजीलैंड को छह विकेट पर 208 रन पर रोका। रचिन रवींद्र ने 26 गेंद में 44 रन बनाए जबकि कप्तान मिचेल सैंटनर ने 27 गेंद में नाबाद 47 रन की तेज पारी खेली। शुरुआत में कॉन्वे और सिफर्ट ने तेज रन जुटाए, लेकिन कुलदीप ने ग्लेन फिलिप्स और रवींद्र के अहम विकेट लेकर मैच का रुख बदल दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत को शुरुआती झटके लगे, लेकिन इशान किशन ने आक्रामक अंदाज अपनाते हुए 32 गेंद में 11 चौके और चार छक्कों की मदद से 76 रन ठोके। उन्होंने कप्तान सूर्यकुमार के साथ तीसरे विकेट के लिए 49 गेंद में 122 रन की साझेदारी कर मैच पूरी तरह भारत के पक्ष में कर दिया। सूर्यकुमार यादव ने 37 गेंद में नौ चौके और चार छक्के लगाते हुए नाबाद 82 रन बनाए और लंबे समय बाद अर्धशतक का सूखा खत्म किया। शिवम दुबे ने भी 18 गेंद में नाबाद 36 रन जोड़कर जीत पर मुहर लगा दी। इस जीत के साथ भारत ने 200 से अधिक रन के लक्ष्य का सफल पीछा करने के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बराबरी की और टी-20 विश्व कप से पहले शानदार लय हासिल की।

सरफराज के दोहरे शतक से मुंबई ने हैदराबाद पर कसा शिकंजा

हैदराबाद: सरफराज खान की227 रन कीशानदार पारी की बदौलत मुंबई ने रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मुकाबले में हैदराबाद पर पूरी तरह दबदबा बना लिया। हैदराबाद ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक पहली पारी में दो विकेट पर 138 रन बना लिए है लेकिन टीम मुंबई से 422 रनों से पीछे है। मुंबई की पहली पारी 560 रन पर सिमटी। सरफराज ने दिन की शुरुआत में 142 रन से आगे खेलते हुए मौजूदा सत्र के अपने पहले शतक को दोहरे शतक में तब्दील किया। उन्होंने भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज (106 रन देकर एक विकेट) की अगुवाई वाले आक्रमण के खिलाफ बेखौफ बल्लेबाजी करते हुए 19 चौके और नौ छक्के जडे। अजिंक्य रहाणे की जगह टीम में शामिल किए गए सुवेद पारकर ने भी मौके का पूरा फायदा उठाया और 75 रनों की उपयोगी पारी खेली। इसके जवाब में हैदराबाद की शुरुआत खराब रही और उसने जल्दी दो विकेट गंवा दिए। राहुल गहलोत (नाबाद 82) और कोडिमेला हिमतेजा (नाबाद 40) ने तीसरे विकेट के लिए अटूट शतकीय सा-झेदार कर टीम को मुश्किल स्थिति से बाहर निकाला।

असफलता का डर हम सभी में घर कर गया होगा: रोहित ने आईसीसी के लंबे समय तक के खिताबी सूखे पर कहा

नयी दिल्ली: टी20 विश्व कप विजेता और पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि 2011 से 2024 तक भारत के आईसीसी प्रतियोगिताओं में खिताबी सूखे का एक कारण देश के शीर्ष बल्लेबाजों में असफलता का डर हो सकता है। भारतीय टीम ने 2011 में महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में वनडे विश्व कप जीता था। टीम को अगले बड़े ट्रॉफी की प्रतीक्षा 2024 तक करनी पड़ी, जब रोहित की कप्तानी में टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया। रोहित ने 'जियोहॉटस्टार' के कार्यक्रम में कहा, मैं हमेशा मानता रहा हूं कि जब परिस्थितियां खराब चल रही हों, वह हमेशा के लिए खराब नहीं रहेंगी और एक दिन सुधार अवश्य आएगा। लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि इसमें 13 साल लग जाएंगे। मैं नहीं सोचता था कि इतना समय लगेगा। पिछले विश्व कप की जीत 2011 में थी और फिर हमने 2024 में जीता। यह 13 साल का अंतराल है। हां, 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी, इसलिए तकनीकी रूप से यह 11 साल का आईसीसी ट्रॉफी सूखा था। लेकिन 11 साल भी काफी लंबा समय है। उन्होंने कहा, हम हमेशा मानते थे कि हमें सही काम करना है और हम सही काम करते रहे। लेकिन कुछ कमी थी। कुछ ऐसा था जो हम नहीं कर पा रहे थे। मुझे लगता है कि इसमें शायद असफलता का डर हम सभी में घर कर गया था, हो सकता है, या नहीं, मुझे नहीं पता, लेकिन मेरी भावना यही थी। रोहित अब सिर्फ वनडे प्रारूप में खेलते है। उन्होंने कहा कि उनकी और पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ की टीम प्रबंधन ने खिलाड़ियों को डर से मुक्त करने के लिए उन्हें स्वतंत्रता और भूमिका की स्पष्टता दी। इस दिग्गज बल्लेबाज ने कहा, 'हमने डर को खत्म करने की कोशिश की। हमने खिलाड़ियों को स्वतंत्रता देकर और साफ बता कर कि 'तुम इस काम के लिए जिम्मेदार हो, जो कुछ भी होगा हम तुम्हारा साथ देंगे।' इसके साथ ही उनकी भूमिका और हमारी अपेक्षाओं को भी स्पष्ट किया। मैं व्यक्तिगत रूप से खिलाड़ियों से बात करता था और कहता था, 'यह तुम्हारी भूमिकाहै और हमें यह चाहिए।'

सिंधू और लक्ष्य की हार से इंडोनेशिया मास्टर्स में भारतीय चुनौती समाप्त

जकार्ता: दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और युवा स्टार लक्ष्य सेन के क्वार्टर फाइनल में बाहर होने के साथ ही पांच लाख डॉलर इनामी इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की चुनौती शुक्रवार को समाप्त हो गई। महिला एकल क्वार्टर फाइनल में सिंधू को चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व नंबर चार चेन यू फेई के खिलाफ सीधे गेम में 13-21, 17-21 से हार झेलनी पड़ी। 42 मिनट चले मुकाबले में सिंधू पूरे समय दबाव में नजर आईं। इस हार के साथ चेन के खिलाफ आमने-सामने के रिकॉर्ड में सिंधू 6-8 से पीछे हो गईं। सिंधू की इस खिलाड़ी के खिलाफ पिछली जीत 2019 में दर्ज हुई थी। पुरुष एकल में लक्ष्य सेन को थाईलैंड के उभरते खिलाड़ी पनिचाफोन तीरारत्साकुल ने कड़े संघर्ष में 18-21, 20-22 से शिकस्त दी। 46 मिनट तक चले इस मैच में लक्ष्य ने दोनों गेम में शानदार वापसी की कोशिश की, लेकिन निर्णायक क्षणों में चूक गए। इससे

रोहित शर्मा के नक्शेकदमों पर चल रहा हूं क्योंकि गंभीर और सूर्यकुमार मुझसे यही चाहते हैं: अभिषेक

नयी दिल्ली: भारत के तूफानी सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने कहा कि कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव के प्रोत्साहन के बाद वह पूर्व कप्तान रोहित शर्मा द्वारा टी20 अंतरराष्ट्रीय पावरप्ले के लिए तय किए गए आक्रामक खेल का अनुकरण कर रहे हैं। अभिषेक ने 2024 जुलाई में टी20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था और अपनी तेज-तर्रार बल्लेबाजी की बदौलत उन्होंने बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया है। अब तक 34 मैच में उन्होंने दो शतक और सात अर्धशतक के साथ 1199 रन बनाये हैं जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 190.92 है। अभिषेक ने रोहित के प्रभाव पर बात करते हुए 'जियोस्टार' से कहा, 'रोहित भाई ने देश के लिए बहुत कुछ किया है। पावरप्ले में वह जो शुरुआत देते थे, उससे प्रतिद्वंद्वी टीम पर हमेशा दबाव बना रहता था।' उन्होंने कहा, 'जब मैं टीम में आया तो कोच और कप्तान मुझसे यही चाहते थे। मुझे लगता है कि यह मेरी बल्लेबाजी शैली के अनुरूप भी है क्योंकि मुझे शुरुआत से ही आक्रामक खेलने का शौक है। मैं रोहित भाई के नक्शेकदमों पर चल रहा हूं और मुझे इस तरीके से खेलकर भारत के लिए अच्छा प्रदर्शन करने पर खुशी है।' अभिषेक ने कहा कि उनकी बल्लेबाजी में सुधार की गुंजाइश जरूर है लेकिन उन्हें अपनी भूमिका पर पूरी स्पष्टता है। उन्होंने कहा, 'मैं यह नहीं कहूंगा कि मैं पूरी तरह से परिपक्व हो गया हूं क्योंकि हमेशा सुधार की गुंजाइश रहती है। लेकिन मुझे लगता है कि मेरी भूमिका पहले छह ओवरों में आक्रामक क्रिकेट खेलना है।' उन्होंने कहा, 'मैं इसके लिए बहुत अभ्यास कर रहा हूं। मुझे पता है कि अगर मैं अच्छी शुरुआत दूं या शुरू से अच्छा इरादा दिखाऊं तो टीम उसी लय का अनुकरण कर सकती है, मैं हमेशा इसके बारे में सोचता हूं।'

समाज्ञा व्यापार

न्यूज अपडेट

सोना 1,500 रुपये बढ़कर 1.58 लाख प्रति 10 ग्राम पर, चांदी 9,500 रुपये चढ़ी

नयी दिल्ली: राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शुक्रवार को सोने की कीमत 1,500 रुपये बढ़कर 1,58,700 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गईं। अखिल भारतीय सराफा संघ ने कहा कि मजबूत वैश्विक रुझानों के बीच स्टॉकिस्टों की नई खरीदारी के कारण ये तेजी आई। कारोबारियों ने बताया कि 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना इससे पिछले सत्र में 1,57,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। बुधवार को इसने 1,59,700 रुपये प्रति 10 ग्राम का सर्वकालिक उच्च स्तर छुआ था।

यूरोपीय संघ के शुल्क लाभ रोके जाने से केवल 2.66 प्रतिशत निर्यात पर असर: मंत्रालय

नयी दिल्ली: यूरोपीय संघ (ईयू) की तरफ से एक प्रोत्साहन योजना के तहत शुल्क रियायतें निलंबित किए जाने से भारत से ईयू को होने वाले कुल निर्यात का केवल 2.66 प्रतिशत ही प्रभावित होगा। वाणिज्य मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यूरोपीय संघ 'सामान्यीकृत तरजीही व्यवस्था' (जीएसपी) के तहत निर्यात प्रोत्साहन के लिए विकासशील और अल्प-विकसित देशों से होने वाले आयात पर कम या शून्य सीमा-शुल्क की सुविधा देता रहा है। हालांकि यूरोपीय आयोग ने एक विनियमन अपनाया है जिसमें भारत एवं कुछ अन्य लाभार्थी देशों के लिए विशिष्ट शुल्क छूट को 2026-28 की अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया है।

आरबीआई बैंकों में दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की नकदी डालेगा

मुंबई: भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को कहा कि वह कई माध्यमों से बैंकिंग प्रणाली में दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की नकदी डालेगा। एक आधिकारिक बयान में कहा गया, ''मौजूदा नकदी और वित्तीय स्थितियों की समीक्षा के बाद रिजर्व बैंक ने बैंकिंग प्रणाली में नकदी डालने का निर्णय लिया है।'' इन उपायों में 30 जनवरी, 2026 को आयोजित की जाने वाली 25,000 करोड़ रुपये की राशि के लिए 90 दिवसीय वेरिएबल रेट रेपो (वीआरआर) नीलामी और चार फरवरी, 2026 को आयोजित होने वाली तीन साल की अवधि के लिए 10 अरब डॉलर यानी 91,000 करोड़ रुपये की 'अमेरिकी डॉलर / भारतीय रुपया खरीद-बिक्री अदला-बदली नीलामी शामिल है।

अदाणी समूह की कंपनियों के शेयर में 13 प्रतिशत तक की गिरावट

नयी दिल्ली: अदाणी समूह की कंपनियों के शेयर में शुक्रवार को 13 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (एसईसी) के कथित धोखाधड़ी और 26.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रिश्वत मामले में गौतम अदाणी और सागर अदाणी को समन जारी करने के लिए अदालत से मंजूरी मांगने की खबरों के बाद समूह की कंपनियों के शेयर में गिरावट आई। बीएसई पर समूह की प्रमुख कंपनी, अदाणी एंटरप्रा-इजेज का शेयर 9.38 प्रतिशत टूटकर 1,891.60 रुपये, अदाणी पावर का शेयर 8.84 प्रतिशत फिसलकर 128.35 रुपये पर, अदाणी पोर्ट्स का शेयर 7.81 प्रतिशत फिसलकर 1,303.35 रुपये पर और अदाणी टोटल गैस का शेयर 7.55 प्रतिशत की गिरावट के साथ 507 रुपये पर आ गया। अदाणी पोर्ट्स का शेयर सबसे अधिक टूटा। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड का शेयर 13.20 प्रतिशत फिसलकर 785 रुपये और अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) का शेयर 10.57 प्रतिशत टूटकर 827.20 रुपये पर आ गया। समूह की कंपनी अंबुजा सीमेंट का शेयर 5.98 प्रतिशत फिसलकर 513.50 रुपये पर, सांघी इंडस्ट्रीज का शेयर 5.96 प्रतिशत लुढ़कर 60.06 रुपये पर, एनडीटीवी का शेयर 5.31 प्रतिशत टूटकर 80.72 रुपये पर और एसीसी का शेयर 2.76 प्रतिशत फिसलकर 1,680 रुपये पर आ गया।

डब्ल्यूईएफ की 85 करोड़ लोगों को फिर से कुशल बनाने की पहल में भारत शामिल

दावोस: विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) ने शुक्रवार को कौशल विकास में निवेश करने के लिए एक प्रमुख वैश्विक पहल की घोषणा की, जिससे 85 करोड़ से अधिक लोगों को लाभ होगा। मंच ने भारत और जॉर्डन में नए कौशल और शिक्षा उत्प्रेरक शुरू करने की भी घोषणा की। इससे 45 राष्ट्रीय उत्प्रेरकों के वैश्विक नेटवर्क को मजबूती मिलेगी, जिन्होंने कुल 1.48 करोड़ लोगों की मदद की है। ये प्रोत्साहन रोजगार, कौशल विकास और समावेशी आर्थिक वृद्धि पर जोर देते हुए सरकार, व्यवसाय और नागरिक समाज को एक साथ लाते हैं। 'इंडिया एक्सेलरेटर' समान कौशल प्राप्ति की बाधाओं को दूर करने पर ध्यान केंद्रित करेगा, जबकि 'जॉर्डन एक्सेलरेटर' शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए उभरती तकनीक का लाभ उठाने पर काम करेगा। डब्ल्यूईएफ ने कहा कि उसकी 'पुनर्कौशल क्रांति' पहल दुनिया भर में 85 करोड़ से अधिक लोगों तक पहुंचने की राह पर है, जो अंतत: एक अरब लोगों को कौशल, शिक्षा और आर्थिक अवसरों तक बेहतर पहुंच प्रदान करेगा। वैश्विक श्रम बाजारों को कृत्रिम मेधा (एआई), भू-आर्थिक बदलाव और ऊर्जा बदलाव तेजी से नया आकार दे रहे हैं, इसलिए श्रमिकों को भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए तैयार करना एक तत्काल वैश्विक प्राथमिकता है। डब्ल्यूईएफ ने कहा कि नई प्रतिबद्धताओं में कॉरपोरेट संकल्प, विश्वविद्यालय-नियोक्ता भागीदारी और राष्ट्रीय कौशल उत्प्रेरक शामिल हैं, जो इस बात पर खासतौर से जोर देंगे कि लोग कार्यबल में कैसे प्रवेश करें, नौकरियों के बीच कैसे बदलाव करें और एआई द्वारा आकार ले रही अर्थव्यवस्था में रोजगार के योग्य कैसे बने रहें।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 14 अरब डॉलर बढ़कर 700 अरब डॉलर के पार: आरबीआई आंकड़े

मुंबई: भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को बताया कि 16 जनवरी को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 14.16 अरब डॉलर बढ़कर 701.36 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इससे पिछले सप्ताह में कुल मुद्रा भंडार 39.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 687.19 अरब डॉलर हो गया था। मुद्रा भंडार सितंबर 2024 में 704.89 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था, लेकिन हाल के दिनों में इस पर दबाव देखा गया। खासकर तब जब रुपये में अत्यधिक उतार-चढ़ाव को रोकने के लिए मुद्रा भंडार का उपयोग किया गया। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार 16 जनवरी को समाप्त सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां, जो भंडार का एक प्रमुख हिस्सा हैं, 9.65 अरब डॉलर बढ़कर 560.51 अरब डॉलर हो गईं। डॉलर के रूप में व्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर अमेरिकी मुद्राओं में मूल्य वृद्धि या मूल्यह्रास के प्रभाव शामिल होते हैं।

सतर्क संदेश के साथ दावोस बैठक संपन्न, भारत ने दिखाई उम्मीद की किरण

दावोस: विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की पांच दिवसीय वार्षिक बैठक शुक्रवार को दावोस में संपन्न हुई। बैठक का समापन दुनिया में बढ़ते संघर्षों, संरक्षणवाद, बढ़ते सरकारी कर्ज, गलत सूचनाओं, घटते भरोसे, एआई के जोखिमों और आर्थिक सुस्ती के प्रति चेतावनी के साथ हुआ। इन सबके बीच भारत ने उम्मीद की एक किरण जगाई। भारत के राजनीतिक और कारोबारी दिग्गजों ने दुनिया के सामने भारत में और भारत के साथ व्यापार करने का पुरजोर पक्ष रखा। इस सम्मेलन में 64 देशों के राष्ट्राध्यक्षों या शासनाध्यक्षों ने भाग लिया, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने जाने-पहचाने अंदाज में लगभग हर किसी की आलोचना करते हुए सुर्खियों में छाए रहे। दूसरे देशों के नेताओं ने भी पलटवार किया, हालांकि उनमें से अधिकांश का लहजा विनम्र था। ट्रंप गाजा और यूक्रेन के लिए अपनी शांति योजनाओं पर कुछ प्रगति करते नजर आए। उन्होंने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से मुलाकात की और इसे एक अच्छी बैठक बताया। साथ ही, उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के पास एक दूत भेजकर यह संदेश दिया कि युद्ध अब समाप्त होना चाहिए। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के बारे में ट्रंप ने कहा कि मोदी उनके दोस्त हैं और जल्द ही एक ''अच्छा समझौता'' होगा। भारत के कम से कम दस राज्यों ने निवेश के लिए अपनी प्रदर्शनी लगाई और करोड़ों रुपये के निवेश प्रतिबद्धताओं की घोषणा की। हालांकि, कुछ राज्यों ने आंकड़ों की घोषणा करने से परहेज किया, क्योंकि अक्सर यह सवाल उठते रहे हैं कि विदेशी धरती पर हस्ताक्षरित इन समझौता ज्ञापनों (एमओयू) में कितने वास्तव में धरातल पर उतरते हैं। नाम न छापने की शर्त पर कुछ व्यापारिक और सरकारी नेताओं ने कहा कि ये आंकड़े अक्सर सुर्खियां बटोरने और बड़े राज्य प्रतिनिधिमंडलों द्वारा किए गए भारी खर्च को सही ठहराने के लिए बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए जाते हैं।

भारत में एफडीआई प्रवाह 2025 में 73 प्रतिशत बढ़कर 47 अरब डॉलर: संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र: संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि 2025 में भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का प्रवाह 73 प्रतिशत बढ़कर 47 अरब डॉलर हो गया। यह वृद्धि मुख्य रूप से सेवाओं और विनिर्माण क्षेत्र में बड़े निवेश के कारण हुई। इसे देश को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं से जोड़ने के लिए बनाई गई नीतियों का समर्थन मिला। व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (अंकटाड) द्वारा बृहस्पतिवार को जारी 'वैश्विक निवेश रुझान निगरानी' में कहा गया कि चीन में एफडीआई प्रवाह लगातार तीसरे वर्ष गिरा और समीक्षाधीन अवधि में आठ प्रतिशत की गिरावट के साथ अनुमानित 107.5 अरब डॉलर रह गया। अंकटाड ने कहा, ''भारत में एफडीआई प्रवाह 73 प्रतिशत बढ़कर 47 अरब डॉलर हो गया, जिसका मुख्य कारण वित्त, आईटी और आरएंडडी (अनुसंधान एवं विकास) सहित सेवाओं और विनिर्माण में बड़े निवेश थे। इन्हें भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं से जोड़ने के लिए बनाई गई नीतियों का समर्थन मिला।''

वर्ष 10, पूर्णांक 3483 अंक 293 RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सरोज राय द्वारा रजि. 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित। सम्पादक- अनिल कुमार राय (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), कॉर्पोरेट आफिस : 230, चित्तरंजन एवेन्यू, कोलकाता-700 006, विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in